नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• बोकारो, सोमवार, 13 अक्टूबर 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 147 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति और जेपी नड्डा की अध्यक्षता में नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक हुई

कम मतदान प्रतिशत वाले केंद्रों को चिन्हित कर चलाएं विशेष स्वीप कार्यक्रम : सीइओ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

घाटशिला। घाटशिला में प्रत्येक बूथ मॉडल बूथ के रूप में कार्य करेंगे। मतदाताओं को मतदान केंद्रों पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किए गए गाइडलाइंस को फॉलो करते हुए मतदान हेतु सभी एश्योर्ड मिनिमम फैसिलिटी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। यह बात मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कही। श्री कुमार घाटशिला अनुमंडल सभागार में घाटशिला (अ.ज.जा.) विधानसभा उप चुनाव हेतु वरीय पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि निर्वाचन कार्य में जीरो एरर के साथ कार्य करना है। मतदान हेतु प्रत्येक बिंदुओं पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विस्तृत नियमावली बनाए गए है एवं हर कार्य हेतु मॉड्यूल एवं एसओपी बने हुए है। सभी पदाधिकारी अपने कार्यों के संपादन हेतु इन दिशा निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करें। श्री कुमार ने कहा कि निर्वाचन कार्य को

त्रुटि रहित बनाने हेतु एवं मतदान प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए तैयार दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही पदाधिकारियों को ट्रेनिंग देना सुनिश्चित करें। सोशल मीडिया पर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों पर विशेष ध्यान रखें। इस हेतु प्रतिनिधियों के सोशल मीडिया के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर लें एवं उन्हें आदर्श आचार संहिता के लिए क्या करें क्या न करें का बिंदुवार जानकारी उपलब्ध करा दें। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा है कि उप चुनाव में 40% से अधिक दिव्यांग मतदाता अथवा वैसे इच्छुक मतदाता जिनकी उम्र 85 वर्ष से अधिक है उनके द्वारा इसीनेट पर जाकर सक्षम ऐप के माध्यम से अथवा बीएलओ के माध्यम से उनकी इच्छा जानकर घर से मतदान की व्यवस्था करें। वैसे दिव्यांग एवं वरिष्ठ मतदाता जो मतदान हेतु मतदान केंद्र जाना चाहते हैं उनके आवागमन के लिए वाहन, व्हीलचेयर, रैंप, वोलेंटियर एवं सहायक की व्यवस्था अवश्य कर लें। श्री कुमार ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं की सुविधा हेतु ईवीएम पर लगने वाले मतपत्र में बदलाव किए है इसके तहत अब ईवीएम पर उम्मीदवारों के रंगीन फोटो के साथ-साथ उनके नाम और क्रम संख्या बड़े अक्षरों में अंकित होंगे। इस हेतु भारत निर्वाचन आयोग के गाइडलाइन के अनुरूप ही कार्य करें। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि स्वीप कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मतदाताओं को शिक्षित एवं प्रेरित करते हुए मतदान प्रतिशत को बढ़ाना है। घाटशिला विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पूर्व के चुनाव में कम मतदान प्रतिशत वाले मतदान केंद्रों को चिन्हित करते हुए विशेष स्वीप कार्यक्रम चलाए एवं मतदाताओं को जागरूक करने का कार्य करें। इस अवसर पर आईजी ऑपरेशन झारखंड माइकल राज, पूर्वी सिंहभूम जिले के जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी, डीआईजी धनंजय कुमार, डीआईजी पुलिस मुख्यालय अश्विन कुमार, डीआईजी कोल्हान अनुरंजन किस्पोट्टा, एसएसपी पूर्वी सिंहभूम पीयूष पांडेय, ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, देव दास दत्ता, सहित घाटशिला विधानसभा क्षेत्र के ईआरओ, एईआरओ, उप निर्वाचन आपदाधिकारी पूर्वी सिंहभूम सहित निर्वाचन कार्यालय एवं जिला प्रशासन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नक्सलियों ने जमकर मचाया उत्पात, मोबाइल टावर फूंका

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले में भाकपा माओवादी संगठन द्वारा मनाए जा रहे प्रतिरोध सप्ताह के दौरान हिंसक वारदातों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार देर रात से रविवार तड़के के बीच नक्सलियों ने जराईकेला थाना क्षेत्र के कोलबोंगा गांव में एयरटेल मोबाइल टावर को आग के हवाले कर दिया। जानकारी के अनुसार हथियारबंद नक्सली गांव में पहुंचे और टावर के पास मौजूद कर्मचारियों को धमकाकर भगा दिया। इसके बाद उन्होंने टावर पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। कुछ ही देर में पूरा टावर धू-धूकर जल उठा जिससे क्षेत्र में दहशत फैल गई। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल फैल गया है। बताया जा रहा है कि नक्सलियों ने यह कदम सरकार और सुरक्षा बलों के खिलाफ अपनी आक्रामक मुहिम के तहत उठाया है। घटना के बाद ग्रामीणों में भय का वातावरण है। लोग अपने घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं। इससे पहले शुक्रवार को नक्सलियों ने चार धमाके कर सुरक्षा बलों को निशाना बनाया था। इन धमाकों में हेड कॉन्स्टेबल महेंद्र लश्कर शहीद हो गए जबकि दो अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को शनिवार को एयर लिफ्ट कर दिल्ली के अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनका इलाज जारी है। नक्सलियों की इस लगातार हिंसा से सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ गई है। प्रशासन ने इसे प्रतिरोध सप्ताह के दौरान नक्सलियों द्वारा अपनी ताकत दिखाने की कोशिश बताया है। एयरटेल टावर में आगजनी के बाद क्षेत्र की मोबाइल नेटवर्क सेवाएं पूरी तरह बाधित हो गई हैं। संचार व्यवस्था ठप होने से ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और सीआरपीएफ के जवान मौके पर पहुंचे और इलाके में सघन तलाशी अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि नक्सलियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया गया है और किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और सुरक्षा बलों का सहयोग करें।

सीटों के बंटवारे पर महागठबंधन में कोई मतभेद नहीं : पवन खेड़ा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। बिहार में महागठबंधन के दलों के बीच सीट बंटवारे को लेकर कोई अड़चन नहीं है और सभी सहयोगी दल मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। सेंट जेवियर्स कॉलेज में आयोजित 'संविधान में आदिवासी अधिकार बनाम जमीनी हकीकत' विषय पर चर्चा में हिस्सा लेने पहुंचे कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने बिरसा मुंडा हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात करते हुए यह बात कही। कि श्री खेड़ा ने कहा कि हर पार्टी को अपनी बात रखने का अधिकार है। भाजपा यह उम्मीद कर रही थी कि महागठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर मतभेद होंगे लेकिन ऐसा कुछ नहीं है। बिहार में महागठबंधन पूरी एकजुटता के साथ चुनाव लड़ेगा। उनका यह बयान झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के उस बयान के एक दिन बाद आया है जिसमें पार्टी ने कहा था कि अगर 14 अक्टूबर तक बिहार चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर फैसला नहीं होता है तो वह अपना स्वतंत्र निर्णय लेगी। झामुमो के केंद्रीय महासचिव और प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने शनिवार

को कहा था कि पार्टी बिहार विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की सहयोगी के रूप में कम से कम 12 सीटों पर दावेदारी करना चाहती है। बिहार चुनाव से पहले कांग्रेस द्वारा शुरू किए गए अभियान 'वोट चोर, गद्दी छोड़' को लेकर श्री खेड़ा ने कहा कि यह लोकतंत्र को बचाने का अभियान है। अगर आपके वोट पर आपका अधिकार नहीं रहेगा तो लोकतंत्र भी नहीं रहेगा।

देवघर में प्रसूता की मौत पर हंगामा नर्स पर लापरवाही का आरोप

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। जिला मुख्यालय स्थित सदर अस्पताल में उस समय हड़कंप मच गया जब प्रसव के बाद एक महिला की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया और नर्स पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह प्रसव पीड़ा के बाद महिला को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उसने सुरक्षित रूप से एक बच्चे को जन्म दिया लेकिन बच्चे के जन्म के कुछ ही देर बाद महिला को अचानक तेज दर्द हुआ। ड्यूटी पर तैनात नर्स ने उसे एक इंजेक्शन लगाया जिसके तुरंत बाद महिला की तबीयत बिगड़ने लगी। स्थिति को गंभीर होता देख अस्पताल के डॉक्टरों ने उसे एक निजी अस्पताल रेफर कर दिया लेकिन वहां पहुंचने से पहले ही महिला की मौत हो गई। इसके बाद परिजन महिला का शव लेकर फिर से सदर अस्पताल पहुंचे और जमकर हंगामा किया। आक्रोशित परिजनों का कहना था कि यदि नर्स और डॉक्टर समय पर सही उपचार करते तो महिला की जान बचाई जा सकती थी। महिला, देवघर के गिधनी पंचायत के कोठिया की रहने वाली थी। घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल प्रशासन में अफरातफरी मच गई। गौरतलब है कि देवघर के सरकारी और निजी अस्पतालों में लापरवाही के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के बार-बार निर्देश देने के बावजूद कुछ कर्मियों की मनमानी और उदासीनता रुकने का नाम नहीं ले रही है।

संक्षिप्त समाचार

सड़क दुर्घटना में टाटा स्टील कर्मी की मौत

जमशेदपुर(नबिटा ब्यूरो)। बिरसानगर थाना क्षेत्र के हुरलूंग स्थित नए पुल के पास शनिवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार में जा रही एक अर्टिगा कार अनियंत्रित होकर पलट गई जिससे टाटा स्टील के वायर रॉड मिल में कार्यरत क्रेन ऑपरेटर प्रमोद कुमार सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं कार में सवार छह अन्य कर्मचारी घायल हो गए जिनमें से सभी को इलाज के लिए टाटा मुख्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी की स्थिति फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है।

सड़क किनारे बेहोश मिला पुलिसकर्मी

चतरा(नबिटा ब्यूरो)। सदर थाना क्षेत्र में बीती रात एक पुलिसकर्मी के घायल मिलने से हड़कंप मच गया। घटना आजाद नगर स्थित सुल्तान मस्जिद के पास की है, जहां देर रात करीब 1 बजे आनंद कुमार सिंह नामक पुलिसकर्मी सड़क किनारे बेहोशी की हालत में पड़े मिले। उनकी बाइक भी कुछ दूरी पर गिरी हुई थी। राहगीरों ने जब उन्हें देखा तो तुरंत स्थानीय लोगों को सूचना दी। मौके पर भीड़ जुटी और इसकी खबर सदर थाना पुलिस को दी गई। पुलिस दल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचा और घायल को इलाज के लिए चतरा सदर अस्पताल भेजा। डॉक्टरों ने बताया कि आनंद कुमार सिंह की हालत फिलहाल गंभीर बनी हुई है और उनका इलाज जारी है।

आरपीएफ ने यात्री का छूटा लैपटॉप बैग किया वापस

कोडरमा (नबिटा ब्यूरो)। धनबाद-गया रेलखंड के कोडरमा स्टेशन पर आरपीएफ ने अपनी तत्परता का परिचय देते हुए 'ऑपरेशन अमानत' के तहत एक यात्री का खोया हुआ लैपटॉप बैग बरामद कर उसे सुरक्षित लौटा दिया। कोडरमा आरपीएफ प्रभारी दीपक कुमार ने बताया कि बीती रात उन्हें रेल मदद पोर्टल से शिकायत मिली थी कि गाड़ी संख्या 20839 (रांची-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस) के बी-3 कोच की सीट नंबर 34 पर यात्री विशाल कुमार का लैपटॉप बैग छूट गया है। रविवार को 32 वर्षीय यात्री विशाल कुमार को उनके टिकट और पहचान पत्र के साथ आरपीएफ पोस्ट कोडरमा बुलाया गया। पूरी जांच-पड़ताल के बाद लैपटॉप बैग उन्हें सौंप दिया गया।

आईईडी विस्फोट में घायल हथिनी की मौत

चाईबासा(नबिटा ब्यूरो)। झारखंड के सारंडा जंगल में नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी विस्फोट की चपेट में आई घायल हथिनी की मौत हो गई है। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर चिंता गहरा गई है।

एक साल पुराना अपहरण का मामला सुलझा हरियाणा से युवक को किया बरामद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। जिला पुलिस ने एक साल पुराने कथित अपहरण के मामले का खुलासा करते हुए युवक अंकुर सिंघानिया को सुरक्षित बरामद किया है। मामले की जांच में पता चला कि अंकुर ने पारिवारिक तनाव और मानसिक दबाव के कारण खुद घर छोड़ दिया था। गिरिडीह एसडीपीओ जितबाहन उरांव ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पुलिस ने पूरे मामले की गंभीरता को समझते हुए एक विशेष टीम का गठन किया था और लगातार तकनीकी साक्ष्य व गुप्त सूचना के आधार पर अनुसंधान किया। यह मामला मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बरवाडीह पुलिस लाइन रोड का है। अंकुर के बड़े भाई अंकित सिंघानिया ने 29 नवंबर 2024 को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके भाई का अपहरण हो गया है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए एसडीपीओ जितबाहन उरांव के निर्देश पर विशेष जांच टीम बनाई। टीम ने लगातार प्रयास किया और कई सुराग जुटाए। अंततः पुलिस ने 10 अक्टूबर को अंकुर को हरियाणा के फरीदाबाद से सकुशल बरामद कर लिया। पूछताछ में अंकुर ने स्पष्ट किया कि वह किसी के दबाव में नहीं था और अपहरण की घटना झूठी थी। उसने बताया कि परिवार में चल रहे विवाद और मानसिक तनाव के कारण उसने स्वयं घर छोड़कर रोजगार की तलाश में निकलने का फैसला लिया। डीएसपी जितबाहन उरांव ने कहा कि यह मामला अपहरण का नहीं बल्कि पारिवारिक विवाद का परिणाम था।

बिहार में दूसरे चरण का नामांकन आज से

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारतीय निर्वाचन आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए आज सोमवार को अधिसूचना जारी करेगा। इसके तहत सोमवार से दूसरे चरण के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो जायेगी। यह नोटिफिकेशन बिहार राज्यपाल की ओर से लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 15(2) के तहत जारी किया जायेगा। बिहार के प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र से सदस्य निर्वाचित करने के लिए यह अधिसूचना महत्वपूर्ण है। भारत निर्वाचन आयोग ने पहले चरण के लिए नामांकन करने की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर निर्धारित की है। चुनाव आयोग ने नामांकन केंद्रों के आसपास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के विशेष निर्देश दिए हैं। नामांकन के समय प्रत्याशी के साथ सिर्फ तीन वाहन और प्रस्तावक समेत अधिकतम पांच व्यक्ति ही जा सकेंगे। चुनाव आयोग ने फैसला लिया है कि पूरी नामांकन प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी की जाएगी। निर्वाचन आयोग ने चुनाव प्रक्रिया के सुचारू संचालन के लिए राज्यभर में लगभग 8.50 लाख अधिकारियों की तैनाती की है। आयोग के अनुसार, इन अधिकारियों में 4.53 लाख मतदान कर्मी, 2.50 लाख पुलिसकर्मी, 28,000 से अधिक मतगणना कर्मी, और 18,000 माइक्रो ऑब्जर्वर शामिल हैं। इस बार बिहार में पहली बार सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों में सामान्य पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं। इसके अलावा, चुनाव पर निगरानी रखने के लिए 38 पुलिस पर्यवेक्षक और 67 व्यय पर्यवेक्षक की भी नियुक्ति की गई है। ये पर्यवेक्षक संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों से नियमित संवाद कर चुनाव प्रक्रिया में किसी भी समस्या का समाधान सुनिश्चित करेंगे। दूसरे चरण में 11 नवंबर को इस दौरान 20 जिलों में वोटिंग होगी। इस चरण में सूबे के पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, भागलपुर, बांका, जमुई, नवादा, गया, जहानाबाद, अरवल, औरंगाबाद, रोहतास और कैमूर (भभुआ) जिले में वोट डाले जाएंगे।

झारखंड के दो पर्यटक स्थलों पर होगी चर्चा

हजारीबाग(नबिटा ब्यूरो)। झारखंड के दो पर्यटक स्थल की चर्चा 15-16 अक्टूबर को उदयपुर में आयोजित राष्ट्रीय पर्यटन सम्मेलन में होने जा रही है। इसमें एक मैक्लुस्कीगंज और दूसरा हजारीबाग का 3000 वर्ष से अधिक पुराना बड़कागांव प्रखंड स्थित पंकरी बरवाडीह की मेगालिथ शामिल है। सम्मेलन की अध्यक्षता केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत करेंगे।

स्वदेशी मैराथन में युवाओं ने दिया आत्मनिर्भर भारत का संदेश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। रविवार सुबह रांची का मोरहाबादी मैदान जोश, उमंग और देशभक्ति से सराबोर नजर आया। मौका था स्वदेशी मैराथन 2025 का, जिसका थीम था 'स्वदेशी अपनाओ, आत्मनिर्भर भारत बनाओ'। इस आयोजन में हजारों युवक-युवतियों, स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन को रवाना किया। इस दौरान पूरा परिसर भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से गूंज उठा। राज्यपाल ने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने दैनिक जीवन में स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग करें और वोकल फॉर लोकल अभियान को गति दें। उन्होंने कहा स्वदेशी वस्तुओं के

इस्तेमाल से भारत न केवल आत्मनिर्भर बनेगा बल्कि आर्थिक रूप से भी सशक्त होगा। हर नागरिक को इस दिशा में योगदान देना चाहिए। मैराथन को केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने सांसद खेल महोत्सव से जोड़ा और इसे राष्ट्र निर्माण की दिशा में युवाओं की सक्रिय भागीदारी का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि आज का युवा भारत के भविष्य की रीढ़ है और यदि वही स्वदेशी उत्पादों का उपयोग और प्रचार करेगा तो 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य निश्चित रूप से हासिल किया जा सकेगा। रांची में आयोजित यह मैराथन केवल दौड़ नहीं बल्कि आत्मनिर्भर भारत की ओर एक जन आंदोलन की शुरुआत है। लगभग 5 किलोमीटर लंबी इस स्वदेशी मैराथन में सुबह से ही युवाओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कई प्रतिभागियों ने तिरंगा लेकर दौड़ लगाई तो कइयों ने स्वदेशी संदेश वाले बैनर और पोस्टर थाम रखे थे। दौड़ में युवाओं के साथ-साथ वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर कारगिल युद्ध में शामिल रहे कर्नल राणा भी विशेष रूप से दिल्ली से रांची पहुंचे। उन्होंने कहा कि भारत के विकास और आत्मनिर्भरता की राह में देश का हर नागरिक एक सैनिक है जो स्वदेशी उत्पादों को अपनाकर आर्थिक सुरक्षा में योगदान दे सकता है।

बिहार-झारखण्ड का अपना अखबार

नवबिहार टाइम्स

आवश्यकता

1. बोकारो जिला मुख्यालय के अलावा प्रत्येक प्रखंड के लिए संवाददाता चाहिए।

2. नवबिहार टाइम्स के बोकारो कार्यालय के लिए उप सम्पादक/कार्यालय संवाददाता की आवश्यकता है। हिन्दी में समाचार लिखने और समाचार की समझ रखने वाले अनुभवी संवाददाता ही सम्पर्क करें। मानदेय-योग्यतानुसार।

3. बोकारो कार्यालय के लिए एक चतुर्थवर्गीय कर्मचारी की आवश्यकता है। बोकारो, चास या आस-पास का ही निवासी होना अनिवार्य है

सम्पर्क करें:-

7295863300/8210783623

'नवबिहार टाइम्स' कार्यालय, 31 कॉपरेटीव कॉलोनी बोकारो (झारखण्ड) मो0- 7004247547/6206165107

E-mai : nbtimesbihar@gmail.com

C M Y K

आत्मनिर्भर भारत सम्मेलन की तैयारी को लेकर बरही में भाजपा की बैठक संपन्न, 17 को होगा सम्मेलन

विधायक मनोज यादव और जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने संगठन को मजबूत करने पर दिया जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही। बरही डाक बंगला में आगामी आत्मनिर्भर भारत सम्मेलन की तैयारियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में बरही विधायक मनोज कुमार यादव उपस्थित थे।

बैठक में 17 अक्टूबर को भगवती मंदिर परिसर में सम्मेलन को सफल बनाने के लिए विस्तृत चर्चा की गई और जिम्मेदारियां तय की गईं। बैठक को संबोधित करते हुए विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ रहा है। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने में सेतु का कार्य कर रहा है। आत्मनिर्भर भारत केवल एक नारा नहीं, बल्कि यह राष्ट्र के आर्थिक स्वावलंबन का संकल्प है। उन्होंने पार्टी कार्यकताओं से सम्मेलन में अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि बरही में प्रस्तावित

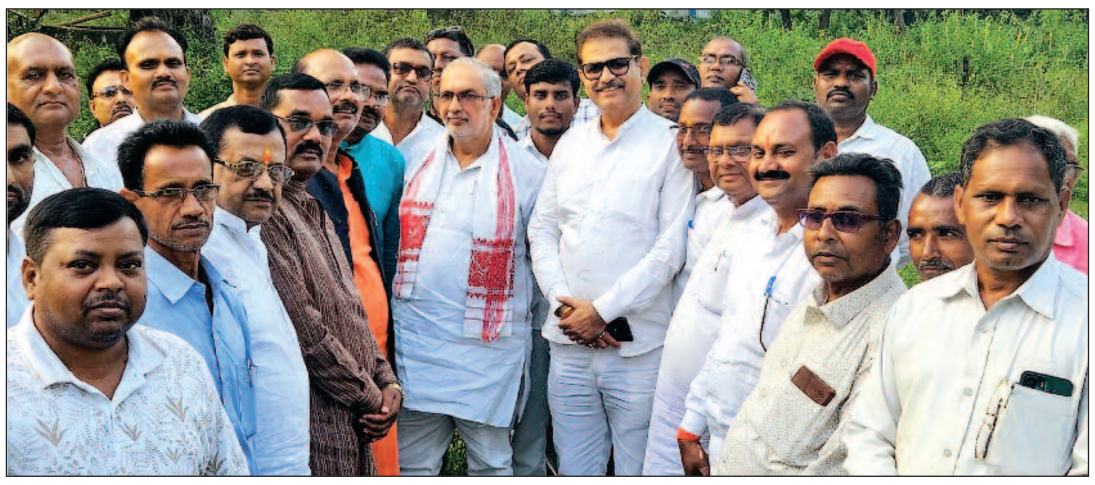

आत्मनिर्भर भारत सम्मेलन ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण होगा। इस सम्मेलन के माध्यम से केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाई जाएगी। हर कार्यकर्ता को इस कार्यक्रम की सफलता के लिए जिम्मेदारी और समर्पण के साथ कार्य करना होगा। वहीं, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर ने कहा कि भाजपा का लक्ष्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाना है। आत्मनिर्भर भारत सम्मेलन इसी दिशा में एक सशक्त पहल है। बैठक में सम्मेलन की रूपरेखा, आयोजन स्थल की तैयारियों, पदाधिकारियों की जिम्मेदारियों और प्रचार-प्रसार की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, सुरेंद्र रजक नारायण यादव, रामस्वरूप पासवान, सुरेंद्र

■ आत्मनिर्भर भारत केवल एक नारा नहीं, बल्कि यह राष्ट्र के आर्थिक स्वावलंबन का संकल्प है : विधायक मनोज यादव

रजक, राजदेव यादव, लक्ष्मण यादव, अजय मेहता, मण्डल बाबूलाल प्रसाद मेहता, मंडल अध्यक्ष राजेन्द्र चंद्रवंशी, मण्डल अध्यक्ष द्वारिका राणा,मुकुंद साव,कृष्णा साव, आकाश जयसवाल, रंजीत यादव, बिनोद कुमार यादव, रत्नदेव ठाकुर, बालेश्वर साव, मनोज कुमार साव, राजकुमार यादव, ज्योतिष यादव, गुलाब रजक, राजकुमार प्रसाद केशरी, बालेश्वर यादव, उपेन्द्र नारायण सिंह, धर्मेंद्र यादव, रघुनाथ मोदी, सहदेव शर्मा, राजकुमार यादव, अमित कुमार गौरव, इंद्रदेव यादव, विजय कुमार राणा, बिनोद यादव, प्रकाश ठाकुर, कामेश्वर रविदास, शम्भू भुइयां, कैलाश महतो, छोटन गोप समेत अनेक भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

सिंघरावा में धंसे ब्रिज का कांग्रेस नेताओं ने किया निरीक्षण, जल्द मरम्मत का भरोसा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग)। प्रखंड के सिंघरावा गांव में धंसे हुए ब्रिज की समस्या को लेकर शनिवार को झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष जे.पी. पटेल ने स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों से मुलाकात की और उनकी परेशानियों को विस्तार से सुना।

निरीक्षण के दौरान श्री पटेल ने कहा कि सिंघरावा का यह पुल स्थानीय लोगों के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। यह न केवल आवागमन में बाधा उत्पन्न कर रहा है, बल्कि लोगों की सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा है। उन्होंने कहा कि वे इस मामले को शीघ्र ही संबंधित अधिकारियों के समक्ष रखेंगे और पुल की मरम्मत या पुनर्निर्माण के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। इस अवसर पर ओबीसी कांग्रेस जिला अध्यक्ष दीपक गुप्ता, पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी अरुण साहू, जिला उपाध्यक्ष डॉ. निजामुद्दीन अंसारी, मंडल अध्यक्ष नरेश साव, युवा नेता फिरदौस खान, जय कुमार महतो और विक्की साहू सहित कई स्थानीय नेता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। ओबीसी कांग्रेस जिला अध्यक्ष दीपक गुप्ता ने बताया कि यह ब्रिज काफी समय से जर्जर हालत में है, जिसकी शिकायत ग्रामीणों द्वारा कई बार की गई, लेकिन प्रशासन की ओर से कार्रवाई नहीं हुई।

दुर्घटना में घायल युवक का पूरी खोपड़ी खोलकर निकाला गया जमा ब्लड, 10 दिनों बाद आया कौमा से बाहर : डा. प्रवीण सिद्धार्थ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। मेदिनीनगर शहर के लिए ही नहीं बल्कि पूरे पलामू प्रमंडल के लिए गौरवपूर्ण व ऐतिहासिक दिन के रूप में याद किया जाएगा। पलामू के चिकित्सकीय इतिहास में शायद ये पहली बार हुआ होगा इसमें किसी मरीज की लगभग पूरी खोपड़ी को खोलकर अंदर जमे खून के बड़े थक्के को निकाला गया। इस तरह उसे एक नया जीवन प्रदान किया गया।

उक्त बातें स्थानीय सर्किट हाउस के ठीक सामने स्थित निर्मला मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर के निदेशक झारखंड के ख्याति प्राप्त हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर प्रवीण सिद्धार्थ ने कही। वे रविवार को अस्पताल से उक्त रोगी को छुट्टी देने के क्रम में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। बताया कि 20 वर्षीय युवक 10 दिनों पहले एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया था। सिर में गहरा घाव था। सीटी स्कैन से पता लगा कि सिर के अंदर एक बड़े हिस्से में ढेर सारा खून का बहाव हुआ है जो थक्के के रूप में जम गया है।खून के बड़े -बड़े थक्कों के कारण दिमाग पर दबाव बढ़ रहा था। मरीज शुरूआत में कई दिनों तक कोमा की स्थिति में थे। ऐसी स्थिति में तुरंत ऑपरेशन करने की जरूरत थी। मरीज काफी सामान्य परिवार से आते हैं। इनके सामने बड़े शहरों में ऑपरेशन पर आने वाले खर्च की भी समस्या थी। सारी स्थिति को ध्यान में रखते हुए मरीज के परिजन व उनकी टीम ने इनके सिर का ऑपरेशन निर्मला मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में ही करने का फैसला लिया। लगभग चार घंटों तक मरीज का ऑपरेशन अल्ट्रा मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर में चला। जिसे हमने इस प्रकार की बड़ी सर्जरियों के लिए ही पलामू में बनाया है। अल्ट्रा मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर होने के कारण ही निर्मला मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं ट्रॉमा सेंटर में पिछले तीन वर्षों में कई ऐसे बड़े ऑपरेशन किए हैं, जिसके लिए पहले मरीज को दिल्ली व रांची जैसे बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था। साथ ही उनके कई गुना ज्यादा पैसे खर्च होते थे। डा प्रवीण सिद्धार्थ ने बताया कि ऑपरेशन के दो दिनों के अंदर ही मरीज कोमा से बाहर आने लगे। एक सप्ताह के अंदर ही चलने फिरने की स्थित में आ गए। रविवार को अस्पताल से इनकी छुट्टी कर रहे हैं। मरीज पूरी तरह से अपने होश में आ चुके हैं। अपने दैनिक कामकाज कर सकने की स्थिति में आ गए हैं। डॉ प्रवीण सिद्धार्थ ने आम लोगों को एक सामाजिक संदेश भी दिया।

■ अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस अल्ट्रा मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर में चला चार घंटों तक मरीज का ऑपरेशन

कहा कि अक्सर वे सभी इस प्रकार की घटनाओं को देखते रहते हैं। इसमें लोग गाड़ी चलाते समय हेलमेट न लगाने की वजह से अत्यंत गंभीर प्रकार की चोटों के शिकार हो जाते हैं। कई घटनाओं में घायल व्यक्ति की जान भी चली जाती है। उन्होंने सभी से अनुरोध किया है कि भले ही कम दूरी के लिए ही निकलना हो, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट जरूर लगाएं। साथ ही कार चलते समय सीट बेल्ट जरूर लगाए। इससे परिजनों को किसी अप्रिय स्थिति का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन में उनके अलावा प्रसिद्ध न्यूरोसर्जन डॉ विकास कुमार, एनेस्थेटिस्ट डॉ प्रीति व अस्पताल के नर्सिंग स्टाफ शामिल थे।

धोरधोरवा घाटी में ट्रैक्टर की चपेट में आने से बाइक चालक की मौत, अवैध बालू कारोबार पर उठे सवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

केरेडारी (हजारीबाग)। थाना क्षेत्र के पहरा-मनातू मुख्य मार्ग स्थित धोरधोरवा घाटी में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान बकचोमा निवासी प्रेम गंझू (उम्र लगभग 30 वर्ष) के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, प्रेम गंझू अपनी मोटरसाइकिल से धनिया पत्ता बेचने के लिए बड़कागांव जा रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे वह पिछले चक्के के नीचे आ गए और उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि इस मार्ग से रोजाना सैकड़ों ट्रैक्टर अवैध बालू की ढुलाई करते हैं, जिसमें प्रशासन की मिलीभगत की आशंका जताई जा रही है। अधिकांश ट्रैक्टर चालक बिना लाइसेंस के वाहन चलाते हैं, जिनमें कई नाबालिग भी शामिल हैं। ग्रामीणों का कहना है कि मनातू और मसूरिया मार्ग पर दिन-रात अवैध बालू कारोबार बेरोकटोक जारी है, जिससे आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं। ग्रामीणों ने मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा देने और अवैध बालू परिवहन पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

एनजीटी प्रतिबंध हटने से पहले ही चौपारण प्रशासन की सख्त कार्रवाई, तीन अवैध बालू लदे ट्रैक्टर जब्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग)। एनजीटी का प्रतिबंध हटने से पहले ही बालू माफियाओं पर नकेल कसते हुए चौपारण प्रशासन ने रविवार की सुबह बड़ी कार्रवाई की। लगातार मिल रही शिकायतों के आधार पर चौपारण अंचल अधिकारी (सीओ) संजय यादव के नेतृत्व में चलाए गए अभियान में प्रखंड क्षेत्र के तीन अलग-अलग स्थानों से अवैध बालू लदे तीन ट्रैक्टरों को जब्त किया गया।

सूत्रों के अनुसार, भगहर के परसातरी नदी, मयूरहंड प्रखंड के पेटादरी नदी, बिहार के भलुआ नदी, सिंघरावा के बराकर और इटखोरी के भद्रकाली नदी से लंबे समय से अवैध रूप से बालू उठाव कर चौपारण और आसपास के इलाकों में सप्लाई की जा रही थी। कार्रवाई के दौरान सीओ संजय यादव के साथ चौपारण थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी एवं उनकी टीम ने भगहर रोड, पेटातरी रोड तथा चतरा रोड के बेढना इलाके में छापेमारी कर तीनों ट्रैक्टरों को पकड़ा। जब्त वाहनों को चौपारण थाना में जमा कराया गया है। सीओ संजय यादव ने कहा कि अवैध बालू कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि जब्त ट्रैक्टरों से संबंधित रिपोर्ट खनन विभाग को अग्रेतर कार्रवाई के लिए भेज दी गई है।

कांग्रेसी कार्यकर्ता 'वोट चोर गद्दी छोड़' अभियान के लिए अपनी-अपनी कमर कस लें : जय प्रकाश भाई पटेल

नवीन सिन्हा

हजारीबाग। जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष जय प्रकाश भाई पटेल ने कहा कि भाजपा द्वारा संवैधानिक मुल्यों की हत्या कर चुनाव आयोग के सहयोग से आम जनता के वोटों को काटकर वोट चोरी के नियत से अप्रत्याशित रूप से फर्जी वोटों का जोड़ने के विरोध में कांग्रेस द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है।

इस कार्यक्रम को गतिशील बनाने के लिए तथा इसे जन-जन तक पहुंचाने के लिए वरिष्ठ कांग्रेसजन, प्रखंड अध्यक्षगण, मंडल अध्यक्षगण, पंचायत अध्यक्षगण, वार्ड अध्यक्षगण प्रकोष्ठ अध्यक्षगण तथा कांग्रेसी कार्यकर्तागण अपनी-अपनी कमर कस लें । उन्होंने कहा कि जिला कांग्रेस कमिटी हजारीबाग द्वारा अधिक से अधिक हस्ताक्षर करा कर प्रदेश कार्यालय को समर्पित कर जिला कांग्रेस कमिटी हजारीबाग को एक नम्बर बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि सोमवार तथा शनिवार 9 बजे से 12 बजे तक कांग्रेस कार्यालय में जन समस्या का समाधान करेंगे। कार्यक्रम का संचालन दिलीप रवि जबकी धन्यवाद ज्ञापन माशूक अंसारी ने किया। जिला मीडिया अध्यक्ष निसार खान ने बताया कि कार्यक्रम प्रदेश सचिव अवधेश कुमार सिंह, शशि मोहन सिंह पूर्व अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव, दिगम्बर में रेणू कुमारी, बीरेन्द्र कुमार सिंह, लाल बिहरी सिंह, राजू चौरसिया, सुनिल कुमार ओझा, अनिल कुमार उपाध्याय, अजय गुप्ता, अर्जुन सिंह, सुनिल सिंह राठौर, शारदा रंजन दुबे, कैलाश पति देव, राजीव मेहता, लखराज सिंह, सरयू यादव, मकसूद आलम, कृष्णदेव प्रसाद सिंह, सलीम रजा, राजू यादव, अफरोज आलम, तारिक रजा प्रकोष्ठ अध्यक्षों में प्रकाश यादव, कोमल कुमारा, गुड्डु सिंह, ज्ञानी प्रसाद मेहता, दीपक गुप्ता, रिंकू कुमार नगर अध्यक्ष परवेज अहमद प्रखंड अध्यक्षों में अजीत कुमार सिंह, नरसिंह प्रजापति, गोवर्धन गंझू, सत्यनारायण प्रसाद, अब्बास अंसारी, अब्दुल मनान वारसी, मोहम्मद नौशाद आलम, प्रदीप मंडल, अजय यादव, रंजीत यादव, रविन्द्र सिंह, संजय यादव, शिव नंदन साहू, जहांगीर अंसारी, पंकज कुमार गुप्ता, शेख अब्दुल्लाह, मनोज मोदी, विजय कुमार सिंह, ओमप्रकाश गोप, जयप्रकाश यादव, बाबर अंसारी, सदरूल होदा, रघु जायसवाल, मोहम्मद वारिस, मुस्ताक अंसारी, दरगाही खान, मोहम्मद रब्बानी, कृष्णा कुशवाहा, मनोज मेहता, अनिल कुमार भुईया, मोहम्मद रियाजउद्दिन, निसार अहमद भोला, मंसुर आलम, अर्जुन नायक, इजहार हुसैन अधिवक्ता, आरिफ अंसारी, मुस्लिम अंसारी, असगर अली, देव नारायण सिंह, अजय राणा, पंचम पासवान, मुगेश्वर प्रसाद चौधरी, विक्की धान, धीरज कुमार यादव, सहदेव पासवान, सुरेन्द्र कुमार, मुजिब अंसारी, बालेश्वर महतो, हाजी कमरूउद्दीन, आशिक खान, जितेन्द्र कुमार, शमशाद आलम चोलेश्वर महतो, देवकी महतो, अनिकेत कुमार सिंह, गिरजा शंकर, अनिल मेहता के अतिरिक्त सैकड़ो कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

पलामू जिला विधिक सेवा प्राधिकार सैनिकों- पूर्व सैनिकों व उनके परिजनों को उपलब्ध कराएगी विधिक सेवा : रजी अहमद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। नालसा वीर परिवार सहायता योजना के अंतर्गत हुसैनाबाद प्रखंड के कचरा, कामगारपुर सहित अन्य गांवों में जागरूकता अभियान चलाया गया। इसका नेतृत्व पीएलवी रजी अहमद उर्फ राजू खान, पीएलवी रबीन्द्र ठाकुर, भोला नाथ शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। जागरूकता अभियान में भूतपूर्व सैनिकों सहित महिलाओं व पुरूषों को नालसा व झालसा के निर्देश पर डालसा पलामू के तत्वावधान में आयोजित विभिन योजनाओं व विधिक सहायता के बारे में जागरूक किया गया। जिला विधिक सेवा प्रधिकार के माध्यम से विधिक सहायता के लिए स्वयं या पीएलवी के माध्यम से लाभ उठाने की बात कही गई। कहा गया कि कोई भी भारतीय सैनिक या पूर्व सैनिक के परिवार को किसी भी प्रकार के विधिक सहायता की जरूरत है तो जिला विधिक सेवा प्राधिकार उन्हें सहायता विधिक सहायता उपलब्ध कराने को आगे आएगा। मौके पर पूर्व सैनिक कुमार जितेन्द्र नारायण सिंह, पूर्व सैनिक सतेंद्र ठाकुर, पूर्व सैनिक गौरी शंकर प्रसाद, पूर्व सैनिक सुरेंद्र कुमार सिंह, पूर्व सैनिक अनिल ठाकुर, अम्बरीश कुमार, कुंदन कुमार, गुंजन कुमार, दीपक कुमार, सतेंद्र सिंह, शैलेश सिंह, बिहारी राम, आरती कुमारी सहित कई मौजूद थे।

दौड़ बच्चों को स्वस्थ व तरोताजा रखने का है अच्छा साधन : प्राचार्या इंद्राणी चटर्जी

एमके डीएवी पब्लिक स्कूल में आयोजित हुआ रन फोर डीएवी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। डीएवी क्षमता संवर्धन केंद्र नई दिल्ली के निदेर्शानुसार स्थानीय एमके डीएवी पब्लिक स्कूल में रन फोर डीएवी का आयोजन किया गया। इसमें 21 किलोमीटर हाफ मैराथन, 10 किलोमीटर दौड़, 5 किलोमीटर दौड़ व 2 किलोमीटर रन फॉर फन का आयोजन किया गया।इस प्रतियोगिता में 35 विद्यार्थियों ने दौड़ लगाई।

दौड़ में शामिल छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया । मौके पर विद्यालय की प्रचार्या इंद्राणी चटर्जी ने कहा कि इस विद्यालय के छात्र-छात्राएं पठन- पाठन के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भी सक्रिय रहते हैं। रन फॉर डीएवी-2025 कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने गति, उत्साह, शक्ति, एकता व शालीनता का प्रदर्शन किया। उनके हर कदम में अनुशासन व हर स्वास में दृढ़ संकल्प था। ऐसी गतिविधियां अच्छे स्वास्थ्य, फिटनेस, खेल भावना, ज़िम्मेदारी व राष्ट्रीय गौरव के गुणों का संचार करेंगी। मौके पर विद्यालय के शिक्षक आलोक कुमार, सीएस पांडे, नीरज श्रीवास्तव, तुसार घोष, विक्रम चंदेल, प्रदीप बोराल, विक्रम राय सहित अन्य शारीरिक शिक्षक उपस्थित थे ।

बरकट्ठा के बेलवा नदी छठ घाट पर सार्वजनिक छठ पूजा समिति का गठन, भव्य आयोजन की तैयारी शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरकट्ठा (हजारीबाग)। प्रखंड क्षेत्र के प्रसिद्ध बेलवा नदी छठ घाट पर इस वर्ष भी छठ महापर्व का भव्य आयोजन किया जाएगा। इसी को लेकर रविवार को अंबेडकर क्लब बरकट्ठा में एक बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता पूर्व मुखिया बसंत साव ने की तथा संचालन सुनील श्रीवास्तव ने किया।

बैठक में पिछले वर्ष के सफल आयोजन के लिए तत्कालीन अध्यक्ष बिंदु सोनी और उनकी टीम की सराहना की गई। इस बार समिति के गठन में युवा वर्ग को प्राथमिकता दी गई है, साथ ही अनुभव रखने वाले सदस्यों को भी शामिल किया गया है। सर्वसम्मति से राहुल गुप्ता को अध्यक्ष, संजीत सोनी को उपाध्यक्ष, संतोष मल्लाह को सचिव, दिलीप सोनी को उपसचिव, धीरज गुप्ता को कोषाध्यक्ष तथा गुड्डू गुप्ता को उप कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। संरक्षक मंडल में पूर्व मुखिया बसंत साव, दर्शन सोनी, अजीत यादव, सुनील श्रीवास्तव, अशोक गुप्ता, संजय गुप्ता, बिंदु सोनी, रामेश्वर यादव, अनिल वर्णवाल, अनूप गुप्ता, सूरज मोदी, मनोज मोदी और मनोज विश्वकर्मा को शामिल किया गया है।

'वोट चोर गद्दी छोड़' के साथ पलामू में हस्ताक्षर अभियान का हुआ शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के निदेर्शानुसार पूरे झारखंड में चलाए जा रहे वोट चोरी के खिलाफ जन-जागरण अभियान के अंतर्गत आज पलामू में एक सशक्त हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। मेदिनीनगर सदर प्रखंड के चियांकी पंचायत तथा चैनपुर प्रखंड के ओडनार पंचायत (बरवाडीह गांव) में सैकड़ों लोगों ने ह्ववोट चोर गद्दी छोड़ह्व के नारे के साथ हस्ताक्षर कर यह स्पष्ट संदेश दिया कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए जनता अब आर-पार की लड़ाई के मूड में है।

इस अभियान को बल प्रदान करने के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के सदस्य एवं झारखंड प्रदेश के सह-प्रभारी डॉ. सिरीवेला प्रसाद, एवं प्रदेश महासचिव शशिभूषण राय स्वयं उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अगुवाई पलामू जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुश्री बिमला कुमारी ने की। जिलाध्यक्ष बिमला कुमारी ने कहा कि जनता का वोट किसी की दया या कृपा नहीं, उसका संवैधानिक अधिकार है। जो सत्ता वोट चोरी कर हासिल की जाए, वह सत्ता नहीं बल्कि लोकतंत्र की लूट है। कांग्रेस इस लूट के खिलाफ अंतिम सांस तक लड़ाई लड़ेगी। आज पलामू ने साबित कर दिया है कि हम चुप नहीं बैठने वाले। उन्होंने आगे कहा कि यह हस्ताक्षर अभियान अब लगातार प्रखंडों और पंचायतों में जारी रहेगा। कांग्रेस ने स्पष्ट कर दिया है कि जहाँ-जहाँ वोट चोरी हुई है, वहाँ-वहाँ कांग्रेस दस्तक देगी और लोकतंत्र की रक्षा के लिए जनता को संगठित करेगी।

इस अवसर पर झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री के. एन. त्रिपाठी एवं पूर्व जिलाध्यक्ष बिट्टू पाठक भी मौजूद रहे। साथ ही वरिष्ठ कांग्रेसी दीनानाथ तिवारी, सत्या दुबे, चंद्रशेखर शुक्ला, रामाशीष पाण्डेय, सत्येंद्र सिंह, राजेश चौरसिया,कांग्रेस के युवा जिलाध्यक्ष मुन्ना खान,चैनपुर प्रखंड अध्यक्ष अखिलेश चौधरी, विवेका त्रिपाठी, जितेंद्र कमलापुरी, कांग्रेस के पलामू जिला प्रवक्ता गोपाल सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता व जनसमुदाय उपस्थित हुए।

बरही में आईएफडब्लूजे की नई प्रखंड कमिटी गठित

कमल शंकर बने अध्यक्ष, प्रभाकर पाठक महासचिव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही (हजारीबाग)। इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट (आईएफडब्लूजे) बरही इकाई की बैठक रविवार को बरसोत में वरिष्ठ पत्रकार प्रभाकर पाठक के आवास पर आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एवं संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष कृष्णा प्रजापति ने किया।

बैठक में सर्वसम्मति से नई प्रखंड कमेटी का गठन किया गया। इसमें कमल शंकर पंडित को अध्यक्ष, प्रभाकर पाठक को महासचिव, विकास यादव को कोषाध्यक्ष, रितेश गुप्ता को उपाध्यक्ष तथा सोमनाथ ठाकुर को सोशल मीडिया प्रभारी मनोनीत किया गया। साथ ही, जिला अध्यक्ष बिपिन बिहारी पांडेय को आमंत्रित अतिथि के रूप में उपस्थित कराया गया जबकि सुजीत प्रधान, मो. उस्मान, राकेश कुमार, सोनू पंडित, योगेंद्र प्रजापति और पंचम पांडेय को पदेन सदस्य बनाया गया। बैठक में सर्वसम्मति से कृष्णा प्रजापति को आईएफडब्लूजे प्रखंड कमेटी का मुख्य संरक्षक घोषित किया गया। इस अवसर पर नव-निर्वाचित अध्यक्ष कमल शंकर पंडित ने कहा कि संगठन पत्रकारों को न केवल पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रशिक्षित करेगा, बल्कि उनके हर सुख-दुख में साथ खड़ा रहेगा। महासचिव प्रभाकर पाठक ने कहा कि यह संगठन भविष्य में पत्रकार हितों की रक्षा और विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

किसना ने गिरिडीह में खोला चौथा एक्सक्लूसिव शोरूम

त्योहारी सीजन पर आकर्षक ऑफर और 'शॉप एंड विन' अभियान की हुई शुरुआत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। भारत की अग्रणी डायमंड एवं गोल्ड ज्वेलरी ब्रांड किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी ने झारखंड के गिरिडीह में अपने चौथे एक्सक्लूसिव शोरूम का भव्य उद्घाटन किया। नया शोरूम टॉवर चौक स्थित है। शुभारंभ समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हरी कृष्णा ग्रुप के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक घनश्याम ढोलकिया तथा झारखंड सरकार के नगर एवं पर्यटन कला संस्कृति मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू उपस्थित रहे। त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए किसना ने ग्राहकों के लिए विशेष ऑफर पेश किए हैं। इसमें डायमंड ज्वेलरी के मेकिंग चार्ज पर 75 प्रतिशत तक छूट, गोल्ड ज्वेलरी के मेकिंग चार्ज पर 25 प्रतिशत तक छूट और आईसीआईसीआई बैंक के क्रेडिट व डेबिट कार्ड पर अतिरिक्त 5 प्रतिशत इंस्टेंट डिस्काउंट शामिल है। साथ ही 'शॉप एंड विन' कैम्पेन के तहत ग्राहक डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी की खरीद पर 1000 से अधिक स्कूटी और 200 से अधिक कारें जीतने का मौका पा सकते हैं। हरी कृष्णा ग्रुप के संस्थापक घनश्याम ढोलकिया ने कहा कि झारखंड एक उभरता हुआ बाजार है और गिरिडीह में शोरूम की शुरुआत 'हर घर किसना' विजन की ओर एक अहम कदम है। किसना के डायरेक्टर पराग शाह ने इसे पूर्वी भारत में विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण बताया और भरोसे, गुणवत्ता एवं आकर्षक डिज़ाइन से भरा शॉपिंग अनुभव देने की बात कही। फ्रेंचाइजी पार्टनर संजय बगरिया, विकास बगरिया और मनीष बरनवाल ने कहा कि किसना जैसे प्रतिष्ठित ब्रांड से जुड़ना गर्व की बात है और उनका प्रयास रहेगा कि गिरिडीह के ग्राहकों को उत्कृष्ट ज्वेलरी कलेक्शन के साथ बेहतरीन खरीदारी अनुभव मिल सके। समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए किसना ने लॉन्चिंग के मौके पर ब्लड डोनेशन कैंप, भोजन वितरण और वृक्षारोपण कार्यक्रम का भी आयोजन किया।

आठ साल बाद झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह की वापसी, कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह आठ साल बाद अपने समर्थकों के बीच लौट आए हैं। चचेरे भाई नीरज सिंह और चार अन्य की हत्या के आरोप से बरी होने के बाद संजीव सिंह पहली बार सार्वजनिक रूप से कार्यकर्ताओं के सामने आए। अगस्त में धनबाद की विशेष एमएलए एवं एमपी कोर्ट ने साक्ष्य के अभाव में संजीव सिंह समेत सभी आरोपियों को बरी कर दिया था। आठ साल जेल में रहने के कारण संजीव सिंह डिप्रेशन और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। बरी होने के बाद उन्होंने लंबी चिकित्सा प्रक्रिया पूरी की और डॉक्टरों ने उन्हें पूरी तरह फिट घोषित किया। संडे को संजीव सिंह दिल्ली से दुर्गापुर एयरपोर्ट पहुंचे और सड़क मार्ग से धनबाद के लिए रवाना हुए। झारखंड सीमा मैथन टोल के पास समर्थकों में उनका स्वागत करने की उत्सुकता देखी गई।

गोड्डा की धरती से बदलाव की रेखा तक : श्री जॉन बोडरा की प्रेरक यात्रा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड के गोड्डा जिले से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाले जॉन बोडरा आज कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के क्षेत्र में एक प्रेरक नाम बन चुके हैं। एक साधारण आदिवासी परिवार में जन्मे श्री बोडरा ने अपने जीवन का उद्देश्य सेवा और समाज उत्थान को बनाया। सेंट थॉमस स्कूल, गोड्डा से प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करने के बाद उन्होंने ज़ेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (XISS), रांची से ग्रामीण विकास में एमबीए किया। इसके बाद उन्होंने समाज सेवा को अपने करियर का केन्द्र बना लिया। पिछले 18 वर्षों से वे ग्रामीण विकास और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में कार्यरत हैं। वर्तमान में वे कोल इंडिया लिमिटेड की इकाई सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल), रांची के सीएसआर विभाग में मैनेजर (कम्युनिटी डेवलपमेंट) के रूप में कार्य कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में झारखंड के खनन-प्रभावित इलाकों में शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, आजीविका और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी अनेक पहलें लागू की गई हैं। उनका कार्य दृष्टिकोण सदैव लोग-केन्द्रित रहा है, जिसमें सहभागिता, सहानुभूति और समुदाय की साझेदारी को प्राथमिकता दी जाती है। समाज के प्रति उनके इसी समर्पण के लिए उन्हें हाल ही में ओडिशा के गंजाम जिले, गोपालपुर में आयोजित चौथे CIL CSR कॉन्क्लेव में "आउटस्टैंडिंग CSR परफॉर्मर अवार्ड" से सम्मानित किया गया। यह आयोजन महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड द्वारा आयोजित किया गया था। सम्मान प्राप्त करने के बाद श्री बोडरा ने कहा कि "मैं गोड्डा जैसे छोटे स्थान से हूँ, और हमेशा मानता आया हूँ कि असली बदलाव जड़ों से शुरू होता है। दूसरों के कल्याण के लिए उठाया गया हर छोटा कदम दूर तक असर करता है।" श्री जॉन बोडरा की यह यात्रा इस बात का जीवंत उदाहरण है कि सेवा और संवेदना से प्रेरित प्रयास किसी भी व्यक्ति को समाज परिवर्तन का अग्रदूत बना सकते हैं।

70 वर्ष की उम्र में इंद्रजीत सिंह बने एशियन बेंच प्रेस चैंपियन, जीते दो स्वर्ण और बेस्ट लिफ्टर का खिताब

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के प्रख्यात पावरलिफ्टर सरदार इंद्रजीत सिंह ने साबित कर दिया कि उम्र केवल एक संख्या है। 70 वर्ष की आयु में भी अपने जोश और फिटनेस के दम पर उन्होंने हांगकांग में संपन्न एशियाई बेंच प्रेस प्रतियोगिता में दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए और मास्टर्स पुरुष वर्ग में बेस्ट लिफ्टर का खिताब जीता। इंद्रजीत सिंह ने प्रतियोगिता के दौरान इक्विप्ड श्रेणी में 125 किलोग्राम वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता। इससे एक दिन पहले ही उन्होंने 70 वर्ष आयु वर्ग में 105 किलोग्राम वजन उठाकर पहला स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। लगातार दो दिन के शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें टूर्नामेंट का बेस्ट लिफ्टर घोषित किया गया। लंबे समय से झारखंड पावरलिफ्टिंग सर्किट में सक्रिय इंद्रजीत सिंह ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पदक अपने नाम किए हैं। इसके अलावा वे वर्षों से युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण और मार्गदर्शन भी देते रहे हैं। झारखंड पावरलिफ्टिंग संघ और खेल प्रेमियों ने उन्हें बधाई दी। खेल विशेषज्ञों ने कहा कि इंद्रजीत सिंह का यह प्रदर्शन न केवल झारखंड बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि यह साबित करता है कि निरंतर अभ्यास, अनुशासन और आत्मविश्वास से किसी भी उम्र में सफलता हासिल की जा सकती है। हांगकांग में हुए इस एशियन चैंपियनशिप में कई देशों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, लेकिन इंद्रजीत सिंह ने अपने दमदार प्रदर्शन से भारतीय तिरंगे को ऊंचा फहराया। इस उपलब्धि को साझा करते हुए इंद्रजीत सिंह ने कहा कि यह सफलता उन्हें झारखंड और अपने देश को समर्पित है। उन्होंने कहा, "मेरा लक्ष्य है कि आने वाली पीढ़ी को दिखा सकूं कि उम्र कभी भी सपनों के आड़े नहीं आती। समर्पण और जुनून के आगे उम्र भी झुक जाती है और यही असली खिलाड़ी की पहचान है।"

सारंडा जंगल में माओवादियों का आतंक, मोबाइल टावर को किया आग के हवाले

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिला के जराईकेला थाना क्षेत्र में नक्सलियों का आतंक एक बार फिर से फैल गया है। भाकपा (माओवादी) संगठन द्वारा मनाए जा रहे प्रतिरोध सप्ताह के दौरान नक्सलियों ने शनिवार देर रात और रविवार की अहले सुबह कोलबोंगा गांव में स्थित एक मोबाइल कंपनी के टावर को आग के हवाले कर दिया। इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। एसपी ने इस घटना की पुष्टि की है। नक्सलियों ने यह कदम सरकार और सुरक्षा बलों के खिलाफ विरोध जताने के उद्देश्य से उठाया है। इस दौरान उन्होंने टावर को आग लगाकर इलाके की संचार व्यवस्था ठप कर दी।

रांची यूनिवर्सिटी में उमड़ी विद्यार्थियों की भीड़, घंटों लाइन में लग रहे छात्र

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। स्नातक और स्नातकोत्तर की बैकलॉग डिग्री लेने के लिए रांची विश्वविद्यालय परिसर में इन दिनों भारी भीड़ उमड़ रही है। रोजाना सैकड़ों विद्यार्थी विश्वविद्यालय पहुंच रहे हैं, क्योंकि झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं में मूल प्रमाणपत्र अनिवार्य है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने पहले घोषणा की थी कि डिग्री वितरण और चालान भुगतान प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन की जाएगी, ताकि छात्रों को कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें। लेकिन यह व्यवस्था अब तक केवल कागजों में ही सीमित रह गई है। ठोस पहल न होने के कारण विद्यार्थियों को घंटों कतार में खड़ा रहना पड़ रहा है।

छात्रों का कहना है कि विश्वविद्यालय में हर साल हजारों विद्यार्थी पास होते हैं, फिर भी डिग्री लेने के लिए फाइल जांच, हस्ताक्षर और लंबी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। कई छात्रों ने शिकायत की कि बैंक में चालान भुगतान, विश्वविद्यालय काउंटर पर लंबी लाइन और प्रमाणपत्र लेने में दो-तीन हफ्ते लग जाते हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए रविवार को भी कई कर्मचारी कार्यालय में मौजूद रहे और आवेदन निपटाने में लगे रहे, लेकिन काउंटर पर भीड़ और धक्का-मुक्की की स्थिति बनी रही। विश्वविद्यालय के डीएसडब्ल्यू सुदेश कुमार साहू ने कहा कि अचानक डिग्री की मांग बढ़ने के कारण काम का दबाव अधिक है। उन्होंने बताया कि सभी छात्रों को शीघ्र प्रमाणपत्र उपलब्ध कराने की कोशिश जारी है और ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू करने की दिशा में कार्य चल रहा है। छात्रों ने भी ऑनलाइन प्रणाली लागू करने की मांग की है। उनका कहना है कि अगर रांची विश्वविद्यालय दिल्ली, मुंबई और पटना विश्वविद्यालय की तर्ज पर आवेदन, भुगतान और प्रमाणपत्र डाउनलोड जैसी सभी सेवाएं एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराए, तो समस्याएं काफी हद तक खत्म हो जाएंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सफाई दी है कि तकनीकी खामियों और सर्वर अपडेट की वजह से ऑनलाइन व्यवस्था में विलंब हुआ है। डीएसडब्ल्यू कार्यालय के अनुसार पोर्टल विकसित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और आने वाले महीनों में डिग्री एवं अन्य सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हो जाएंगी। शिक्षा विभाग ने भी संकेत दिए हैं कि राज्य के सभी विश्वविद्यालयों को डिजिटल मोड में लाने की योजना पर काम चल रहा है, ताकि छात्रों को पारदर्शी और सुगम सेवाएं दी जा सकें। फिलहाल रांची विश्वविद्यालय में भीड़ और असुविधा है, लेकिन डिजिटल प्रणाली लागू होने के बाद छात्रों को राहत मिलने की उम्मीद है।

डीएम व एसपी ने डिस्पैच सेंटरों का किया निरीक्षण

निर्वाचन कार्य में पारदर्शिता और शत–प्रतिशत तैयारी का दिया निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को लेकर निर्वाचन तैयारियों का जायजा लेने के लिए जिला निर्वाचन पदाधिकारी–सह–जिला पदाधिकारी अलंकृता पांडे एवं पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार ने रविवार को जहानाबाद जिले के 217 घोसी एवं 218 मखदुमपुर विधानसभा क्षेत्र के डिस्पैच सेंटरों का निरीक्षण किया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सर्वप्रथम 218 मखदुमपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए बनाए गए डिस्पैच सेंटर—प्रोजेक्ट कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय, मखदुमपुर का निरीक्षण किया। इसके बाद 217 घोसी विधानसभा क्षेत्र के डिस्पैच सेंटर—उच्च विद्यालय, घोसी का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संबंधित निर्वाची निबंधक पदाधिकारियों को पोलिंग पार्टियों को निर्धारित समय पर रवाना करने हेतु सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण कर लेने का निर्देश दिया गया। उन्होंने चिन्हित स्थलों पर बैरिकेटिंग कर सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा डिस्पैच सेंटर पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने का निर्देश दिया। पोलिंग एजेंटों को मतदान सामग्री, ईवीएम एवं वीवीपैट उपलब्ध कराते समय पूर्ण पारदर्शिता बरतने पर विशेष बल दिया गया। इसके साथ ही डिस्पैच सेंटरों पर पेयजल, शौचालय की नियमित सफाई एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश अधिकारियों को दिया गया। निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के साथ निर्वाची निबंधक पदाधिकारी, 218 मखदुमपुर विधानसभा क्षेत्र के सह–अपर समाहर्ता अनिल कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता (विभागीय जांच) विनय कुमार सिंह, डीआरडीए निदेशक रोहित कुमार मिश्रा, संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के सहायक निर्वाची निबंधक पदाधिकारी–सह–प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी में महत्वपूर्ण बातों पर हुई चर्चा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पकरीबरावां (नवादा)। पकरीबरावां प्रखंड मुख्यालय अवस्थित जीआइपी पब्लिक स्कूल परिसर में रविवार को अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। बैठक में बच्चों के विकास पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान टर्म 1 का परीक्षा फल भी अभिभावको वितरित किया गया। बैठक में बच्चों के बेहतर भविष्य को लेकर कई प्रकार की चर्चाएं की गई। जिसमें बच्चों में हो रहे सामाजिक गिरावट तथा मोबाइल फोन का ज्यादातर इस्तेमाल जैसे कई समस्याएं रखी गई। विद्यालय निदेशक रंजीत रंजन ने बताया कि आजकल बच्चे ज्यादातर मोबाइल और फ्रेंडशिप के कारण पढ़ाई से दूर होने लगे हैं। उन्होंने बताया कि ऑफलाइन क्लास में किसी भी प्रकार का मैसेज बच्चों के लिए नहीं अभिभावकों के लिए होता है। इसलिए बच्चों को मोबाइल से दूर रखा जाए।

डीएम–एसपी ने मखदुमपुर विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्रों पर आधारभूत सुविधाओं का किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को लेकर मतदान केंद्रों पर की जा रही तैयारियों का जायजा लेने के लिए जिला निर्वाचन पदाधिकारी–सह–जिला पदाधिकारी अलंकृता पांडे एवं पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार ने रविवार को 218 मखदुमपुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मतदान केन्द्र संख्या 171 उत्क्रमित मध्य विद्यालय, देवकुली; मतदान केन्द्र संख्या 204 मध्य विद्यालय, मखदुमपुर (पश्चिम भाग); 205 मध्य विद्यालय, मखदुमपुर (पूर्वी भाग); 206 मध्य विद्यालय, मखदुमपुर (उत्तर भाग); 208 उर्दू प्राथमिक विद्यालय, मखदुमपुर (उत्तर भाग); 209 उर्दू प्राथमिक विद्यालय, मखदुमपुर (मध्य भाग); 210 उर्दू प्राथमिक विद्यालय, मखदुमपुर (दक्षिण भाग) तथा 211 मुस्लिम सामुदायिक भवन, मखदुमपुर में न्यूनतम आधारभूत सुविधाओं की जांच की गई। निरीक्षण में पाया गया कि उत्क्रमित मध्य विद्यालय, देवकुली को छोड़कर सभी मतदान केंद्रों पर आवश्यक सुविधाएं जैसे पेयजल, शौचालय, रैंप, बिजली आदि की व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। देवकुली विद्यालय के पहुंच मार्गों में से एक में जलजमाव की समस्या मिली, जिसे देखते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने प्रखंड विकास पदाधिकारी, मखदुमपुर को मार्ग की अविलंब मरम्मत कराने का निर्देश दिया। इस मौके पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के साथ निर्वाची निबंधक पदाधिकारी–सह–अपर समाहर्ता अनिल कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता (विभागीय जांच) विनय कुमार सिंह, डीआरडीए निदेशक रोहित कुमार मिश्रा, सहायक निर्वाची निबंधक पदाधिकारी–सह–प्रखंड विकास पदाधिकारी मखदुमपुर, अंचल अधिकारी मखदुमपुर सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

महिला की गोली मार हत्या

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। रविवार की सुबह नालंदा जिले में एक महिला की सिर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतका की पहचान वेना थाना क्षेत्र के गंगा बीघा गांव निवासी रामप्रवेश यादव की पत्नी सरिता देवी (55 वर्ष) के रूप में हुई है। उनका शव चंडी थाना क्षेत्र के कोयल विगहा–पहाड़पुर मार्ग किनारे पुल के पास पानी में फेंका हुआ मिला। घटना को लेकर इलाके में सनसनी फैल गई है। सूचना मिलने पर चंडी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहारशरीफ के सदर अस्पताल भेज दिया गया।

ग्रामीणों ने शव मिलने की सूचना दी, जिसके बाद परिवार ने पहुंचकर पहचान की। हिलसा एएसपी शैलजा ने बताया कि महिला के सिर में गोली लगी है। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं और एफएसएल टीम को जांच के लिए बुलाया गया है। थानाध्यक्ष सुमन कुमार ने कहा कि प्रारंभिक जांच में मामला पैसों के लेनदेन के विवाद में हत्या का प्रतीत हो रहा है। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

पेड़ की टहनी काटते समय व्यक्ति की गिरकर मौत

बिहारशरीफ। नूरसराय थाना क्षेत्र के बाराबिगहा गांव में एक हादसे में 62 वर्षीय मदन राम की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, मदन राम (पिता – वासदेव राम) अपने खेत में बोरिंग के पास स्थित गुलर के पेड़ की टहनी काट रहे थे, तभी वे संतुलन खोकर बोरिंग के कमरे की छत पर गिर पड़े। परिजन उन्हें तुरंत इलाज के लिए बिहारशरीफ ले गए, जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही नूरसराय पुलिस मौके पर पहुंची और एफएसएल टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कराया गया। डीएसपी सदर-2 बिहारशरीफ तथा नूरसराय अंचल के पुलिस निरीक्षक ने भी स्थल का जायजा लिया। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ कि गिरने से सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उनकी मृत्यु हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल, बिहारशरीफ भेज दिया है।

शराब के साथ दो गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। विधानसभा चुनाव को लेकर नालंदा जिले में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मद्यनिषेध विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। शनिवार को की गई छापेमारी में विभाग ने लगभग 35 लीटर अवैध विदेशी शराब बरामद की और दो आरोपितों को गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार मध्यनिषेध थानाध्यक्ष मुन्ना कुमार को सूचना मिली थी कि थाना बिहार क्षेत्र के सकुनत कलां मोहल्ले में दो युवक शराब की होम डिलीवरी कर रहे हैं। सूचना के आधार पर गठित टीम जिसमें एसआई श्वेता सिन्हा, एएसआई अश्विनी

पासवान, प्रियंका कुमारी, गुड़िया कुमारी, सुभाष कुमार समेत सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

छापामारी के दौरान पुलिस ने एक मुर्गे की दुकान के पास मोटरसाइकिल से शराब लेकर जा रहे दो युवकों को धर दबोचा। पूछताछ में उनकी पहचान पंकज कुमार (नवादा) और अमित कुमार (नालंदा) के रूप में हुई। तलाशी में रॉयल स्टैग व्हिस्की की बोतल और मोबाइल बरामद हुए। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वे शराब की डिलीवरी खंडक मोहल्ला स्थित किराए के कमरे से करते थे। वहां छापेमारी में कुल 34.795 लीटर विदेशी शराब बरामद हुई। दोनों के खिलाफ मध्यनिषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि चुनाव को देखते हुए कार्रवाई और सघन की जाएगी तथा आम लोगों से अवैध शराब की सूचना देने की अपील की गई है।

ओवर ब्रिज पर बंद पड़े लाइट से बढ़ रही दुर्घटनाएं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। ओवर ब्रिज पर स्ट्रीट लाइट बंद होने से सड़क दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। बीते शनिवार की रात्रि बाईपास के समीप ओवर ब्रिज के नीचे एक बछड़े की मौत हो गई,जब वह ओवर ब्रिज के नीचे बैठा हुआ था और एक अनियंत्रित ट्रक ने उसे कुचल दिया। यह घटना स्थानीय लोगों के लिए बहुत दुःखद है और वे इस समस्या का समाधान चाहते हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि ओवर ब्रिज पर लगा स्ट्रीट लाइट विगत तीन-चार महीनों से लगातार बंद है। दर्जनों बार टोल फ्री नंबर 1033 पर शिकायत करने के बाद भी लाइट नहीं जलाई गई। लोगों का कहना है कि जिम्मेदार अधिकारी इस समस्या को नजरअंदाज कर रहे हैं। बजरंगदल के प्रखंड संयोजक पिंटू वर्मा, सह संयोजक संदीप वर्मा, समाजसेवी पिंकू लाल,पंकज कुमार, प्रमोद कुमार, सुधीर यादव, पिंटू यादव, लक्की कुमार, दीपक कुमार ने बताया कि ओवर ब्रिज पर लगा स्ट्रीट लाइट बंद रहता है,जिसके कारण हमेशा सड़क दुर्घटनाएं घटित होते रहती है।

पूर्व मध्य रेल

धनबाद मंडल से खुलने वाली ट्रेनों में ऑन बोर्ड हाउसकीपिंग सर्विस का चार साल के लिए ठेका

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिये तकनीकी विशेषज्ञता, वित्तीय क्षमता एवं पर्याप्त अनुभव रखनेवाले ख्यातिलब्ध प्रतिष्ठानों/एजेंसियों/संवेदकों "टू पैकेट बिड" पर ई–निविदायें आमंत्रित हैं। **i) निविदा संख्या एवं दिनांकः** e-tender Notice No. MC-06-OPEN-2025-26 दिनांक: 09/10/2025 **ii) कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि :** धनबाद मंडल से खुलने वाली ट्रेनों में ऑन बोर्ड हाउसकीपिंग सर्विस का चार साल के लिए ठेका। **कार्य समापन अवधि** – 4 वर्ष । **iii) कार्य की अनुमानित लागतः** रु. 25,04,69,453.20 (पच्चीस करोड़ चार लाख उनहत्तर हजार चार सौ तिरपन रुपये और बीस पैसे) मात्र। **iv) बयाना राशिः** रु. 14,02,400.00 (चौदह लाख दो हजार चार सौ रुपये) मात्र। **v) ई–निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः** तारीख 30/10/2025 को 17:00 बजे **ई–निविदा खुलने की तारीख एवं समयः** तारीख 31/10/2025 को 12:00 बजे **vi) प्री–बिड मीटिंग दिनांक एवं समय 15.10.2025–10:30 बजे: प्री–बिड मीटिंग स्थानः** सीनियर सी.डी.ओ./धनबाद मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय/पू.म.रे./धनबाद **vii) वेबसाईट विवरणः** https://www.ireps.gov.in ई–निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल रेल प्रबन्धक
पूर्व मध्य रेल, धनबाद

पीआर/1140/डीएचएन/टी/25–26/44

शहर में यात्री शेड नहीं होने से नागरिकों को होती है परेशानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। शहर में किसी भी चौक-चौराहे पर यात्री शेड नहीं है। जिसके अभाव में नागरिक इन दिनों सड़क किनारे खड़े रहकर वाहनों का इंतजार करते हैं। शहर के रमेश चौक, सदर अस्पताल, सब्जी मंडी, कारगिल चौक, जामा मस्जिद, सिन्हा कालेज मोड़, फारम, ओवरब्रिज से प्रतिदिन इ-रिक्शा व ऑटो से बैठकर यात्री विभिन्न स्थानों तक आवागमन करते हैं। अभी बारिश के दिनों में इन सभी यात्रियों को खुले में ही काफी देर तक खड़े रहने की मजबूरी बनी हुई है। यहां तक की गर्मी व ठंड के समय में भी यात्री शेड के अभाव में लोगों को काफी परेशानी होती है। गर्मी में धूप में सड़क पर खड़े रहना पड़ता है। वहीं बारिश के दिनों भी यात्रियों को आसपास के दुकानों के शेड में शरण लेनी पड़ती है। जब कभी तो लोग सड़क पर घंटों खड़े रहते हैं ऐसे में लोग दुर्घटना का शिकार भी हो जाते हैं। इतना होने के बावजूद भी अधिकारियों का ध्यान यात्री शेड बनाने की ओर नहीं जा रहा है। शहरी क्षेत्र में सैकड़ों छोटे-बड़े वाहन डेली सर्विस के तौर पर चलाए जाते हैं। लगभग पांच हजार से ज्यादा नियमित यात्री ऑटो रिक्शा, साइकिल रिक्शा, इ रिक्शा, मैजिक और अन्य वाहनों से शहरी क्षेत्र में पांच से आठ किलोमीटर के बीच यात्रा करते हैं। रमेश चौक, ओवरब्रिज, फारम के समीप यात्री ऑटो रिक्शा के इंतजार में खड़े रहते हैं। यात्री शेड नहीं होने के कारण बुजर्गों और दिव्यांगों को सबसे ज्यादा परेशानी होती है। इन्हें सड़क किनारे खड़े होकर वाहन आने का इंतजार करना पड़ता है। यदि समय से वाहन न मिले तो उन्हें सड़क पर ही खड़े होकर वाहनों का प्रतीक्षा करते हैं।

फर्जी आधार कार्ड बनाने का मामला जांच में तेजी, आरोपी हुए फरार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। पश्चिम बंगाल की सीमा से सटे पाकुड़ जिले के ग्रामीण इलाकों में फर्जी दस्तावेजों के सहारे आधार कार्ड बनाए जाने के मामले में प्रशासन ने जांच की रफ्तार तेज कर दी है। अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) साइमन मरांडी के नेतृत्व में रविवार को जांच टीम ने शिकायतकर्ता तनवीर की शिकायत पर डीसी मनीष कुमार के निर्देशानुसार कार्रवाई शुरू की। जांच टीम में एसडीओ के अलावा सदर बीडीओ समीर अल्फ्रेड मुर्मू, यूआईडी के रितेश कुमार श्रीवास्तव और मुफस्सिल थाना की पुलिस शामिल थी। टीम ने पाकुड़ प्रखंड के अंजना, इलामी और चांचकी गांव का दौरा कर वहां संचालित साइबर कैफे और ग्राहक सेवा केंद्रों की गहन जांच की। शिकायतकर्ता द्वारा जिन व्यक्तियों पर फर्जी दस्तावेजों के सहारे गलत तरीके से आधार कार्ड बनवाने के आरोप लगाए गए थे, वे सभी जांच के दौरान मौके से गायब मिले। एसडीओ साइमन मरांडी ने बताया कि कुछ व्यक्तियों की गतिविधियां संदिग्ध पाई गई हैं। मामले की तह तक पहुंचने के लिए पुलिस की मदद से गहन जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि फर्जीवाड़े में संलिप्त गिरोह को चिन्हित कर शीघ्र ही भंडाफोड़ किया जाएगा और दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने ऐसे मामलों को लेकर सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं और जांच अभियान को आगे और तेज करने की तैयारी है।

New page 4_page 12 29.05.2025.qxd 12-10-2025 21:43 Page 1

भाजपा नेता पर चला चुनाव आयोग का डंडा

भाजपा का झण्डा लगी कार जब्त, प्राथमिकी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। आचार संहिता लगने के बाद किसी भी वाहन पर बगैर किसी सक्षम प्राधिकार की अनुमति के किसी राजनीतिक पार्टी का झंडा लगाना चुनाव आयोग द्वारा लगाए गए आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन के साथ ही संज्ञेय और दंडनीय अपराध है।

उड़नदस्ता टीम की निगरानी के दौरान एक कार पर भाजपा का झंडा लगा देख जब्त कर लिया गया। इस संबंध में सदर सीओ राहुल कुमार के बयान पर नगर थाना में बकायदा प्राथमिकी कराई गई है।

सदर सीओ के अनुसार शुक्रवार को उड़नदस्ता टीम भ्रमणशील थी, तभी ज्योति चौक पर भाजपा की झंडा लगी एक कार नजर आते ही उसे रोककर पूछताछ की गई।

कार में सवार यूपी के बलिया जिला अंतर्गत सुखपुरा निवासी चालक विमलेश कुमार वर्मा से पूछताछ करने पर वे झंडा लगाने की अनुमति पत्र नहीं दिखा सके। इसलिए विधिवत कार्रवाई करते हुए उनकी कार को जब्त कर नगर थाना को सुपुर्द करते हुए प्राथमिकी कराई गई।

भभुआ विधानसभा चुनाव को लेकर प्रशासनिक पदाधिकारी लगातार व्यवस्था को दुरुस्त करने में जुटे हुए हैं। इसी क्रम में अनुमंडल पदाधिकारी भभुआ अमित कुमार एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी द्वारा एसएसटी, चेकपोस्ट, मतदान केंद्रों एवं पुलिस बल के आवासन स्थल का निरीक्षण किया गया।

इस दौरान चेक पोस्ट पर प्रतिनियुक्त पदाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी को सभी वाहनों की चेकिंग सख्ती के साथ करने का निर्देश दिया गया एवं किसी भी प्रकार की जब्ती की सूचना तुरंत देने की बात कही।

इस दौरान कई मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया गया। साथ ही पुलिस बल आवासन स्थल श्री नेहरू उच्च विद्यालय नौहट्टा रामपुर का निरीक्षण किया गया। आवासन स्थल पर उपस्थित प्रतिनिधि से मूलभूत सुविधा की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली गई।

गरमाने लगी चौपाल, होने लगी राजनीतिक चर्चा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना बिहार विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण में आगामी 06 नवंबर को 70 आलमनगर विधानसभा क्षेत्र में होने वाले चुनाव को लेकर जहां नामांकन का दौर जारी है।

वहीं, यहां से सिर्फ जनसुराज पार्टी को छोड़कर अब तक कोई भी गठबंधन एवं पार्टी अपना प्रत्याशी तय नहीं कर पाया है। फिलहाल टिकट पाने के लिए सभी दलों के संभावित प्रत्याशी राजधानी में डेरा जमा कर हर तिकड़म लगाने में व्यस्त है।

मालूम हो कि यहां मुख्य धारा में दो चिर-प्रतिद्वंद्वी गठबंधन के बीच ही सीधी लड़ाई होने की शत-प्रतिशत संभावना जताई जा रही है। गांव के चौपाल से लेकर चौक-चौराहे स्थित चाय-पान की दुकानों,बस पड़ाव आदि पर चुनावी चचाएं धीरे-धीरे तेज होने लगी है। इन चौपालों पर फिलहाल संभावित प्रत्याशियों को विभिन्न कसौटियों पर तौला जा रहा है। प्रखंड अंतर्गत नरदह पंचायत के दुहबी-सुहबी टोले में चुनावी चौपाल का आयोजन किया गया।

राहुल यादव की अध्यक्षता में आयोजित चौपाल कार्यक्रम में क्लब के अन्य सदस्य सहित दर्जनों मतदाता उपस्थित थे। चौपाल में उपस्थित अधिकांश मतदाताओं का कहना था

सीटिंग प्रत्याशियों को जगह-जगह झेलना पड़ रहा विरोध

कि इस बार मतदाताओं का मन-मिजाज कुछ बदला-बदला सा लग रहा है।

जिले के सभी विधानसभा क्षेत्र के सिटिंग प्रत्याशी को क्षेत्रीय विकास के नाम पर जगह-जगह विरोध झेलना पड़ रहा है। इसी दौरान अध्यक्ष राहुल यादव ने कहा कि आलमनगर विधानसभा क्षेत्र शिक्षा के नाम पर काफी पिछड़ा है।

इस क्षेत्र का तीस वर्षों से लगातार प्रतिनिधित्व करने वाले आज तक यहां एक भी सरकारी डिग्री कालेज की स्थापना नहीं कर पाए हैं। इतना ही नहीं अपने गृह प्रखंड पुरैनी में 10 वर्षों से अधिक समय से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के भवन में संचालित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को अब तक सीएचसी का दर्जा दिलाने में भी सक्षम नहीं हो पाए हैं।

सौरभ कुमार उर्फ गुड्डू ने कहा कि सूबे की सरकार ने हर क्षेत्र में लगातार बेहतर काम किया है। किसानों के लिए बहुत कुछ किया है। फसल क्षति होने पर किसानों के खाते में सहयोग राशि सीधे भेजी जाती है। जबकि पूर्व के सरकार में ऐसा कुछ भी नहीं था। साथ ही सरकार ने बिजली,सड़क,स्वास्थ्य,शिक्षा एवं स्वच्छ जल के लिए हर क्षेत्र में बेहतर कार्य किया है।

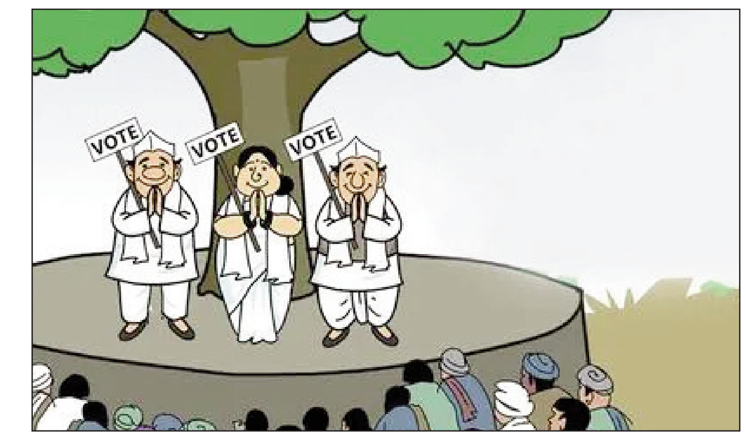

दुहबी-सुहबी गांव के मनोज यादव ने कहा कि यहां विकास तो कोई मुद्दा ही नहीं है। 1995 से अब तक हुए चुनाव में यहां की जनता ने एक ही प्रत्याशी को वोट देकर जहां उसे तानाशाह बना दिया है। वहीं, क्षेत्र के विकास को भी अवरूद्ध कर दिया है।

अमित कुमार उर्फ निक्कू यादव ने कहा कि यहां विकास की बात करना बेमानी है। प्रखंड क्षेत्र के सभी नौ पंचायतों में लगाए गए नल-जल योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। ग्रामीण क्षेत्रों के सभी सड़कों के गुणवत्ता का यह हाल है कि निर्माण के एक साल के अंदर ही फिर से जर्जर एवं क्षतिग्रस्त हो जाया करती है।

इससे क्षेत्र के विकास कार्यों का अंदाजा सहज रूप से लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अब वक्त है पुरैनी के मतदाताओं को दलगत एवं जातीय समीकरण से ऊपर उठकर फैसला लेने का। चुनावी चर्चा धीरे-धीरे जातीय समीकरण तक पहुंचने लगी। इसी बीच बौकू साह ने कहा कोई जीते या हारे हमें तो पेट भरने के लिए मजदूरी तो करना ही पड़ेगा।

नवादा में राजद को लगा झटका

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। रजौली के विधायक प्रकाश वीर की राजनीति राजबल्लभ यादव के सहारे चलती है और नवादा की विधायक विभा देवी तो राजबल्लभ की पत्नी ही हैं।

दुष्कर्म प्रकरण में जेल की सजा काट रहे राजबल्लभ ने बरी होने के बाद से ही यह संकेत दे दिया था कि अब वे राजद में नहीं टिकने वाले।

उसी के साथ विभा और प्रकाश वीर के भी नए ठिकाने का संकेत मिल गया था। 22 अगस्त को गया में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मंच पर उपस्थित रहकर दोनों से इसका मौन उद्घोष कर दिया कि अब वे एनडीए के हो चुके हैं। रविवार को दोनों ने एक साथ विधानसभा की सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया। विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने उनका त्यागपत्र स्वीकार भी कर लिया है।

इस पाला बदल का एक कोण पूर्व विधायक कौशल यादव हैं, जो जदयू छोड़कर राजद के पाले में चले गए हैं। नवादा विधानसभा क्षेत्र से उन्हें राजद का टिकट मिलने की पूरी संभावना है।

विभा के लिए नए ठिकाने की खोज स्वाभाविक थी और इनके बगैर प्रकाश की वीरता बेमानी। कुल मिलाकार बिहार चुनाव का बिगुल बजने के बाद सभी पार्टियां मैदान में डट गई हैं और एक-दूसरे के बड़े नेताओं को तोड़ने में लग गई हैं।

टिकट की दौड़ में नेताओं का दल बदलने का कार्यक्रम तेजी से चल रहा है। बिहार में 6 और 11 नवंबर को चुनाव होने हैं और 14 नवंबर को परिणाम घोषित होगा।

महिला की लाश मिलने से सनसनी

बिहारशरीफ। चंडी थाना क्षेत्र के कोयल बिगहाझपहाड़पुर मार्ग पर रविवार की सुबह एक महिला का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। मृतका के सिर और पीठ में दो गोलियां मारकर हत्या करने के बाद शव को यहां लाकर फेंका गया है। मरने वाली महिला वेना थाना क्षेत्र के गंगाबिगहा निवासी रामप्रवेश यादव की 55 वर्षीय पत्नी सरिता देवी है।

मृतका के पुत्र विपिन कुमार ने बताया कि उनकी मां के नाम पर जीविका समूह की कम्युनिटी मोबलाइजर (सीएम) रेखा देवी ने पांच लाख रुपये का लोन लिया था।

श्रम विभाग के धावा दल ने 68 श्रमिकों को कराया मुक्त

दलाल सहित दो बसों के चालक-खलासी गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शेखपुरा। श्रम विभाग के धावा दल ने शेखपुरा में बड़ी कार्रवाई करते हुए ईंट भट्ठा पर भेजे जा रहे 68 श्रमिकों को मुक्त कराया। इस कार्रवाई में श्रमिकों को ले जा रहे दलाल के साथ दो बसों के दो चालक तथा दो खलासी को गिरफ्तार किया गया है। दोनों बसों को भी जब्त कर लिया गया है।

श्रम अधीक्षक राजेश कुमार सिंहा ने बताया मुक्त कराए गए श्रमिकों में दो दर्जन महिला तथा कुछ नाबालिग भी शामिल हैं। इन सभी को अवैध तरीके से उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिला स्थिति एक ईंट भट्ठा पर काम कराने के लिए ले जाया जा रहा था।

गिरफ़्तार दलाल की पहचान जिला के केवटी थाना के डीह गांव निवासी शंभू प्रसाद के रूप में हुई है। दलाल की बाइक भी जब्त की गई है। श्रम अधीक्षक ने बताया दलाल से मुक्त कराए गए श्रमिकों को उनके घर भेज दिया गया है। सरकारी प्राविधान के तहत इन श्रमिकों के पुनर्वास की कार्यवाही की जाएगी।

बाराबंकी के ईंट-भट्ठे पर भेजा जा रहा था मजदूरों को

श्रम अधीक्षक ने बताया शनिवार की सुबह गुप्त सूचना मिली थी कि जिला के बरबीघा थाना के मिजार्पुर के पास से बड़ी संख्या में श्रमिकों को अवैध तरीके से बाहर भेजा जा रहा है।

इस सूचना पर धावा दल ने छापेमारी करके दो यात्री बसों से ले जाए जा रहे इन 68 श्रमिकों को मुक्त कराया है।

इसी क्रम में जांच-पड़ताल में दलाल शंभू प्रसाद से भी पूछताछ की गई तो,उनके पास श्रमिक भेजने के कोई दस्तावेज नहीं मिला। इन श्रमिकों को उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिला में अवस्थित लक्ष्मी ईंट भट्ठा पर भेजा जा रहा था।

उक्त ईंट भट्ठा के संचालक श्रवण महतो के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज कराई जा रही है।

स्थानीय दलाल जून-जुलाई में ही ईंट भट्ठों के संचालकों से श्रमिक उपलब्ध कराने के नाम पर मोटी राशि ले लेते हैं और स्थानीय स्तर पर गांवों में जाकर श्रमिकों को सांकेतिक कुछ राशि देकर श्रम विभाग से निबंधन कराए बिना ही ईंट भट्ठों पर भेज देते हैं।

चढ़ा सियासी पारा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर एनडीए गठबंधन में भी सीट शेयरिंग पर मुहर लग गई है। सीट बंटवारे के तहत इस बार जदयू और बीजेपी के बराबर सीटों मिली है। इस बात की जानकारी बीजेपी नेता धर्मेंद्र प्रधान ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके दी।

सीट बंटवारे के तहत इस बार जदयू और बीजेपी 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी। वहीं, चिराग पासवान की पार्टी को 29 सीटें और जीतनराम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी को 6-6 सीटें दी गई हैं।

वहीं, सीट बंटवारे के बाद भाजपा नेता राजन तिवारी ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि मैं निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव नहीं लड़ूंगा, पार्टी के जरिए लड़ूंगा।

उन्होंने कहा कि एक-दो दिन में सब साफ हो जाएगा। मैं पूरी ईमानदारी से बीजेपी में रहा हूं और पार्टी के लिए काम कर रहा हूं।

अगर पार्टी मुझे टिकट नहीं देती है तो यह उनके लिए नुकसानदेह होगा। उन्होंने आगे कहा कि अगर बीजेपी टिकट नहीं देगी तो विचार करेंगे। सीट शेयरिंग के सवाल पर जवाब देते हुए राजन तिवारी ने कहा कि सीट शेयरिंग से सब खुश हैं। हम मजबूती के साथ इस बार चुनाव लडेंगे।

सफाई व्यवस्था के नाम पर लूट की छूट

यत्र-तड़ कूडे का अम्बार, रोष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। नगर परिषद बीहट क्षेत्र के गढ़हरा एवं राजवाड़ा इलाके में सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। सड़कों, गड्ढों और गलियों में जगह-जगह कूड़े-करकट का अंबार लगा हुआ है, जबकि नगर परिषद कार्यालय द्वारा हर महीने लाखों रुपये साफ-सफाई के नाम पर खर्च किए जा रहे हैं।

बावजूद इसके धरातल पर कोई सुधार नहीं दिख रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ठेकेदार के कर्मी कूड़े को सिमरिया स्थित डंपिंग स्थल तक नहीं ले जाकर सड़क किनारे या गड्ढों में ही फेंक देते हैं। इससे पूरे इलाके में बदबू फैलती रहती है और लोगों का जीना मुहाल हो गया है।

वार्ड संख्या 16 के सलेमपुर टोला, वार्ड संख्या 14 के सड़क किनारे गड्ढे, गढ़हरा-बारो मार्ग, ठकुरीचक और राजवाड़ा इलाके में कूड़े के ढेरों की भरमार है।

स्थानीय निवासी बताते हैं कि वर्षा के दौरान कूड़ा पानी में सड़ जाता है, इससे दुर्गंध और मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है।

ब्लीचिंग पाउडर या फागिंग मशीन से छिड़काव तक नहीं किया जाता, इससे डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।

स्थिति इतनी खराब है कि कई बार लोगों ने मजबूर होकर कूड़े में आग लगा दी, इससे आग विकराल रूप धारण कर चुकी है।

पिछले वर्ष ऐसी ही घटना में आग बुझाने के लिए दमकल को बुलाना पड़ा था। सबसे चिंताजनक बात यह है कि स्थानीय वार्ड पार्षद इस गंभीर समस्या पर मौन साधे हुए हैं। लोगों का कहना है कि शिकायत करने पर भी कोई कार्रवाई नहीं होती।

गैंगस्टर सुजीत सिन्हा को भेजा गया साहिबगंज कारा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। झारखंड जेल प्रशासन ने गैंगस्टर सुजीत सिन्हा को मेदिनीनगर केंद्रीय कारागार से साहिबगंज मंडल कारागार में स्थानांतरित करने का आदेश जारी कर दिया है। यह कदम सुरक्षा और प्रशासनिक कारणों से उठाया गया है।

सूत्रों के मुताबिक, डीआईजी (कारा) पलामू और मेदिनीनगर केंद्रीय कारा के जेल अधीक्षक की रिपोर्ट के आधार पर जेल आईजी ने सुजीत सिन्हा के स्थानांतरण का निर्देश दिया है। आदेश जारी होने के बाद उन्हें जल्द ही साहिबगंज मंडल कारा में शिफ्ट किया जाएगा।

डीआईजी (कारा) और मेदिनीनगर केंद्रीय कारा के अधीक्षक ने अपनी रिपोर्ट में सुरक्षा और प्रशासनिक कारणों का हवाला देते हुए सुजीत सिन्हा को किसी अन्य जेल में स्थानांतरित करने की सिफारिश की थी।

जेल आईजी ने झारखंड कारा हस्तक 2025 के नियम 552, 528 और 560 के तहत इस अनुशंसा पर कार्रवाई करते हुए उनका स्थानांतरण साहिबगंज मंडल कारा में करने की अनुमति दी।

जेल आईजी ने आदेश में स्पष्ट किया है कि सुजीत सिन्हा के स्थानांतरण के दौरान विशेष सुरक्षा इंतजाम किए जाएं। पलामू के उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक और जेल अधीक्षक को निर्देश दिए गए हैं कि ट्रांसफर प्रक्रिया के दौरान पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात किए जाएं।

सूत्रों के अनुसार, स्थानांतरण के समय किसी भी अप्रिय या आपात स्थिति से निपटने के लिए विशेष सुरक्षा योजना बनाई जा रही है। इसमें एस्कॉर्ट टीम, रूट प्लानिंग और रीयल टाइम मॉनिटरिंग की व्यवस्था शामिल होगी।

गैंगस्टर सुजीत सिन्हा को 10 अगस्त 2025 को चाईबासा जेल से मेदिनीनगर केंद्रीय कारा लाया गया था। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, जेल में रहते हुए वह सक्रिय रहा और बाहरी गतिविधियों पर प्रभाव बनाए रखने की कोशिश करता रहा।

पलामू उसका गृह क्षेत्र होने के कारण मेदिनीनगर जेल में रहना उसके लिए अपेक्षाकृत सुविधाजनक था। इस कारण प्रशासन पहले से ही उसके अन्य जेल में स्थानांतरण पर विचार कर रहा था।

मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र के रेडमा निवासी सुजीत सिन्हा का आपराधिक नेटवर्क झारखंड के कई जिलों में फैला हुआ है। उस पर रांची, हजारीबाग, लातेहार, चतरा, रामगढ़ और पलामू समेत विभिन्न जिलों में दर्जनों आपराधिक मामले दर्ज हैं।

केवल पलामू जिले में ही उसके खिलाफ 20 से अधिक मामले दर्ज हैं। इन मामलों में रंगदारी, हत्या, आर्म्स एक्ट और गैंग आपरेशन से जुड़े मामले शामिल हैं।

थाना में हुआ हाई वोल्टेज ड्रामा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। जिले के बरहट थाना क्षेत्र में एक अनोखी प्रेम कहानी ने हाईवोल्टेज ड्रामा का रूप ले लिया। मामला तब सामने आया जब एक विवाहित युवक 80 दिन बाद अपनी प्रेमिका से शादी कर घर लौट आया। दूसरी पत्नी को देखते ही उसकी पहली पत्नी आगबबूला हो गई और दोनों को लेकर थाने पहुंच गई। थाने में करीब तीन घंटे तक हंगामा चलता रहा।

बरहट निवासी राहुल कुमार (28) मोबाइल रिचार्ज का व्यवसाय करता है। उसकी शादी 21 जून 2021 को बांका जिले के बेलहर साहिबगंज निवासी रेणु कुमारी (25) से हुई थी। राहुल और रेणु की एक तीन साल की बेटी भी है।

राहुल की मुलाकात वर्ष 2022 में जमुई रेलवे स्टेशन पर झारखंड के देवघर निवासी गीता कुमारी से हुई। गीता ने बताया कि उसका पहला पति रवि कुमार शराब के नशे में उससे मारपीट करता था, जिससे परेशान होकर वह अपने ससुराल को छोड़कर जमुई आ गई। राहुल ने गीता की मदद की और इसी दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ने लगी।

मोबाइल पर घंटों बातचीत के दौरान राहुल और गीता के बीच प्रेम संबंध विकसित हो गए। करीब तीन साल तक रिलेशनशिप में रहने के बाद, दोनों 80 दिन पहले घर से भाग गए और शादी कर ली। इस दौरान दोनों ने दार्जिलिंग, जम्मू-कश्मीर सहित देश के कई हिस्सों की यात्रा भी की।

राहुल अपनी दूसरी पत्नी गीता के साथ बरहट स्थित घर पहुंचे। पहली पत्नी रेणु कुमारी ने उन्हें देखते ही हंगामा शुरू कर दिया और दोनों को पकड़कर बरहट थाने ले गई। थाने में दोनों पक्षों के बीच जमकर बहस हुई। गीता ने बताया कि शुरू में राहुल ने अपनी शादी की बात उसे नहीं बताई थी। जब सच्चाई पता चली तो वह देवघर लौट गई, लेकिन बाद में राहुल ने शादी का वादा किया और उसे साथ ले गया।

वहीं, पहली पत्नी रेणु कुमारी का आरोप है कि गीता ने उसके पति को अपने बस में कर लिया है और दोनों उससे 20 लाख रुपये की मांग कर रहे थे। बरहट थानाध्यक्ष कुमार संजीव ने बताया कि पूरे मामले की जांच जारी है। दोनों पक्षों से पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस घटना की चर्चा पूरे इलाके में बनी हुई है।

बागी ही बनायेंगे या बिगाड़ेंगे खेल

बागियों के हलचल से जंग हुआ दिलस्प

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। विधानसभा चुनाव को लेकर सीट शेयरिंग की आधिकारिक घोषणा भले ही अभी न हुआ हो, लेकिन चकाई की सियासी धरती पर चुनावी तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है।

चौपाल से लेकर चाय की दुकानों तक चर्चा का केंद्र यही है कि चकाई सीट इस बार एनडीए में जदयू और महागठबंधन में झामुमो के खाते में जाएगी, यानी मुकाबला तय है, झामुमो बनाम जदयू, पर कहानी यहीं खत्म नहीं होती।

बागियों की बढ़ती हलचल ने इस जंग को और भी दिलचस्प बना दिया है। एनडीए की ओर से मौजूदा मंत्री सुमित कुमार सिंह सबसे मजबूत दावेदार माने जा रहे हैं। पिछली बार उन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में जीत दर्ज कर नीतीश सरकार को समर्थन दिया था। इस बार वे 18 अक्टूबर को नामांकन दाखिल करेंगे।

वहीं, पिछले चुनाव में एनडीए के आधिकारिक उम्मीदवार रहे पूर्व एमएलसी संजय प्रसाद भी मैदान में उतरने की तैयारी में हैं। उनका नामांकन 17 अक्टूबर को प्रस्तावित है। इसी बीच लोजपा के पूर्व प्रत्याशी संजय मंडल भी सक्रिय हैं।

तीनों नेताओं की सक्रियता से एनडीए खेमे में बगावत की सरगर्मी चरम पर है। माना जा रहा है कि असंतोष अगर नहीं थमा तो अंदरूनी फूट सत्ता पक्ष के लिए सिरदर्द बन सकती है।

विपक्षी महागठबंधन में भी हलचल कम नहीं। चर्चा है कि यह सीट झामुमो के खाते में जाएगी। पार्टी के संभावित उम्मीदवारों में ममता सिंह और पौलुस हेंब्रम के नाम चल रहे हैं, जबकि पूर्व विधायक सावित्री देवी लगातार जनसंपर्क में जुटी हैं।

राजनीतिक गलियारों में यह भी कानाफूसी है कि अगर उम्मीदवार की घोषणा में देरी हुई तो सावित्री देवी निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में ताल ठोक सकती हैं। ऐसे में विपक्षी खेमें में भी समीकरण उलझ सकते हैं। चकाई की राजनीति में इस बार एक नया नाम तेजी से उभर रहा है, चंदन फाउंडेशन के संस्थापक चंदन सिंह तो जन सुराज भी मुकाबले को दिलचस्प बनाएगा।

चकाई का चुनाव इस बार बेहद रोमांचक और अनिश्चितताओं से भरा दिख रहा है। सत्ता पक्ष में जहां तीन दावेदारों के बीच रस्साकशी है, वहीं विपक्ष भी उम्मीदवार चयन को लेकर असमंजस में हैं। ऐसे में बागी प्रत्याशी दोनों खेमों की गणित को पलट सकते हैं। जनता भी अब हर कदम पर नजर रखे हुए है।

गांव-गांव में बैठकों, नुक्कड़ सभाओं और जनसंपर्कों का दौर शुरू हो चुका है। मतदाता इस बार किसी पार्टी से ज्यादा उम्मीदवार के चेहरे और उसके कामकाज को तरजीह दे रहे हैं।

राजनीतिक पंडितों का कहना है कि चकाई की लड़ाई इस बार सिर्फ दल या गठबंधन की नहीं, बल्कि साख, रणनीति और स्थानीय जनसंपर्क की होगी। यहां का मतदाता परंपरागत ध्रुवीकरण से हटकर सोच रहा है।

तेजप्रताप यादव ने जनसभा कर लोगों से मांगा समर्थन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। वजीरगंज विधानसभा क्षेत्र के तरमा में जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री तेजप्रताप यादव ने एक चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बिहार की धरती सम्पूर्ण राजनीतिक बदलाव की आकांक्षा रखती है।

उन्होंने उपस्थित जनसमूह से अपील की कि वे बदलाव के पक्ष में मतदान करें। तेजप्रताप ने कहा कि कई बहुरूपिया चुनावी वादे करके चले जाएंगे, लेकिन उनकी पार्टी कम वादा करने के बावजूद उसे पूरा करने का संकल्प लेती है।

उन्होंने तरमा को प्रखंड बनाने और स्वास्थ्य एवं शिक्षा में सुधार लाने का वादा किया। उन्होंने वर्तमान सरकार पर आरोप लगाया कि वह जयप्रकाश नारायण, लोहिया और लालू जैसे महान नेताओं के विचारों का अपमान कर रही है।

आप सभी लोग ब्लैक बोर्ड पर पढ़ाई किए हैं। इससे सबको ज्ञान प्राप्त होता है। मोदी जी भी ब्लैकबोर्ड पर ही पढ़े हैं और देश के जितने भी नेता हैं सभी लोग ब्लैक बोर्ड के रास्ते ही आगे बढ़े हैं। इसके बिना सब अधूरा है।

वह अपने पार्टी के चुनाव चिह्न है का जिक्र कर रहे थे। हम स्वास्थ्य मंत्री बने तो हमने पूरे बिहार में स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार लाने का काम किया और कई मेडिकल कॉलेज खोलने का प्रस्ताव पारित किया जो अभी चालू हो रहा है।

उन्होंने सभी से बदलाव के लिए मतदान करने की अपील की। सभा में महिला सेल की राष्ट्रीय अध्यक्ष अर्चना राय और क्षेत्रीय उम्मीदवार प्रेम कुमार ने भी अपने विचार रखे।

इधर, अतरी विधानसभा क्षेत्र के अतरी पावर ग्रिड के सामने आयोजित सभा में जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव ने कहा कि नेताओं को जनता के बीच रहना चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि नेता ग्रामीणों से दूरी बना रहे हैं और उनके साथ संवाद नहीं कर रहे हैं। तेजप्रताप ने बेरोजगारी को दूर करने के लिए जनशक्ति जनता दल के गठन का उद्देश्य बताया।

चिराग की पार्टी को जसुपा ने दिया झटका

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। चिराग पासवान उधर एनडीए में पसंद की अधिकाधिक सीटें पाने के लिए तोल-मोल कर रहे और इधर उनके एक मजबूत साथी को जन सुराज पार्टी (जसुपा) ने तोड़ लिया।

लोजपा-रामविलास के नेता रहे कुमार सौरभ पाला बदलकर रविवार को जसुपा के साथ हो लिए। इस आवक से गदगद जसुपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह को भरोसा है कि जसुपा सरकार बनने पर सौरभ के सहयोग से बिहार के लिए विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से पांच-छह लाख करोड़ तक का ऋण ले सकते हैं।

औरंगाबाद के रहने वाले सौरभ आईसीआईसीआई और यस बैंक में बड़े पदों वाइस प्रेसिडेंट और सिक्योरिटाइजेशन के कंट्री हेड रहे हैं।

यह प्रक्रिया बैंकों को ऋण लेने में सहायता करती है। 10 वर्ष पहले वे लोजपा से जुड़े। वहां प्रवक्ता और संगठन के सह प्रभारी के तौर पर काम किया।

उदय के साथ प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती, प्रदेश महासचिव किशोर कुमार, वरिष्ठ नेता सुधीर शर्मा और सरवर अली ने उनका जसुपा में स्वागत किया। एक प्रश्न के उत्तर में उदय ने कहा कि लोजपा-रामविलास प्रमुख चिराग पासवान बिहार के लिए अच्छा काम कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि वे अपनी पार्टी का जसुपा में विलय कर लें और हमारे साथ मिलकर काम करें।

सौरभ ने कहा कि चिराग से कोई मनमुटाव नहीं, लेकिन लोजपा-रामविलास में सड़क पर उतरकर संघर्ष करने की उनकी इच्छा पूरी नहीं हो रही। यह इच्छा अब जसुपा में पूरी होगी।

तो क्या शराबियों की होगी बल्ले-बल्ले ?

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी शराबबंदी को हटाने का वादा कर रही है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह का कहना है कि अगर जन सुराज पार्टी सत्ता में आई तो बिहार में शराब की बिक्री पर लगा प्रतिबंध हटा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम कहते रहे हैं कि अगर आने वाले समय में बिहार की सत्ता बदलती है और जन सुराज पार्टी सत्ता में आती है, तो राज्य में शराबबंदी तुरंत हटा दी जाएगी।

इससे राज्य को लगभग 28,000 करोड़ रुपये का राजस्व घाटा बच जाएगा।

जिसका इस्तेमाल विश्व बैंक और आईएमएफ से 5 से 6 लाख करोड़ रुपये तक का कर्ज लेने में किया जाएगा, जिससे बिहार का विकास होगा।

जन सुराज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि सौरव वित्त और कानून के अच्छे जानकार हैं। उन्होंने भारत में एक निजी बैंक में प्रतिभूतिकरण के कंट्री हेड के रूप में काम किया है।

हम उनकी विशेषज्ञता का इस्तेमाल राज्य के राजस्व से विश्व बैंक और आईएमएफ से 5 से 6 लाख करोड़ रुपये तक का कर्ज लेने में करेंगे, जो बिहार में शराबबंदी हटने के बाद बचेगा।

आपको बता दें कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए जनसुरान ने अपने 51 प्रत्याशियों की लिस्ट जारी की है। प्रशांत किशोर का कहना है कि जल्द ही दूसरी लिस्ट भी सामने आएगी।

मेट्रो में युवती का डांस करते वीडियो वायरल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पटना मेट्रो में एक युवती का डांस करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। वीडियो में लड़की मेट्रो के अंदर गाने की धुन पर नाचती हुई दिखाई दे रही है, जबकि आसपास यात्री भी मौजूद हैं। यह वीडियो कुछ ही घंटों में पूरे इंटरनेट पर चर्चा का विषय बन गया। कई लोगों ने इसे मनोरंजक बताया तो कईयों ने इसे सार्वजनिक स्थान की मयार्दा के खिलाफ बताया।

मेट्रो में इस तरह का प्रदर्शन बिहार में हाल ही में शुरू हुई मेट्रो सेवा के संदर्भ में और भी संवेदनशील माना जा रहा है, क्योंकि यह सेवा अभी परीक्षण चरण में है और सुरक्षा व अनुशासन पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। इस घटना के बाद प्रशासन ने वीडियो की जांच शुरू कर दी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वीडियो कब और किस ट्रेन में बनाया गया था।

कुछ लोगों का कहना है कि इस तरह की गतिविधियाँ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा हैं, जबकि कई अन्य का मानना है कि सार्वजनिक परिवहन को मनोरंजन स्थल नहीं बनाया जा सकता। सोशल मीडिया पर इस पर बहस छिड़ गई है – एक पक्ष का कहना है कि यह आधुनिकता और आत्मविश्वास का प्रतीक है, जबकि दूसरा पक्ष इसे अनुशासनहीनता और दिखावे की संस्कृति करार दे रहा है।

पटना मेट्रो प्रशासन ने बयान जारी किया है कि यात्रियों को नियमों का पालन करना चाहिए और किसी भी प्रकार का प्रदर्शन, डांस या वीडियो शूट बिना अनुमति के करना मना है। उन्होंने कहा कि मेट्रो सभी के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक यात्रा का माध्यम है, इसलिए इस तरह की गतिविधियाँ न केवल अनुचित हैं बल्कि भविष्य में दंडनीय भी हो सकती हैं।इस घटना ने एक बार फिर सोशल मीडिया संस्कृति और पब्लिक बिहेवियर की सीमाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं – क्या वायरल होने की चाह में लोग सामाजिक जिम्मेदारी भूलते जा रहे हैं।

CMYK

एकता से ही खुलेंगे वैश्य उत्थान के सभी द्वार : डॉ अजय प्रकाश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। वैश्य समाज में सेवा, सभ्यता, संस्कृति के प्रति अद्भुत समर्पण है, इन सभी का समावेश उसे नेतृत्व करने की असीम क्षमता प्रदान करता है। यही कारण रहा कि वैश्य समाज का इतिहास गौरवशाली रहा है। उक्त बातें वैश्य उत्थान समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय प्रकाश ने पटना सिटी चौक स्थित भामाशाह भवन में आयोजित वैश्य चिंतन बैठक सह सम्मान समारोह में कहीं। डॉ अजय प्रकाश ने यह भी बताया कि एक से बढ़कर एक दिशा देने वाले राजा भी वैश्य समाज में रहे हैं जो सम्पूर्ण समाज का उत्थान किए। भारत के कोई तीर्थ स्थल हो या अन्य कोई भी स्थान हो सामाजिक कार्य में वैश्य आगे बढ़कर अपना योगदान देते हैं। परंतु वैश्य समाज को भी सुरक्षा, व्यवसाय, प्रशासनिक एवं राजनीतिक पद पर रहने का हक है, यह तभी संभव हो पाएगा जब वैश्य एकता में रहेंगे और एकता का अनूठा मिसाल बना है सामूहिक वैश्य देव पूजन। इस पूजन कार्यक्रम में सहयोग देने वाले सौ पदाधिकारी एवं सदस्यों को आज समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम मैं वैश्य विभूषण सम्मान से सम्मानित किया गया। आगामी कार्यक्रमों के सफल संयोजन हेतु वैश्य उत्थान समिति विस्तारित करते हुए ग्यारह जन को कार्यकारी अध्यक्ष, बीस साथियों को उपाध्यक्ष, सचिव, सहसचिव, प्रवक्ता का नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया।

कार्यक्रम संयोजन में मुख्य रूप से विकास कुमार मौड़ीवाल, सर्व प्रकाश, नारायण प्रकाश साह, लल्लू शर्मा, डॉ रत्नेश कुमार गुप्ता, मनीष कांस्यकार, सुनील कुमार चौरसिया, भावना शर्मा आदि ने कार्यक्रम को संबोधित किया तथा मुन्ना जायसवाल, पिंटू लाल कसेरा, सुनिता गुप्ता, ज्योति गुप्ता, पप्पू साह, राहुल चौधरी, बेबी देवी, महेन्द्र कुमार, गणेश कुमार, रमेश प्रसाद चौरसिया, सीताराम शर्मा, अमित चौरसिया, दीपिका कुमारी, साक्क्षी कुमारी, दीपक वरनवाल, मनोज केशरी, अंकित कुमार, सरोज कुमार, इन्द्रजीत चौधरी, धर्मेन्द्र कुमार चौरसिया, सुजीत कुमार वर्मा, निरंजन कुमार चौधरी, राजवाला चौधरी, सन्नी कुमार, मनीष कुमार, भोला प्रसाद आदि का सहयोग सराहनीय रहा।

स्वच्छ रेल-स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत अपर मंडल रेल प्रबंधक का लखीसराय स्टेशन पर यात्रियों से संवाद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। 15 अक्तूबर तक चलने वाले स्वच्छता पखवाड़ा एवं एक से 31 अक्तूबर 2025 तक चलने वाले विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत आज 12 अक्तूबर 2025 को लखीसराय स्टेशन पर अपर मंडल रेल प्रबंधक (इंफ्रा) राजीव कुमार के द्वारा रेल यात्रियों के बीच अमृत संवाद स्थापित किया गया। उन्होंने यात्रियों से संवाद स्थापित करते हुए स्वच्छ रेल स्वच्छ भारत अभियान की विस्तृत रूप से चर्चा की और रेल परिसर, स्टेशनों एवं ट्रेनों में स्वच्छता बनाए रखने हेतु अपील की। इस अवसर पर मंडल के कई अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित थे। यह संवाद यात्रियों को स्वच्छता एवं साफ सफाई के प्रति उनकी जिम्मेदारी का बोध कराते हुए स्वच्छता और स्टेशनों की देखरेख में भागीदारी के लिए उन्हें प्रेरित करता है। स्वच्छता पखवाड़ा एवं विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत दानापुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान, जन-जागरूकता गतिविधियां, यात्रियों से अमृत संवाद सक्रिय रूप से जारी हैं। आज इन अभियानों के अंतर्गत कई स्टेशनों पर श्रमदान भी किया गया। यह अभियान हमें स्वच्छता एवं साफ सफाई के प्रति जागरूक करने के अलावा हमें इसकी सफलता में हमारी महत्वपूर्ण भूमिका का भी एहसास दिलाता है। दानापुर मंडल अपने सभी यात्रियों एवं रेलकर्मियों को इसमें अपनी सक्रिय सहभागिता के लिए आभार व्यक्त करता है।

मिश्रीलाल यादव गलतबयानी कर लोगों को कर रहे हैं दिग्भ्रमित : रामकृपाल यादव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भाजपा के नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रामकृपाल यादव ने आज पार्टी के विधायक मिश्रीलाल यादव को नसीहत देते हुए कहा कि उन्हें पार्टी छोड़कर जाना है जाएं, लेकिन गलतबयानी करके बिहार के पिछड़े और अति पिछड़े समाज के लोगों को मूर्ख बनाने का काम न करें।

उन्होंने कहा कि भाजपा को बिहार की जनता जानती है, तभी आज पार्टी इतनी ऊंचाई पर पहुंची है। उन्होंने यह भी कहा कि आपके पार्टी छोड़कर जाने से पार्टी को फर्क नहीं पड़ेगा। जनता पार्टी के साथ है। पूर्व केंद्रीय मंत्री रामकृपाल यादव ने विधायक मिश्रीलाल यादव को अपना छोटा भाई बताते हुए आगे कहा कि भाजपा ने इन्हें विधायक बनाकर काफी सम्मान दिया। उन्होंने कहा कि केवल यही नहीं, भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जो शोषित, पीड़ित समाज के लोगों को सम्मान देने का काम कर रही है।

उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा ने ही अति पिछड़े समाज से आने वाले नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाया और इतिहास रचने का काम किया। इनके पहले कोई पिछड़े और अति पिछड़े समाज का व्यक्ति प्रधानमंत्री नहीं बना था। पूर्व सांसद रामकृपाल यादव ने कहा कि केवल नरेंद्र मोदी को ही नहीं, मोहन यादव को भी मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया गया और समाज को सम्मान दिया गया। उन्होंने कहा कि बिहार के अंदर ही देखिए चिराग पासवान और जीतन राम मांझी आज केंद्रीय मंत्री हैं। इन दोनों दलित समाज से आने वाले बिहार के बेटों को सम्मानित किया गया। निषाद के बेटे को भी कैबिनेट में जगह मिली। मुझे भी मोदी कैबिनेट में रहने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। कई ऐसे और लोग हैं। उन्होंने साफ कहा कि मिश्रीलाल यादव गलतबयानी कर रहे हैं और लोगों को दिग्भ्रमित कर रहे हैं।

रेलवे सुरक्षा बल ने 'वेदांता हाफ मैराथन 2025' में 'ऑपरेशन नार्कोस' थीम के साथ की भागीदारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के 26 कर्मियों का दल जिसमें 5 महिला अधिकारी भी शामिल थीं, ने आज जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में आयोजित वेदांता हाफ मैराथन 2025 में भाग लिया। दल का नेतृत्व कमलजोत ब्रार, आईजी (कंस्ट्रक्शन), उत्तरी रेलवे ने किया जबकि पूरी भागीदारी का मार्गदर्शन रेलवे सुरक्षा बल की महानिदेशक सोनाली मिश्रा, आईपीएस द्वारा किया गया। इस अवसर पर आरपीएफ दल की थीम 'ऑपरेशन नाकोर्सः नशा तस्करी के खिलाफ आरपीएफ' रही। यह थीम नशे के खिलाफ चल रहे आरपीएफ के अभियान और युवाओं में नशा विरोधी जागरूकता फैलाने के प्रयासों को उजागर करती है। बल का उद्देश्य रेलवे नेटवर्क के माध्यम से होने वाली नशा तस्करी पर प्रभावी रोक लगाना और समाज में नशा-मुक्त वातावरण का निर्माण करना है। आरपीएफ की यह भागीदारी उसके कर्मियों में शारीरिक फिटनेस, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा देने की उसकी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। रेलवे सुरक्षा बल यात्रियों की सुरक्षा, संरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के साथ-साथ एक सामाजिक रूप से उत्तरदायी संगठन के रूप में राष्ट्रीय उद्देश्यों की पूर्ति के लिए सतत प्रयासरत है।

निवेशकों को जागरूक करने के लिए कार्यशाला का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पटना के ऊर्जा स्टेडियम में 'मार्च विथ मार्केट' कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में निवेशकों, युवाओं और आम नागरिकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आइआइएफएल सिक्योरिटीज लिमिटेड के वरिष्ठ निदेशक और प्रसिद्ध मार्केट एनालिस्ट संजीव भसीन शामिल हुए। इनके साथ स्पेशल गेस्ट के रूप में निरंजन मूंधड़ा, शंभू सिंह, संदीप सिंह, अभिजीत सिंह एवं कमलेश द्विवेदी मौजूद थे। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को निवेश की शिक्षा देना और शेयर बाजार से जुड़े मिथकों को दूर करना था। कार्यक्रम की शुरूआत संजीव भसीन के प्रेरक संबोधन से हुई जिसमें उन्होंने कहा कि 'हर व्यक्ति को अपनी निवेश को विभिन्न क्षेत्रों में बांटने की समझ होना जरूरी है। सोना, फिक्स्ड इनकम, रियल एस्टेट और इक्विटी – सबमें संतुलन बनाकर चलना ही समझदारी है। उन्होंने कहा कि भारत में वित्तीय शिक्षा की कमी सबसे बड़ी चुनौती है और इसका असर आम लोगों की बचत और निवेश क्षमता पर पड़ता है। भसीन ने कहा कि हमारा उद्देश्य सिर्फ लोगों को शेयर बाजार में निवेश के लिए प्रेरित करना नहीं है, बल्कि उन्हें यह सिखाना है कि कहां, कब और कितना निवेश करें। पैसा तभी बढ़ता है जब उसे सही जगह लगाया जाए। हम चाहते हैं कि हर घर में वित्तीय साक्षरता बढ़े और लोग समझदारी से अपनी संपत्ति का प्रबंधन करें। कार्यक्रम में महिला निवेशकों की भी सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम के आयोजक सूरज सिंह ने कहा कि हर भारतीय नारी की यही सोच होती है कि घर का बजट कैसे चले, बचत कैसे बढ़े और भविष्य सुरक्षित कैसे हो। कोविड के बाद यह बात साफ हुई कि घर बैठे-बैठे भी निवेश किया जा सकता है। स्टॉक मार्केट अब सिर्फ बड़े लोगों की चीज नहीं रही, यह हर घर की बात बन चुकी है। उन्होंने महिलाओं को निवेश के क्षेत्र में आगे आने की प्रेरणा दी और कहा कि आर्थिक आत्मनिर्भरता ही सशक्तिकरण की असली कुंजी है।

जनता की सरकार, जनता के दम पर : महादेव राउत मंडल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। लोकतांत्रिक जनता दल के प्रदेश संयोजक महादेव राउत 'मंडल जी' ने कहा कि बिहार में अब वही राजनीति चलेगी जो जनता की आवाज से जन्म लेगी, न कि पूंजीपतियों के धनबल से। उन्होंने कहा कर्पूरी ठाकुर की सादगी, शरद यादव की समाजवादी दृष्टि, कांशीराम की जागृति और बाबा साहब अंबेडकर के संवैधानिक मूल्य हमारे आंदोलन की चार मजबूत नींव हैं। हमें ऐसी सरकार चाहिए जो जनता के प्रति मजबूर हो, न कि धनबल के दम पर मजबूत। महादेव जी ने कहा कि लोकतांत्रिक जनता दल धनबल और वोट-खरीदी की राजनीति के खिलाफ जनजागरण चला रही है जो प्रत्याशी करोड़ों रुपये खर्च कर वोट खरीदेगा, वह जनता को नहीं बल्कि लोकतंत्र को बेचता है। अब बिहार में ईमानदारी और जनसेवा की राजनीति को जगह देनी होगी। उन्होंने बताया कि एलजेडी ने 243 विधानसभा सीटों पर जनसुझाव, प्रत्याशी आवेदन और चयन प्रक्रिया शुरू कर दी है। पार्टी ऐसे उम्मीदवारों की तलाश में है जो समाजसेवी, स्वच्छ छवि वाले और जनता के मुद्दों से जुड़े हों। शिकायत या सुझाव के लिए संपर्क नंबर जारी किया गया है। महादेव राउत ने कहा नीतीश, भाजपा, राजद और जनसुरज की तिकड़ी से जनता ऊब चुकी है। नया रास्ता तीसरे मोर्चे से होकर जाता है। एआईएमआईएम, बहुजन समाज पार्टी, आजाद समाज पार्टी और लोक शक्ति पार्टी के साथ विचार-विमर्श हो चुका है।

गणतांत्रिक समाज पार्टी ने फूंकी चुनावी बिगुल

सामाजिक न्याय की लड़ाई में हर दल के प्रत्याशी होंगे पराजित : मुकुल आनंद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार की राजनीति में एक नया समीकरण बनते हुए गणतांत्रिक समाज पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए बड़ी घोषणा की है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकुल आनंद ने रविवार को पटना में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस बार हमारी लड़ाई सामाजिक न्याय, समान अवसर और जनसेवा की है। हमने ठान लिया है कि बिहार के हर विधानसभा क्षेत्र में सच्चे समाजसेवक और जनता के बीच काम करने वाले लोगों को विधान सभा तक पहुंचाया जाएगा। जनता के समर्थन से हम सभी राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों को हराएंगे और एक नई राजनीतिक संस्कृति की शुरूआत करेंगे। मुकुल आनंद ने बताया कि गणतांत्रिक समाज पार्टी अन्य कई दलों के साथ गठबंधन बनाकर बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इस गठबंधन में राष्ट्रीय रिपब्लिकन पार्टी भी शामिल है। उन्होंने कहा कि हमने निर्णय लिया है कि कुल 243 सीटों में से 140 सीटें अतिपिछड़ा वर्ग के कर्मठ और ईमानदार प्रत्याशियों को दी जाएंगी। यह फैसला सामाजिक संतुलन और सच्चे प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखकर लिया गया है। राष्ट्रीय रिपब्लिकन पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामनंदन ठाकुर ने बताया कि उनकी पार्टी ने भी बिहार की कई सीटों पर अपने प्रत्याशियों का चयन कर लिया है जिनकी सूची जल्द ही सार्वजनिक की जाएगी। संयुक्त गठबंधन की ओर से जिन प्रत्याशियों को टिकट कंफर्म किया गया है, उनमें मोहन कुमार, दिलशान, गोपाल शर्मा, अनुज शर्मा, डॉ. संजीव पोद्दार, डॉ. शिव शंकर शर्मा, श्रवण कुमार, रंजीत शर्मा, संतोष कुमार, कवि राज कवि, सुंदर लाल शर्मा, भीम राम जी, कुंजबिहारी शर्मा, मुकेश पासवान, राजकुमार, विमल ठाकुर, शिप्पु कुमार आदि प्रमुख नाम शामिल हैं। मुकुल आनंद ने आगे कहा कि हमारा उद्देश्य सिर्फ सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि बिहार की राजनीति को स्वच्छ और जनोन्मुख बनाना है। हमने समाज के हर वर्ग, विशेषकर वंचितों और अतिपिछड़ों को उनका अधिकार दिलाने का संकल्प लिया है। गणतांत्रिक समाज पार्टी बिहार में एक नई राजनीतिक क्रांति की शुरूआत करेगी।

पूर्व सांसद ने किया मानपुर में मैथ गुरुकुल शिक्षण संस्थान का भव्य शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मानपुर(गयाजी)। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए समर्पित मैथ गुरुकुल शिक्षण संस्थान का भव्य शुभारंभ आज मानपुर जगजीवन कॉलेज के पास किया गया। उद्घाटन समारोह का शुभारंभ पूर्व सांसद विजय मांझी, मानपुर संस्कृत विद्यालय के स्थानाधीश सुदर्शनाचार्य जी महाराज एवं प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी पंकज कुमार द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। मौके पर सभी अतिथियों को संस्थान के संचालक रौशन कुमार द्वारा तुलसी पौधा एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी पंकज कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह संस्थान क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए एक उत्कृष्ट अवसर है जहां प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी अनुभवी एवं योग्य शिक्षकों द्वारा कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि संस्थान से जुड़े सभी शिक्षक पहले से सरकारी सेवाओं में रह चुके हैं और स्वयं प्रतियोगी परीक्षाएं पास कर चुके हैं। ऐसे में वे छात्रों की कठिनाइयों को भली-भांति समझते हुए उन्हें सफलता की राह पर प्रभावी मार्गदर्शन देंगे। पूर्व सांसद विजय मांझी ने अपने संबोधन में कहा कि संस्थान के संचालक रौशन कुमार शिक्षा और समाज दोनों के प्रति सजग, अनुभवी एवं जुझारू व्यक्तित्व के धनी हैं। उन्होंने कहा कि मैथ गुरुकुल न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देगा बल्कि विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और अनुशासन भी विकसित करेगा।

सूचना का अधिकार, जीवन का अधिकार : अभय दुबे

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे और प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने संयुक्त रूप से संबोधित किया। संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे ने कहा कि सूचना का अधिकार अधिनियम डॉ. मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी के नेतृत्व में 12 अक्टूबर 2005 को पारित हुआ था। यह कानून भारत के नागरिकों के संवैधानिक और सामाजिक सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम बना। इसने आम जनता को सरकारी तंत्र से जवाब मांगने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की ताकत दी। राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे ने कहा कि आरटीआई के माध्यम से लाखों नागरिकों ने अपने हक-जैसे राशन, पेंशन, मजदूरी, छात्रवृत्ति और योजनाओं का लाभ हासिल किया। परंतु पिछले दशक में विशेषकर मोदी-नीतीश सरकार के दौरान इस कानून की आत्मा को कुचलने की संगठित कोशिश हुई है। यूपीए सरकार ने अपने अधिकार-आधारित एजेंडा के तहत मनरेगा (2005), वन अधिकार अधिनियम (2006), शिक्षा का अधिकार (2009), भूमि अधिग्रहण में उचित मुआवजा कानून (2013) और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (2013) जैसे जनकल्याणकारी कानून लागू किए। इसी क्रम में 'सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005' भारतीय लोकतंत्र की आत्मा बना–जिसने सत्ता को जनता के प्रति जवाबदेह बनाया। धारा 25 के अनुसार आयोग को हर वर्ष अपनी रिपोर्ट प्रकाशित करनी चाहिए, लेकिन 2017-18 के बाद कोई वार्षिक रिपोर्ट जारी नहीं हुई है – यानी पिछले सात वर्षों से बिहार में पारदर्शिता ठप है। सतर्क नागरिक संगठन की रिपोर्ट 2023-24 बताती है – बिहार में 25,101 से अधिक अपीलें और शिकायतें लंबित हैं। आयोग ने 11,807 अपीलें और शिकायतें वापस कीं जबकि उसी अवधि में 10,548 ही दर्ज हुई थीं। एक अपील या शिकायत को निपटाने में औसतन 5 वर्ष का समय लग रहा है। स्पष्ट है कि बिहार सरकार ने आरटीआई को पंगु बना दिया है – पारदर्शिता अब सत्ता के डर से दबी हुई है। 2019 के संशोधनों ने सूचना आयोगों की स्वायत्तता समाप्त कर दी, केंद्र को आयुक्तों का कार्यकाल और वेतन तय करने का अधिकार दिया गया जिससे आयोग सरकार के अधीन हो गए।

37 वां महालक्ष्मी स्मृति संस्कृत शिक्षण एवं सम्भाषण शिविर प्रारंभ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। महालक्ष्मी के स्मरण मात्र से मानव धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति कर सकता है। महालक्ष्मी धन, समृद्धि तथा प्रचुरता की देवी मानी जाती है। अपने भक्तों को सौभाग्य और सफलता का आशीर्वाद देती है-ये सभी बातें आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विहार संस्कृत संजीवन समाज के महासचिव डॉ मुकेश कुमार ओझा ने भगवती महालक्ष्मी स्मृति अन्तजार्लीय अन्तर्राष्ट्रीय दशदिवसात्मक संस्कृत शिक्षण एवं सम्भाषण के निरन्तर 37वें शिविर के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए कही। अपने उद्घाटन भाषण में अभियान के प्रधान संरक्षक एवं उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व गृह सचिव डॉ अनिल कुमार सिंह ने सभी का कल्याण करनेवाली, सिद्धि, बुद्धि और मोक्ष देनेवाली है। दीपावली के शुभावसर पर महालक्ष्मी की स्मृति में संस्कृत शिक्षण एवं सम्भाषण शिविर का आयोजन अत्यावश्यक है। पटना उच्च न्यायालय के वरीय अधिवक्ता उग्र नारायण झा ने कहा कि संस्कृत भाषा में अपने विचारों को व्यक्त करना गर्व का विषय है। इस अवसर पर विशिष्टातिथि डॉ अनिल चौबे, गंगा देवी महिला महाविद्यालय के संस्कृत विभाग की वरीय सहायक आचार्या डॉ बिधु बाला, संस्कृत महाविद्यालय फतुहा की सहायक आचार्या डॉ नीरा कुमारी, आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान की राष्ट्रीय उपाध्यक्षा डॉ लीना चौहान, डॉ रागनी कुमारी, दिल्ली प्रांत के सह संयोजक मनीष कुमार, झारखंड प्रांत के उपाध्यक्ष डॉ महेश केवट, बिहार प्रांत के प्रचार सचिव मुरली धर शुक्ल, विहार संस्कृत संजीवन समाज की कार्यालय सचिव श्रद्धा कुमारी, मध्य प्रदेश प्रान्त की सह संयोजिका तारा विश्वकर्मा आदि वक्ताओं ने भी संस्कृत शिक्षण एवं सम्भाषण की आवश्यकता पर विस्तार से जानकारी दी। मधु कुमारी एवं दिल्ली से आयुष रंजन भी उपस्थित थे।

जीबीएम कॉलेज जाने के रास्ते में अवैध निर्माण से रास्ता अवरूद्ध

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गयाजी। गौतम बुद्ध महिला महाविद्यालय, जो ठीक सिविल लाइन्स थाना के बगल में है, के एकमात्र आने जाने के रास्ते में अवैध निर्माण द्वारा रास्ता अवरूद्ध किया जा रहा है। घर के बाहर निकालने के विरोध में नगर आयुक्त, लोक जनशिकायत में पिछले सप्ताह में मोहल्लेवासियों ने आवेदन के माध्यम से अवगत कराया। महाविद्यालय ने भी थाना और अनुमंडल पदाधिकारी को शुक्रवार को आवेदन दिया।

मारवाड़ी हेल्थ सोसायटी के वृहद मेगा हेल्थ कैम्प में पांच सौ मरीजों ने कराई जांच

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मारवाड़ी हेल्थ सोसायटी राजेंद्र नगर रोड नंबर 7 के द्वारा एक निशुल्क मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन सोसाइटी के अस्पताल प्रांगण में प्रातः 10 बजे से किया गया जिसमें विभिन्न रोगों से ग्रसित करीब पांच सौ से अधिक लोगों ने विशेषज्ञ चिकित्सकों से जांच कराई। सोसाइटी के अध्यक्ष राधेश्याम बंसल ने बताया कि इस स्वास्थ्य शिविर का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की निःशुल्क जांच कराना तथा दवा उपलब्ध कराना था। बंसल ने बताया कि यह जांच शिविर राधा रानी ग्रुप, पटना के सौजन्य से किया गया। मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष हनुमान सहाय गोयल ने बताया कि इस स्वास्थ्य जांच शिविर में जांच कराने हेतु सैकड़ों की संख्या में मरीज प्रातः आठ बजे से अपना नम्बर लगाने के लिए लाइन में लग गए थे। सचिव दिनेश अग्रवाल ने बताया कि इस जांच शिविर में 26 विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा मरीजों की जांच की गई। इनमें प्रसिद्ध पेट रोग विशेषज्ञ डॉ अमित बंका, प्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ अभिनव एवं डॉ राजेश कुमार, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ चारु मोदी, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टर श्रवण कुमार, जनरल फिजिशियन डॉक्टर पूनम नंदन एवं डॉ स्पर्श गोयल, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ विनीत कुमार, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ अभिषेक कुमार एवं डॉ शिल्पी अग्रवाल एवं डॉ प्रवीण, न्यूरो फिजिशियन डॉ हेमंत कुमार, होमियोपैथ के डॉ कन्हैया अग्रवाल, सीनियर न्यूरोथैरेपी विशेषज्ञ नितिन बहुगुणा, पैरालाइसिस विशेषज्ञ डॉ हिमांशु शेखर सहित कुल 26 विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों को देखा।

सीयूएसबी के लीगल एड क्लिनिक ने किया ओरिएंटेशन कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गयाजी। न्यायिक सेवा भावना को बढ़ावा देने में छात्रों की भागीदारी अहम होती है। विधि के नए विद्यार्थियों में इसी संदेश का संचार करने हेतु दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस के लीगल एड क्लिनिक ने एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह के सान्निध्य एवं संरक्षण में आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य विधिक सहायता के उद्देश्यों के अनुरूप समाजोन्मुख शिक्षा को सशक्त बनाना और विद्यार्थियों में न्यायिक सेवा भावना को प्रोत्साहित करना था। जन सम्पर्क पदाधिकारी मोहम्मद मुदस्सीर आलम ने बताया कि ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन एसएलजी के डीन एवं विभागाध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार के नेतृत्व में लीगल एड क्लिनिक के संयोजक डॉ. सुरेन्द्र कुमार ने किया। स्वागत भाषण में प्रो. अशोक कुमार, डीन, एसएलजी ने कहा कि लीगल एड क्लिनिक ने पिछले वर्षों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं और समाज में विधिक जागरूकता फैलाई है। उन्होंने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से संबंधित गतिविधियों का उल्लेख करते हुए छात्रों को विधिक सेवा के क्षेत्र में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। लीगल एड क्लिनिक के संयोजक डॉ. सुरेन्द्र कुमार ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और क्लिनिक की आगामी योजनाओं की जानकारी दी।

संपादकीय

यह यात्रा दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर भारत आए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। दोनों देशों के बीच व्यापार, शिक्षा और टेक्नोलॉजी में सहयोग बढ़ेगा। एक नया व्यापार समझौता जल्द लागू होगा। इससे दोनों देशों को फायदा होगा। ब्रिटेन के नौ विश्वविद्यालय भारत में कैंपस खोलेंगे। यह यात्रा दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने भारत की यात्रा पर आकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। यह यात्रा जुलाई में पीएम मोदी की ब्रिटेन यात्रा के बाद हुई है, जहां दोनों देशों ने टेक्नोलॉजी, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और अनुसंधान जैसे कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई है। स्टार्मर, जो उद्योग जगत के बड़े नामों के साथ भारत आए, ने नई दिल्ली के साथ साझेदारी को 'ग्रोथ का लॉन्चपैड' बताया, जबकि पीएम मोदी ने ब्रिटेन को 'स्वाभाविक साझेदार' कहा। यह मुलाकात दो महीने पहले हुए विस्तृत आर्थिक और व्यापार समझौते को जल्द लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसके लिए एक जॉइंट कमिटी बनाने का ऐलान किया गया है।इस व्यापार समझौते से दोनों देशों को जबरदस्त फायदा होने की उम्मीद है। ब्रिटेन से भारत आने वाले सामानों पर औसत टैरिफ 15 प्रतिशत से घटकर 3 प्रतिशत हो जाएगा, वहीं भारत से ब्रिटेन निर्यात होने वाले 99 प्रतिशत उत्पादों पर टैरिफ पूरी तरह खत्म हो जाएगा। इस डील से व्यापारियों और उपभोक्ताओं को लाभ होगा, साथ ही रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। वर्तमान में दोनों देशों के बीच लगभग 56 अरब डॉलर का व्यापार है, जिसे 2030 तक दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। यह सहयोग ऐसे समय में हो रहा है जब भारतीय उद्योग, खासकर टेक्सटाइल सेक्टर, अमेरिकी टैरिफ के कारण दबाव में है। आशंका है कि चीन और बांग्लादेश पर कम टैरिफ के कारण भारत के टेक्सटाइल निर्यात में अगले साल 10त्न तक की गिरावट आ सकती है। ब्रिटेन के साथ हुई यह डील इस संभावित नुकसान को कम करने में मददगार साबित होगी। स्टार्मर के दौरे ने टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, शिक्षा, निवेश, स्वास्थ्य और अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग के नए रास्ते खोले हैं। एक बड़ी घोषणा यह है कि ब्रिटेन के 9 विश्वविद्यालय अब भारत में अपने कैंपस खोल सकेंगे। यह उन भारतीय छात्रों के लिए एक बड़ी राहत है जो अमेरिका की वीजा नीतियों के कारण विदेश में पढ़ाई के अवसरों को लेकर चिंतित थे। अपने ही देश में अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा प्राप्त करने के अवसर मिलने से रिसर्च को भी बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी और स्टार्मर दोनों ही इन द्विपक्षीय समझौतों को ऐतिहासिक मान रहे हैं, जिसका मुख्य कारण मौजूदा वैश्विक परिस्थितियां हैं। अमेरिका के बढ़ते दबाव के बीच, इन मुलाकातों ने दोनों देशों को नए विकल्प दिए हैं।

आज हर क्षेत्र में बालिकाओं के आगे बढने के बावजूद भी वह अनेको कुरीतियों की शिकार हैं। ये कुरीतियों उनके आगे बढने में बाधाएं उत्पन्न करती है। पढ़े-लिखे लोग और जागरूक समाज भी इस समस्या से अछूता नहीं है। अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित एक अंतर्राष्ट्रीय पालन दिवस है। 11 अक्टूबर 2012 को पहली बार बालिका दिवस मनाया गया था। तब से हर वर्ष 11 अक्टूबर को पूरी दुनियां में अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस दुनिया भर में लड़कियों द्वारा उनके लिंग के आधार पर सामना की जाने वाली लैंगिक असमानता के बारे में जागरूकता बढ़ाता है। इस असमानता में शिक्षा, पोषण, कानूनी अधिकार, चिकित्सा देखभाल और भेदभाव से सुरक्षा, महिलाओं के खिलाफ हिंसा और जबरन बाल विवाह जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

समाज में परिवर्तन की वाहक बने बालिकाएं

(रमेश सर्राफ धमोरा)

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस 2025 की थीम है मैं लड़की हूं, मैं बदलाव का नेतृत्व करती हूं। संकट की अग्रिम पंक्ति में लड़कियां। यह थीम संकट की परिस्थितियों में लड़कियों की दृढ़ता, नेतृत्व और सशक्त भूमिका पर केंद्रित है। यह थीम उन चुनौतियों पर प्रकाश डालती है जिनका सामना बालिकाएं करती हैं। जैसे संघर्ष, जलवायु परिवर्तन और असमानताएं। यह थीम बालिकाओं को केवल संकट के शिकार के रूप में नहीं बल्कि परिवर्तन के वाहक के रूप में पहचानने पर जोर देती है। यह थीम शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा में निवेश का आह्वान करती है ताकि वे बेहतर और समावेशी दुनिया का निर्माण कर सकें।

आज हर क्षेत्र में बालिकाओं के आगे बढने के बावजूद भी वह अनेको कुरीतियों की शिकार हैं। ये कुरीतियों उनके आगे बढने में बाधाएं उत्पन्न करती है। पढ़े-लिखे लोग और जागरूक समाज भी इस समस्या से अछूता नहीं है। देश में आज भी प्रतिवर्ष लाखों लड़कियों को जन्म लेने से पहले ही कोख में मार दिया जाता है। आज भी समाज के अनेक घरों में बेटा, बेटी में भेद किया जाता है। बेटियों को बेटों की तरह अच्छा खाना और अच्छी शिक्षा नहीं दी जाती है। समाज में आज भी बेटियो को बोझ समझा जाता है।

भारत में हर साल तीन से सात लाख कन्या भ्रूण नष्ट कर दिये जाते हैं। इसलिए यहां महिलाओं से पुरुषो की संख्या 5 करोड़ ज्यादा है। समाज में निरंतर परिवर्तन और कार्य बल में महिलाओं की बढ़ती भूमिका के बावजूद रूढिवादी विचारधारा के लोग मानते हैं कि बेटा बुढ़ापे का सहारा होगा और बेटी हुई तो वह अपने घर चली जायेगी। बेटा अगर मुखाग्नि नहीं देगा तो कर्मकांड पूरा नहीं होगा।

पिछ्ले कुछ वर्षों में देश में जन्म के समय लिंगानुपात में बढ़ोतरी होना शुभ संकेत हैं। संसद में एक सवाल का जवाब में महिला एवं बाल विकास मंत्री ने बताया था कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना ने बालिकाओं के अधिकारों को स्वीकार करने के लिए जनता की मानसिकता को बदलने की दिशा में सामूहिक चेतना जगाई है। यह राष्ट्रीय स्तर पर जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) में 12 अंकों के सुधार के रूप में परिलक्षित होता है। जो कि 2014 में 918 था। जबकि 2023-24 में 12 अंक बढ़कर 930 हो गया।

हमारे देश में यह एक बड़ी विडंबना है कि हम बालिका का पूजन तो करते हैं। लेकिन जब हमारे खुद के घर बालिका जन्म लेती है तो हम दुखी हो जाते हैं। देश में सभी जगह ऐसा देखा जा सकता है। देश के कई प्रदेशों में तो बालिकाओं के जन्म को अभिशाप तक माना जाता है। लेकिन बालिकाओं को अभिशाप मानने वाले लोग यह क्यों भूल जाते हैं कि वह उस देश के नागरिक हैं जहां रानी लक्ष्मीबाई जैसी विरांगनाओं ने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे।

हमारे यहां आज भी बेटी पैदा होते ही उसकी परवरिश से ज्यादा उसकी शादी की चिन्ता होने लगती है। आज महंगी होती शादियों के कारण बेटी का बाप हर समय इस बात को लेकर चिंतित नजर आता है कि उसकी बेटी की शादी की व्यवस्था कैसे होगी। समाज में व्याप्त इसी सोच के चलते कन्या भ्रूण हत्या पर रोक नहीं लग पायी है। कोख में कन्याओ को मार देने के कारण समाज में आज लड़कियों की काफी कमी होने से लिंगानुपात गड़बड़ा गया है।

अगर समाज में बेटियों को उचित शिक्षा और सम्मान मिले तो बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नही रहेगी। इसलिए यदि यह कहा जाय की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना नही हम सबकी एक जिम्मेदारी है तो इसमें कुछ गलत नही है। यदि हम सभी एक अच्छे समाज का निर्माण करना चाहते है तो हम सबका यही फर्ज बनता है हम बेटियों को भी भयमुक्त वातावरण में पढ़ाये। उन्हें इतना सशक्त बनाये की खुद गर्व से कह सके की देखो वह हमारी बेटी है जो इतना बड़ा काम कर रही है।

आज लड़किया लड़कों से किसी भी क्षेत्र में कम नहीं हैं। कठिन से कठिन कार्य लड़कियां सफलतापूर्वक कर रही हैं। देश में हर क्षेत्र में महिला शक्ति को पूरी हिम्मत से काम करते देखा जा सकता है। लड़कियों ने अपने काम और समर्पण के दम पर कई क्षेत्रों और क्षेत्रों में खुद को साबित किया है। वे अधिक प्रतिभाशाली, आज्ञाकारी, मेहनती और परिवार और अपने जीवन के लिए जिम्मेदार हैं। लड़कियां अपने परिवार और माता-पिता के प्रति अधिक देखभाल करने वाली और प्यार करने वाली होती हैं और वे हर काम में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देती हैं। देश की अर्थव्यवस्था में भी महिलाओं का अहम योगदान है। वे श्रम शक्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और व्यवसायों की वृद्धि और विकास में योगदान देती हैं।

एक तरफ जहां बेटी को जन्मते ही मरने के लिये लावारिश छोड़ दिया जाता है। वहीं झुंझुनू जिले की मोहना सिंह जैसी बालिकायें भी है जो आज देश में फाईटर प्लेन उड़ा कर पूरे देश में जिले का मान बढ़ा रही हैं। समाज में सभी को मिलकर लडका-लडकी में भेद नहीं करने व समाज के लोगों को लिंग समानता के बारे में जागरूक करने की प्रतिज्ञा लेनी चाहिए। देश में बालिकाओं के साथ हर दिन बलात्कार, प्रताडना की घटनायें अखबारो की सुर्खिया बनती हैं। बालिकायें कही भी अपने को सुरक्षित नहीं समझती हैं। चाहे घर हो या स्कूल अथवा कार्य स्थल। हर जगह वहशी भेडिये उन पर नजरे गड़ायें रहते हैं। उन्हे जब भी मौका मिलता है नोंच डालते हैं। ऐसे माहौल में देश की बालिकायें कैसे आगे बढ़ पायेगीं।

समाज के पढ़े लिखे लोगों को आगे आकर कन्या भ्रूण हत्या जैसे घिनोने कार्य को रोकने का माहौल बनाना होगा। ऐसा करने वाले लोगों को समझा कर उनकी सोच में बदलाव लाना होगा। लोगों को इस बात का संकल्प लेना होगा कि ना तो गर्भ में कन्या की हत्या करेगें ना ही किसी को करने देगें। तभी देश में कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लग पाना संभव हो पायेगा। सरकार व समाज को मिलकर ऐसे वातावरण का निर्माण करने का प्रयास करना चाहिये जिसमें बालिकायें खुद को महफूज समझ सकें। समाज और राष्ट्र के विकास के लिए बालिकाओं के महत्व को स्वीकार करना और बढ़ावा देना आवश्यक है।

हम सभी जानते हैं कि एक लड़की समाज के लिए कितनी महत्वपूर्ण है। वह एक मा, एक बेटी, एक पत्नी इस तरह कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाती है। उसे घर की शांति बनाए रखने वाली स्तंभ माना जाता है और फिर भी उसका अपमान किया जाता है। स्त्रियां ही संतति की परम्परा में मुख्य भूमिका निभाती है फिर भी प्राचीन समाज से लेकर आधुनिक कहे जाने वाले समाज तक स्त्रियां उपेक्षित ही रही है।

हमारे समाज का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम आज अपनी बच्चियों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं और उन्हें कितना महत्व देते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, कानूनी सुरक्षा और सामाजिक सशक्तिकरण के माध्यम से बालिकाओं को सशक्त बनाना न केवल एक नैतिक दायित्व है बल्कि सामाजिक विकास के लिए एक जरूरी आवश्यकता भी है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि लड़कियों को आगे बढ़ने, सीखने के समान अवसर मिले। तभी हम एक संतुलित, न्यायसंगत और समृद्ध समाज बना सकेगें। (लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

बसपा ने फिर दिखाई ताकत, मायावती के सियासी दांव से सपा को 'तनाव'

(मृत्युंजय दीक्षित)

बसपा रैली में बहिन मायावती के भतीजे आकाश आनंद की लॉन्चिंग के साथ-साथ मायावती के सबसे करीबी माने जाने वाले नेता सतीशचंद्र मिश्रा के बेटे कपिल मिश्रा की भी लॉन्चिंग हो गई है। मायावती ने उनके कामकाज की प्रशंसा भी की।

उत्तर प्रदेश में आगामी पंचायत चुनाव से लेकर वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों तक की चहल-पहल दिखने लगी है। इसी क्रम में बसपा सुप्रीमो बहिन मायावती ने मान्यवर कांशीराम की पुण्यतिथि के अवसर पर शक्ति प्रदर्शन करते हुए कई राजनैतिक संदेश दिए। बहिन मायावती ने अपनी जनसभा में एक ओर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना करके राजनैतिक विश्लेषकों को हैरान किया तो दूसरी ओर अगले विधानसभा चुनावों में बिना किसी गठबंधन के उतरने की घोषणा भी कर दी है। बसपा के शक्ति प्रदर्शन को देखकर अनुमान लगाया जा रहा है कि आगामी विधानसभा चुनावों में बसपा की बढती ताकत से समाजवादी पार्टी को नुकसान होने जा रहा है। बहिन मायावती ने न केवल यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा की अपितु यह भी कहा कि यदि आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी जुमला न साबित हुआ तो वह पूरी तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़ी होंगी।

बहिन मायावती अपनी 2007 की रणनीति को अपनाते हुए पुनः सामाजिक न्याय को आधार बनाकर ही चुनावी मैदान में उतरेंगी ऐसा संकेत उनकी रैली से मिलता है। उन्होंने अपनी रैली मे भीड़ जुटा कर यह संदेश दे दिया है कि उनका कोर वोटबैंक जाटव व दलित अभी भी उनके साथ है, भले ही इस समय उनके पास विधानसभा में केवल एक विधायक और मात्र 9 प्रतिशत वोट है। बहिन मायावती अपनी रैली में भाजपा के प्रति नरम व सपा तथा कांग्रेस के प्रति गरम दिखाई पड़ीं। उन्होंने अपनी रैली में कांग्रेस व सपा पर जमकर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस संविधान पर नाटकबाजी कर रही है। कांग्रेस ने देश पर आपातकाल लगाकर बाबा साहब के बनाए संविधान का अपमान किया था। कांग्रेस ने बाबा साहब का कभी भी सम्मान नहीं किया।उन्होंने केंद्र सरकार में रहने पर उन्हें आयकर और सीबीआई की जांच में फंसाने की कोशिश की ताकि डा. आंबेडकर और कांशीराम के कारवां को रोका जा सके। अब उसी कांग्रेस के लोग संविधान की प्रति हाथ में लेकर नाटकबाजी कर रहे हैं। सपा पर तीखा हमला बोलते हुए बहिन मायावती ने कहा कि सपा की सराकर में दलितों व पिछड़ों का सर्वाधिक उत्पीड़न हुआ। उन्होंने सपा सरकार की अराजकता पर हमला किया।

लंबे समय से बहिन जी का नाम तथा आवाज़ केंद्रीय राजनीति से दूर रहने के कारण दलित राजनीति में चंद्रशेखर रावण जैसे लोगों का उभार हुआ है जो बसपा के परम्परागत वोटबैक पर दावा ठोंक रहे हैं। बसपा सुप्रीमो ने भले ही जोर देकर कहा है कि आगामी चुनावों में प्रदेश में बसपा की सरकार बनाने के लिए पूरी ताकत लगा दी जाएगी किंतु यह फिलहाल संभव नहीं प्रतीत हो रहा हें क्योकि बसपा का जो राजनैतिक समीकरण हे उस आधार पर उन्हें सत्ता प्राप्त करने के लिए कम कम के कम 30 प्रतिशत मतों की आवश्यकता होगी और वह अभी मात्र 9 प्रतिशत ही है। प्रदेश की वर्तमान परिस्थितियों में बसपा कार्यकर्ताओं की धरातल पर कड़ी मेहनत के बाद यह मत प्रतिशत 15-20 पहुँच सकता है। बहिन जी ने खुले मंच से जिस प्रकार से योगी जी की प्रशंसा की वह बसपा के लिए नुकसानदायक भी हो सकता है क्योंकि संभव है इससे प्रदेश का मुस्लिम मतदाता सपा गठबंधन के साथ जाना पसंद करे।

भले ही बसपा नेत्री मायावती का 2027 में अपने बलबूते पर सरकार में आने का दावा अतिशयोक्ति हो किन्तु इससे 2027 में सपा-बसपा गठबंधन की चर्चाओं को विराम लग गया है। साथ ही बहिन जी के दावे से सपा गठबंधन के लिए गहरा तनाव और भाजपा के लिए राहत की सूचना आ गई है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

शांति दूत बनकर घूम रहे ट्रंप ने खुद ही छेड़ दिया युद्ध, यूएस चाइना ट्रेड वार से दुनिया सकते में

(नीरज कुमार दुबे)

दूसरे युद्धों को खत्म कराने का दावा कर रहे डोनाल्ड ट्रंप ने अब एक नया आर्थिक युद्ध छेड़ दिया है और यह युद्ध बंदूकों का नहीं, बल्कि टैरिफ और दुर्लभ खनिजों का है। अमेरिका और चीन के बीच यह नया टैरिफ संघर्ष वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए वैसा ही झटका है, जैसा 2018-19 के व्यापार युद्ध के समय देखा गया था। ट्रंप ने घोषणा की है कि 1 नवंबर से चीन से आने वाले सभी सामानों पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाया जाएगा और 'महत्त्वपूर्ण सॉफ्टवेयर' के निर्यात पर नई पाबंदियाँ लगेंगी।

यह फैसला चीन के उस कदम के जवाब में आया है, जिसमें उसने दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर नए नियंत्रण लगाए हैं। हम आपको बता दें कि यह खनिज इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा और इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण में अनिवार्य हैं। बीजिंग दुनिया में इन खनिजों के 90त्न से अधिक परिशोधन पर नियंत्रण रखता है। ट्रंप ने चीन के इस कदम को होस्टली आर्डर यानी शत्रुतापूर्ण आदेश बताया और कहा कि बीजिंग 'पूरी दुनिया को बंधक बनाने' की कोशिश कर रहा है।

इस नई आर्थिक जंग की घोषणा के साथ ही वैश्विक बाजारों में हड़कंप मच गया। अमेरिका का एस एण्ड पी 500 इंडेक्स 2.7 प्रतिशत गिर गया, नैस्डैक में भी तेज़ गिरावट आई, जबकि निवेशक सोने की शरण में भागे। डॉलर कमजोर पड़ा और वैश्विक निवेशकों में यह आशंका फैल गई कि वॉशिंगटन और बीजिंग के बीच 'टैरिफ युद्ध' फिर से भड़क उठा है।

देखा जाये तो ट्रंप का यह फैसला केवल एक आर्थिक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि रणनीतिक चुनौती है। चीन ने जब दुर्लभ खनिजों पर नियंत्रण बढ़ाया, तो उसने न केवल अमेरिका, बल्कि पूरी दुनिया की औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित किया। इन खनिजों के बिना स्मार्टफोन, मिसाइल, सेमीकंडक्टर और बैटरी बनाना असंभव है। इसलिए चीन का यह कदम भू-अर्थशास्त्र की उस रणनीति का हिस्सा है जिसमें वह अपनी प्राकृतिक संपदाओं को राजनैतिक दबाव के औजार के रूप में इस्तेमाल करता है।

ट्रंप की प्रतिक्रिया उतनी ही आक्रामक है जितनी अप्रत्याशित। यह कदम न केवल बीजिंग के लिए बल्कि अमेरिका के उद्योगों के लिए भी दोहरी चुनौती बनेगा– क्योंकि दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाएँ वर्षों से एक-दूसरे में गहराई से जुड़ी हुई हैं। लेकिन ट्रंप की प्राथमिकता फिलहाल राजनीतिक लाभ और 'मेड इन अमेरिका' की घरेलू भावना को पुनर्जीवित करना है।

उधर, चीन के लिए यह विकास चिंताजनक है। चीन की अर्थव्यवस्था पहले से धीमी वृद्धि, रियल एस्टेट संकट और घटती विदेशी मांग से जूझ रही है। ऐसे में अमेरिकी बाजार पर 100 प्रतिशत टैरिफ उसके निर्यात क्षेत्र को गंभीर चोट पहुंचाएगा। चीन अब अपने प्रभाव को अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और एशिया के अन्य हिस्सों में बढ़ाने की कोशिश करेगा ताकि अमेरिकी दबाव को संतुलित किया जा सके। लेकिन ट्रंप के कदम का एक बड़ा असर यह होगा कि पश्चिमी कंपनियाँ चीन पर निर्भरता कम करने की दिशा में और तेज़ी से आगे बढ़ेंगी। एप्पल,टेस्ला और अन्य अमेरिकी कंपनियाँ पहले ही 'चाइना-प्लस-वन' रणनीति पर काम कर रही हैं। अब यह प्रवृत्ति और तेज होगी।

दूसरी ओर, भारत के लिए यह परिदृश्य संकट में अवसर की तरह है। यदि दुनिया चीन पर निर्भरता घटाना चाहती है, तो भारत एक स्वाभाविक विकल्प बन सकता है। अमेरिका और यूरोप दोनों ही ऐसे साझेदार की तलाश में हैं जो भरोसेमंद हो, राजनीतिक रूप से स्थिर हो, और तकनीकी दृष्टि से सक्षम हो। भारत के पास इस अवसर का लाभ उठाने के लिए तीन प्रमुख रास्ते हैं। पहला- भारत में भी कई दुर्लभ खनिजों के भंडार हैं, परंतु उनका परिशोधन ढांचा कमजोर है। यदि सरकार इस क्षेत्र में 'राष्ट्रीय रेयर अर्थ मिशन' जैसे कार्यक्रम को गति दे, तो भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक प्रमुख खिलाड़ी बन सकता है। दूसरा- ट्रंप की नीति से अमेरिकी कंपनियाँ चीन से हटकर भारत, वियतनाम और इंडोनेशिया की ओर रुख करेंगी। भारत यदि भूमि सुधार, बिजली लागत और लॉजिस्टिक दक्षता में सुधार लाता है, तो यह निवेश आकर्षित कर सकता है। तीसरा- अमेरिका और जापान के साथ सेमीकंडक्टर और एआई अनुसंधान में सहयोग भारत को नई औद्योगिक शक्ति में बदल सकता है।

परंतु यह कहानी केवल अवसरों की नहीं है। ट्रंप के टैरिफ युद्ध से वैश्विक मंदी की संभावना बढ़ सकती है। अमेरिका और चीन दोनों भारत के प्रमुख व्यापारिक साझेदार हैं; किसी भी झटके से भारतीय निर्यात, आईटी सेवा और ऑटो उद्योग प्रभावित होंगे। इसके अलावा, यदि चीन दुर्लभ खनिजों के निर्यात को भारत तक सीमित करता है, तो भारत की बैटरी, मोबाइल और रक्षा विनिर्माण योजनाएँ बाधित हो सकती हैं। इसलिए भारत को केवल अवसर नहीं, बल्कि जोखिम प्रबंधन रणनीति भी तैयार करनी होगी।

देखा जाये तो अमेरिका-चीन टकराव वैश्विक शक्ति-संतुलन को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है। यह अब केवल व्यापार की लड़ाई नहीं, बल्कि प्रौद्योगिकी, संसाधन और प्रभाव क्षेत्र की प्रतिस्पर्धा बन चुका है। आने वाले वर्षों में यह संघर्ष तय करेगा कि दुनिया का औद्योगिक केंद्र एशिया में कहाँ स्थिर होगा– चीन में या उसके बाहर। भारत के पास यह अवसर है कि वह इस नए वैश्विक भूगोल में 'सप्लाई चेन रेजिलियंस' का नेतृत्व करे। इसके लिए उसे खनिज नीति, औद्योगिक निवेश और तकनीकी अनुसंधान में साहसिक कदम उठाने होंगे।

कुल मिलाकर देखें तो ट्रंप का यह 'टैरिफ बम' वैश्विक व्यापार में अस्थिरता का विस्फोट है। लेकिन इसके भीतर भारत के लिए एक रणनीतिक अवसर छिपा है। यदि भारत इस चुनौती को दूरदृष्टि और नीति-संवेदनशीलता के साथ संभाले, तो वह न केवल इस तूफान से सुरक्षित निकल सकता है बल्कि इस नए वैश्विक आर्थिक युग में आत्मनिर्भर और निर्णायक शक्ति के रूप में उभर सकता है।

बहरहाल, ट्रंप ने भले ही दूसरे युद्धों को खत्म करने का दावा किया हो, परंतु उनका यह नया आर्थिक युद्ध आने वाले दशक का सबसे बड़ा वैश्विक शक्ति परीक्षण साबित हो सकता है– जिसमें भारत का प्रदर्शन यह तय करेगा कि वह केवल दर्शक रहेगा या इस नये आर्थिक युद्ध का विजेता।

New page 9_page 12 29.05.2025.qxd 12-10-2025 21:32 Page 1

कफ सिरप के अवैध कारोबार से बच्चों पर मंडराता खतरा

बिना पर्ची के खुलेआम बिक रहा सिरप, ड्रग विभाग मौन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पलामू। मध्य प्रदेश और राजस्थान में कफ सिरप पीने के बाद दर्जनों छोटे बच्चों की मौत के बाद सरकार ने उन कफ सिरप पर प्रतिबंध लगा दिया है।

साथ ही सरकार ने निर्देश जारी कर दिया है कि बिना डॉक्टरों के पुर्जा के प्रतिबंधित कफ सिरप नहीं दें। उन बच्चों की मौत वैसे कफ सिरप से हुई है, जिनमें डेक्सट्रोमेथॉर्फन हाइड्रोब्रोमाइड मिक्स मालिक्यूल भी शामिल थी।

इन कफ सिरप को छोटे बच्चों (2 से 5 सात तक के बच्चों) को देने पर प्रतिबंध है। पलामू जिले के शहरी क्षेत्र में ऐसे कफ सिरप भी निजी दवा दुकानों में धड़ल्ले से बिक रही है।

दुकानदार बिना डाक्टरों के पर्ची के ही ग्राहकों को दवा बेंच रहे हैं। शनिवार को शहर के रेड़मा, स्टेशन रोड, एमएमसीएच के बाहर लगभग आधा दर्जन दवा दुकानों की पड़ताल की गई।

इस दौरान पाया गया कि कफ सिरप लेने के लिए बस दुकानदार के पास अच्छी जान पहचान होना जरूरी है। इसके बाद कफ सिरप मिलने में देरी नहीं लगेगा। डेक्सट्रोमेथॉर्फन हाइड्रोब्रोमाइड मिक्स मालिक्यूल कफ सिरप मांगने पर दवा दुकान आराम से देते मिले।

इतना ही नहीं जिस डब्बे पर साफ शब्दों में लिखा है कि इसे चार साल से कम उम्र के बच्चों को किसी ही हाल में न दे। ऐसे कफ सिरप भी दो से तीन साल के बच्चों के लिए दिए जा रहे थे। पूछने पर दवा दुकानदारों ने पीने के खुराख भी बता रहे थे।

केंद्र सरकार से एडवाइजरी मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने सभी जिलों के लिए निर्देश जारी कर दिए हैं। ड्रग कंट्रोल विभाग को निर्देश दिया गया है कि सभी दवा दुकानों में बिक्री हो रही कफ सिरप की सैंपलिंग हो और इसे जांच के लिए तत्काल ही भेजा जाए।

केंद्र सरकार के एडवाइजरी में स्पष्ट कहा गया है कि दो साल से कम उम्र के बच्चों को ये कफ सिरफ किसी कीमत पर नहीं दें। साथ ही पांच साल के कम उम्र के बच्चों में इसके उपयोग से बचे। बिना डाक्टर के सालह के दवा बिलकुल भी न दें।

अभियान चलाने का निर्णय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर गिरिडीह जिले में बाल अधिकारों की सुरक्षा व बाल विवाह के खात्मे के लिए काम कर रहे नागरिक समाज संगठन बनवासी विकास आश्रम ने जिलाधिकारी को सौंपे गए ज्ञापन में जिले में दिवाली से 26 जनवरी तक बाल विवाह के खिलाफ एक सघन और व्यापक अभियान चलाने में सहयोग मांगा। ज्ञापन में कहा गया कि कि केंद्र सरकार के बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के लगभग एक साल पूरे होने जा रहे हैं और जिला प्रशासन के नेतृत्व में गिरिडीह में इसे मिली सफलताओं को और गति देने के लिए इस विशेष अभियान की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

बनवासी विकास आश्रम ने कहा कि जिले में अब भी बाल विवाह की समस्या मौजूद है और इसी के मद्देनजर दीपावली से लेकर 26 जनवरी तक जिले में बाल विवाह के खिलाफ एक व्यापक और सघन अभियान में जिला प्रशासन का सहयोग मांगा गया है।

मवेशी लदा ट्रक जब्त, चालक हुआ गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। बरही थाना पुलिस गुप्त सूचना के आधार पर बिलौतिया मोड़, जीटी रोड पर वाहन जांच के दौरान मवेशी लदा एक डीसीएम मिनी ट्रक (संख्या जेएच 10 सीएक्स 6599) को जब्त किया। मौके पर पुलिस ने वाहन चालक को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस निरीक्षण में पाया गया कि ट्रक में कुल 14 गौवंशीय मवेशी लदे हुए थे, जिनमें दो बछड़े भी शामिल थे। इन्हें सुरक्षित रखरखाव के लिए हजारीबाग के एक स्थानीय गौशाला में भेजा गया। बरही थाना प्रभारी, इंस्पेक्टर बिनोद कुमार ने बताया कि वाहन पर मवेशियों को उनकी क्षमता से अधिक और क्रूरता पूर्वक लादा गया था।

पुलिस ने चालक से पशु खरीद-बिक्री और पशुपालन पदाधिकारी का प्रमाणपत्र मांगा, लेकिन वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद वाहन और मवेशियों को जब्त कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई।

बरही थाना पुलिस इस मामले की गहन छानबीन कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि ऐसे मामले पशु अधिकार और सुरक्षा के दृष्टिकोण से गंभीर माने जाते हैं।

उन्होंने जनता से अपील की कि यदि किसी को भी मवेशियों के क्रूर परिवहन या अवैध बिक्री की जानकारी मिले तो वह तुरंत पुलिस को सूचित करें। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार चालक के खिलाफ पशु संरक्षण और पशु क्रय-बिक्री नियमों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अधिकारी यह भी जांच कर रहे हैं कि मवेशियों की खरीद कहां से हुई और उनका गंतव्य क्या था। बरही पुलिस की इस कार्रवाई से जिले में पशु परिवहन के नियमों के पालन पर विशेष ध्यान देने का संदेश गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और पशुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

रांची पहुंचे कांग्रेस के पवन खेरा

'संविधान में आदिवासी अधिकार बनाम जमीनी हकीकत' विषय पर चर्चा में लेंगे हिस्सा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। रांची में सेंट जेवियर्स कॉलेज में आयोजित 'संविधान में आदिवासी अधिकार बनाम जमीनी हकीकत' विषय पर चर्चा में हिस्सा लेने पहुंचे कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने बिरसा मुंडा हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि बिहार में महागठबंधन के दलों के बीच सीट बंटवारे को लेकर कोई अड़चन नहीं है और सभी सहयोगी दल मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ेंगे।

खेड़ा ने कहा कि हर पार्टी को अपनी बात रखने का अधिकार है। भाजपा यह उम्मीद कर रही थी कि महागठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर मतभेद होंगे, लेकिन ऐसा कुछ नहीं है। बिहार में महागठबंधन पूरी एकजुटता के साथ चुनाव लड़ेगा। उनका यह बयान झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के उस बयान के एक दिन बाद आया है, जिसमें पार्टी ने कहा था कि अगर 14 अक्टूबर तक बिहार चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर फैसला नहीं होता है, तो वह अपना स्वतंत्र निर्णय लेगी।

झामुमो के केंद्रीय महासचिव और प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने शनिवार को कहा था कि पार्टी बिहार विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की सहयोगी के रूप में कम से कम 12 सीटों पर दावेदारी करना चाहती है। बिहार चुनाव से पहले कांग्रेस द्वारा शुरू किए गए अभियान ह्यवोट चोर, गद्दी छोड़ह्ल को लेकर खेड़ा ने कहा कि यह लोकतंत्र को बचाने का अभियान है। अगर आपके वोट पर आपका अधिकार नहीं रहेगा, तो लोकतंत्र भी नहीं रहेगा।

गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव दो चरणों में 6 और 11 नवंबर को होंगे, जबकि मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी।

लोगों को चढ़ा राजनीतिक रंग

भागलपुर। बिहार में चुनावी बिगुल बजते ही इंटरनेट मीडिया पर राजनीतिक माहौल जितना गर्म है, उतना ही मनोरंजक भी हो गया है। इंटरनेट मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर ऐसी-ऐसी रीलें वायरल हो रही हैं, जिन्हें देखकर लोग हंस-हंसकर लोटपोट हो रहे हैं और साथ ही सूबे की सामाजिक हकीकत पर भी सोचने को मजबूर हो रहे हैं।

जाम से लोग हलकान, रोष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सीतामढ़ी। इस बार सीतामढ़ी विधान सभा क्षेत्र में अर्द्धनिर्मित रेलवे ओवर ब्रीज (आरओबी) बड़ा मुद्दा बनेगा। शहर में लाइलाज बनी जाम की समस्या से निजात दिलाने को लेकर मेहसौल पूर्वी रेलवे गुमटी पर आरओबी का निर्माण तो किया जा रहा है लेकिन, धीमी कार्य गति को लेकर सवाल दर सवाल उठाए जा रहे है।

अभी हाल ही में डीएम रिची पांडेय ने गत 17 जुलाई को निरीक्षण के दौरान अभियंताओं व कार्यकारी एजेंसी को आरओबी का निर्माण कार्य पूर्ण कराने के लिए 25 सितंबर तक का डेडलाइन दिया था।

लेकिन, कार्य की गति देख अंदाजा लगाया जा रहा है कि नवंबर माह तक भी पूर्ण नहीं हो सकेगा, जबकि इस आरओबी का शिलान्यास 2014 में किया गया था।

उसके बाद इसका निर्माण लटकता रहा।काफी समय बाद 2023 में इसका निर्माण शुरू हुआ। वर्तमान स्थिति यह है कि बाजार समिति प्वाइंट व रेलवे स्टेशन प्वाइंट पर आरई वाल का निर्माण जारी है। दोनों प्वाइंट पर पीलर के उपर डेक स्लैब (छत) का कार्य किया जा रहा है।

बैठक कर तय की गयी प्रस्तावित प्रतिकार आक्रोश रैली रुपरेखा

रैली में 300 बोलेंटियारों को किया जयेगा प्रतिनियुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। रविवार को करम अखाड़ा खूंटी में आदिवासी समन्वय समिति एवं समस्त सामाजिक संगठनों का एक संयुक्त बैठक अध्यक्ष चन्द्र प्रभात मुण्डा की अध्यक्षता में एक विशेष बैठक की गयी। बैठक में आगामी 14 अक्टूबर को प्रस्तावित प्रतिकार आक्रोश रैली के कार्यक्रम की रूप रेखा लोगों के आवागमन एवं रैली के दरमियान प्रशासन को सहयोग करने तथा विधि व्यवस्था को बनाए रखने के लिए एक रणनीति तय किया गया।

आज की बैठक में कार्यक्रम में शामिल होने के लिए लोगों के आने का एक अनुमानित संख्या एवं उनका विधि व्यवस्था के बारे में समीक्षा किया गया। लोगों के जोश जूनून और संवैधानिक हक अधिकार जल जंगल जमीन को बचाने तथा कुड़मी समुदाय के आदिवासी बनने पर मूल आदिवासी समुदाय को होने वाली सम्भावित नुकसान के मद्देनजर 14 अक्टूबर को खूंटी के कचहरी मैदान में ऐतिहासिक महा जुटान की संभावना है। इस महा जुटान की संभावना को देखते हुए आज आयोजन समिति के द्वारा 300 लड़के-लड़कियों को बोलेंटियर के लिए प्रतिनियुक्त करने का निर्णय लिया गया।

गाड़ी से आने वाले सहभागियों के लिए अलग-अलग रूट के हिसाब से गाड़ी पार्किंग का जगह सुनिश्चित किया गया।

कर्रा तोरपा रनिया रांची खूंटी रोड़ से आने वाले गाड़ियों का पार्किंग लोयला होस्टल मैदान और करम अखाड़ा में होगा जबकि खूंटी तमाड़ रोड़ से आने वाले गाड़ियों की पार्किंग तमाड़ बस स्टैंड और तिरला कुदाड़ीह मैदान और खूंटी चाइबासा रोड़ से आने वाले गाड़ियों की पार्किंग ग्रेट हार्ट स्कूल मैदान और हेली पैड मैदान पार्किंग के लिए स्थान चयन किया गया।

आज की बैठक में चन्द्र प्रभात मुण्डा सुरजू हस्सा मंगल सिंह मुण्डा पड़ाह राजा सोमा मुंडा हेमंत तोपनो जॉनसन होरो विजय संगा रीड़ा लोहरा सोमा मुंडा बिरतुस ओड़ेया मरसल बरला कुंवारी होरो मोदेस्ता तोपनो भीमसेन कैथा मिलू भेंगरा अमन तोपनो चार्स पाहन मथुरा कंडीर बासिंह मुंडा अम्रिता मुंडा सागी टुटी सुनिता गुड़िया जयंती होरो चोंगे भेंगरा डेविड हमसोय जैक जॉन हमसोय वैगराह सैकड़ों लोग शामिल थे।

अवैध उत्खनन से किऊल नदी बदहाली के कगार पर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लखीसराय। लखीसराय शहर की जीवनरेखा कही जाने वाली किऊल नदी बदहाली की प्रतीक बन चुकी है। कभी लाल बालू से भरपूर और सुंदर प्रवाह वाली यह नदी अब अवैध उत्खनन के कारण मृतप्राय हो चुकी है। बालू माफियाओं ने इसके किनारे पर हर जगह जानलेवा गड्ढ़ा खोद कर छोड़ दिया है। इसके कारण पिछले एक वर्ष में ही इसमें डूबकर दर्जन भर से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

सरकारी प्रविधान के अनुसार नगरीय क्षेत्र में किऊल नदी से बालू का उत्खनन पूरी तरह प्रतिबंधित है। इसी वजह से नगर परिषद क्षेत्र में इस नदी घाट की बंदोबस्ती नहीं होती। बावजूद इसके, बीते पांच वर्षों में नदी के प्रतिबंधित हिस्से में बड़े पैमाने पर अवैध खनन बदस्तूर चलता रहा।

यह स्थिति तब भी बनी रही जब क्षेत्रीय विधायक राज्य के उपमुख्यमंत्री और खनन मंत्री भी रहे। नगर परिषद के उपसभापति सहित कई वार्ड पार्षदों ने नदी को बचाने और अवैध खनन रोकने का लगातार प्रयास किया, लेकिन कार्रवाई के नाम पर कुछ नहीं हुआ। स्थानीय राजेंद्र प्रसाद साहू, वार्ड पार्षद उमेश चौधरी और गणेश चौधरी, सामाजिक कार्यकर्ता संजय प्रजापति आदि ने बताया कि किऊल नदी लखीसराय शहर की जीवनरेखा है, लेकिन इसके संरक्षण की दिशा में कभी भी ठोस कदम नहीं उठाया गया। कभी यह नदी लाल बालू से लबालब रहती थी, लेकिन आज गड्ढों में तब्दील होकर जानलेवा बन गई है। हर वर्ष महापर्व छठ के समय श्रद्धालुओं और व्रतियों को किऊल नदी में अर्घ्यदान के दौरान भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। नदी के कई घाट अब असुरक्षित हो गए हैं। भले ही स्थानीय जनप्रतिनिधि अवैध खनन पर रोक लगाने के दावे करते रहे हों, लेकिन नतीजा शून्य रहा। अब जब चुनावी माहौल बन चुका है, तो किऊल नदी का मुद्दा नेताओं के एजेंडे से पूरी तरह गायब हो गया है।

आदिवासी अस्तित्व बचाओ मोर्चा का हुआ महाजुटान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। रविवार को आदिवासी अस्तित्व बचाओ मोर्चा के बैनर तले हजारों की संख्या में आदिवासी महिला-पुरुषों ने एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन किया। यह विशाल जुटान मोराबादी स्थित पद्मश्री डॉ. राम दयाल मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में आयोजित हुआ। इस दौरान राज्य के विभिन्न जिलों से आए आदिवासी समुदाय के लोगों ने कुड़मी समाज को आदिवासी सूची में शामिल किए जाने के प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया। सभा स्थल पारंपरिक नारों, वाद्य यंत्रों और झंडों से गूंज उठा रैली को संबोधित करते हुए आदिवासी नेता सुषमा बड़ाइक ने कहा कि आदिवासी समुदाय सदियों से अपने अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करता आया है। उन्होंने कहा कि आज कुड़मी समाज हमारे अधिकारों पर कब्जा जमाने की कोशिश कर रहा है। हम इसे किसी भी कीमत पर नहीं होने देंगे। अगर जरूरत पड़ी तो गोली भी खाएंगे, लेकिन अपना हक किसी को नहीं देंगे।

मोर्चा के अगुवा अजय तिर्की और ग्लैडसन डुंगडुंग ने कहा कि यह महाजुटान केवल विरोध नहीं, बल्कि अस्तित्व और अस्मिता की रक्षा के लिए एकजुटता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हमारा संघर्ष अपने हक और अधिकार को बचाने का है। कुरमी महतो कभी भी आदिवासी नहीं था और न कभी होगा। ये लोग आदिवासी बनकर केवल अराजकता फैलाना चाहते हैं। सभा में बिस्वा तिर्की, राहुल उरांव, प्रकाश कच्छप, मन्नू तिग्गा और छोटू आदिवासी सहित कई वक्ताओं ने कहा कि कुरमी समाज और आदिवासी समुदाय की परंपराओं में मूलभूत अंतर है। उन्होंने बताया कि आदिवासी समाज में पूजा-पाठ पाहन के द्वारा की जाती है, जबकि कुड़मी महतो समुदाय में पुजारी पूजा कराते हैं। वक्ताओं ने कहा कि जहां आदिवासी समाज में दहेज प्रथा नहीं है, वहीं कुड़मी समाज में दहेज प्रथा व्यापक रूप से प्रचलित है।

कांग्रेस की कार्यकारिणी की बैठक में लिये गये कई निर्णय

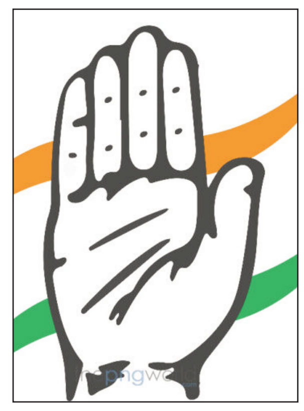

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गुमला। शनिवार को गुमला में जिला कांग्रेस कमेटी की महत्वपूर्ण कार्यकारिणी बैठक स्थानीय परिसदन में संपन्न हुई। बैठक का नेतृत्व नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष राजनील तिग्गा ने किया।

पूर्व मंत्री सह जिला प्रभारी बंधु तिर्की ने संगठन में अनुशासन को लेकर सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक अनुशासित पार्टी है और जो लोग संगठन को कमजोर करने वाले टीका-टिप्पणी कर रहे हैं, वे सुधर जाएं नहीं तो उन्हें सुधार दिया जाएगा।

जिलाध्यक्ष का मनोनयन के बाद जिले के एक कांग्रेसी कार्यकर्ता द्वारा पार्टी के क्रियाकलाप पर ही सवाल खड़ा करते हुए वीडियो जारी किया गया था। इस पर पूर्व मंत्री बंधु तिर्की तल्ख तेवर में थे। बैठक में उन्होंने तेवर में धमकी भरा हिदायत दिया।

बैठक में घोषणा की गई कि जिले में 15 सदस्यीय कांग्रेस एडवाइजरी कमेटी गठित की जाएगी, जिसमें सांसद, विधायक, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, जिप सदस्य और जिला अध्यक्ष शामिल होंगे। यह कमेटी जनता की समस्याओं का समाधान करेगी। बंधु तिर्की ने कार्यकताओं को हर पंचायत से 1,000 और पूरे लोकसभा क्षेत्र से 3.5 लाख हस्ताक्षर जुटाने का लक्ष्य दिया।

उन्होंने भाजपा और चुनाव आयोग पर भी तीखा प्रहार किया। 69 लाख नाम कटने की घटना को लोकतंत्र पर हमला बताया। सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि यह सिर्फ वोट की नहीं, बल्कि पहचान और संविधान से मिले अधिकारों की लड़ाई है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनता तक यह संदेश पहुंचाने को कहा कि भाजपा देश के नागरिकों को उनके अधिकारों से वंचित कर रही है और कांग्रेस इसे रोकने के लिए संघर्षरत है।

बैठक में कई वरिष्ठ कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे और जिला अध्यक्ष राजनील तिग्गा ने हस्ताक्षर अभियान को सफल बनाने में कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी पर जोर दिया।

बैठक में पूर्व अध्यक्ष दीपनारायण उरांव, मुरली मनोहर प्रसाद, आशिक अंसारी, अकील रहमान, मीडिया चेयरमैन सह प्रवक्ता आरिफ हुसैन अख्तर सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

नशीली दवाओं की ऑनलाइन बिक्री करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

दो आरोपित गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। लोहरसिंघना थाना पुलिस ने नशीली दवाओं की ऑनलाइन बिक्री करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर भारी सफलता हासिल की है। इस कार्रवाई की जानकारी एसडीपीओ सदर अमित आनंद ने दी।

एसडीपीओ के अनुसार, लोहरसिंघना थाना क्षेत्र के जेल रोड स्थित सम्प्रेक्षण गृह पानी टंकी के पास अवैध नशीला पदार्थ बेचने की गुप्त सूचना मिलने के बाद पुलिस ने छापामारी कर दो व्यक्तियों को रंगे हाथ पकड़ लिया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक हजारीबाग के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर हजारीबाग के नेतृत्व में की गई।

पुलिस ने गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान नियाजुद्धीन उर्फ नियाज अंसारी (उम्र 47 वर्ष, पिता मो. शरीफ) और मो. मुस्ताक (उम्र 39 वर्ष, पिता मो. सुलेगान, टेलर, मंडईकला) के रूप में की। जांच में उनके पास से कोडिन फासपेट और ट्राईपोडाइन सिरप की 14 बोतलें और पेंटा जोसाइन की 500 पिस इंजेक्शन बरामद की गई। इस संबंध में लोहसिंघना थाना में कांड सं. 151/25, ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक एक्ट 1940 और 22( ) एनडीपीएस एक्ट 1985 के तहत मामला दर्ज किया गया। एसडीपीओ ने बताया कि नियाजुद्धीन का आपराधिक इतिहास गंभीर है और उनके खिलाफ सदर व लोहसिंघना थानों में कई मामले दर्ज हैं। वहीं, मो. मुस्ताक के खिलाफ दो मामले दर्ज हैं।छापामारी दल में थाना प्रभारी निशांत केरकेट्टा, दारोगा पिन्टु कुमार, एएसआई अरहिन्द कुमार मिश्रा और लोहरसिंघना थाना सशस्त्र बल तथा अंगरक्षक शामिल थे।

एसडीपीओ ने आम जनता से अपील की है कि वे नशीले पदार्थों की बिक्री या किसी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत थाना या पुलिस कंट्रोल रूम को दें। उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई से अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का संदेश गया है और हजारीबाग जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के प्रयासों को भी बल मिला है।

पुलिस की इस सक्रियता से यह स्पष्ट होता है कि हजारीबाग में अपराधों पर नियंत्रण के लिए प्रशासन सतत प्रयासरत है और नशीली दवाओं के कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

खुलेंगे नये 10 कृषि यंत्र बैंक

लखीसराय। विज्ञानी खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने कृषि यंत्र खरीदने में अक्षम रहने वाले लघु एवं सीमांत किसानों के लिए कृषि विभाग ने मिशन आन एग्रीकल्चरल मेकेनाइजेशन योजना 2025-26 के तहत जिले में 10 कृषि यंत्र बैंक (कस्टम हायरिंग सेंटर एवं स्पेशल कस्टम हायरिंग सेंटर) खोलने का निर्णय लिया है।

इसको लेकर कृषि विभाग द्वारा कृषि यंत्र बैंक खोलने वाले को अनुदान दिया जाएगा। विभागीय स्तर से इसकी तैयारी भी शुरू कर दी है। इसके तहत चार कस्टम हायरिंग सेंटर एवं छह स्पेशल कस्टम हायरिंग सेंटर खुलेगा। जिले में पूर्व से कुल 25 कृषि यंत्र बैंक संचालित है। जिसमें से 19 कृषि यंत्र बैंक कृषि विभाग से एवं छह कृषि यंत्र बैंक जीविका के माध्यम से संचालित है। प्रत्येक कस्टम हायरिंग सेंटर खोलने पर 10 लाख रुपये खर्च होगा। जिसमें से चार लाख रुपये अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा। जबकि प्रत्येक स्पेशल कस्टम हायरिंग सेंटर खोलने पर 20 लाख रुपये खर्च होगा।

घर में घुसा ओवरलोड ट्रक चार लोगों को रौंदा, अस्पताल में भर्ती

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। सुबह करीब पांच बजे तेज रफ्तार बोल्डर लदा भारी ट्रक कहलगांव की ओर से आते हुए सबौर के सफिया गढ़ी के पास अचानक बेकाबू होकर नवनिर्मित एनएच से नीचे लुढ़क गया और सीधे दो घरों की दीवार तोड़ते हुए भीतर घुस गया। हादसे में घर के अंदर सोए तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

चालक मौके से फरार हो गया, जबकि उपचालक को ग्रामीणों ने पकड़कर सबौर थाना के हवाले कर दिया। आश्चर्य की बात यह कि इतने बड़े हादसे के बावजूद पुलिस ने कोई एफआईआर दर्ज नहीं की। सबौर थानेदार सूबेदार पासवान का कहना है कि पीड़ित पक्ष ने आवेदन नहीं दिया, दोनों पक्षों में समझौता हो गया।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि आए दिन ऐसी दुर्घटनाएं होती रहती हैं। एनएच पर ओवरलोड ट्रकों का संचालन पासिंग गिरोह की छत्रछाया में होता है। नियम के अनुसार खाली ट्रकों को गोराडीह होकर लौटना चाहिए, लेकिन जीरो माइल थाना से मिलीभगत कर उन्हें सीधे सबौर और घोघा थाना होकर धड़ल्ले से छोड़ा जाता है।

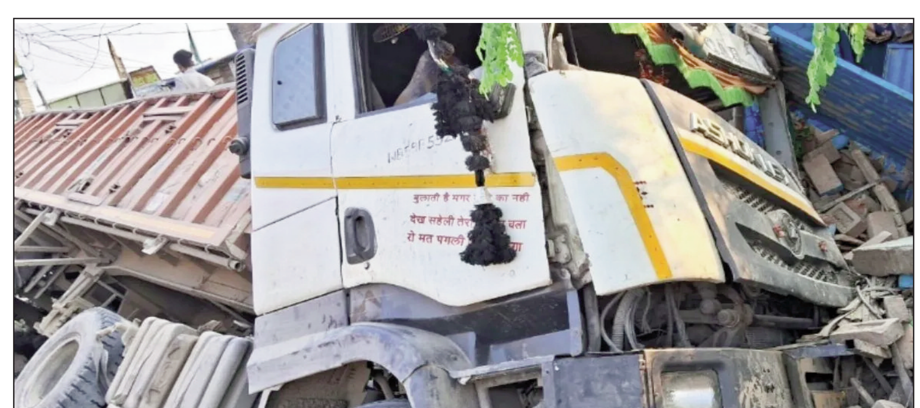

मोहल्ले की सड़क है जो बंसी टीकर से होते हुए सबौर कॉलेज सबौर थाना सबौर रेलवे स्टेशन होकर एनएच में मिलती है । इसी रास्ते से कई स्कूल-कॉलेज के बच्चे रोज गुजरते हैं, फिर भी बड़े वाहनों के प्रवेश पर कोई रोक नहीं है। पुलिस की मौन स्वीकृति से इनके हौसले बुलंद हैं।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बीते वर्षों में इसी पासिंग घोटाले पर कई पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई हुई। सस्पेंशन तक हुए, लेकिन प्रथा नहीं टूटी। हादसे सड़क निर्माण की खामियों से नहीं, कानून लागू करने वालों की मिलीभगत से हो रहे हैं। कुल मिलाकर, ट्रक से ज्यादा भारी पुलिस प्रशासन की चुप्पी है और यही सबसे बड़ा खतरा है।

CMYK

3 प्रतिशत बढ़ा डीए, एरियर का भी मिलेगा तोहफा

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते दिनों केंद्र सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में इजाफा किया था। अब छोटे-बड़े राज्य भी भत्ते पर फैसला लेने लगे हैं। इसी कड़ी में अरुणाचल प्रदेश सरकार ने राज्य के सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ता और महंगाई राहत में 3 प्रतिशत की वृद्धि की है। अब यह 55 प्रतिशत से बढ़कर 58 प्रतिशत हो गया है, जो 1 जुलाई 2025 से प्रभावी होगा। मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने इस बढ़ोतरी की जानकारी देते हुए बताया कि जुलाई से सितंबर 2025 तक का एरियर भी दिया जाएगा, जबकि अक्टूबर माह के वेतन और पेंशन में संशोधित डीए और डीआर को शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री खांडू ने सोशल मीडिया पर लिखा- यह निर्णय हमारी सरकार की कर्मचारी कल्याण के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हमारे कार्यबल और सेवानिवृत्त समुदाय का हर सदस्य सम्मानित और समर्थ महसूस करे। यह इस वर्ष कर्मचारियों के लिए दूसरी बार डीए और डीआर में बढ़ोतरी है। इससे पहले मई 2025 में राज्य सरकार ने डीए और डीआर को 53 प्रतिशत से बढ़ाकर 55 प्रतिशत किया था। अब इस नई वृद्धि के साथ अरुणाचल प्रदेश के कर्मचारियों का भत्ता केंद्र सरकार के कर्मचारियों के समान स्तर पर आ गया है। बता दें कि राज्य के 75,000 से अधिक नियमित सरकारी कर्मचारी, पेंशनभोगी और एआईएस अधिकारी इस निर्णय से लाभान्वित होंगे। केंद्रीय कर्मचारी आठवें वेतन आयोग के गठन का इंतजार कर रहे हैं। दरअसल, इसी साल जनवरी में सरकार ने आठवें वेतन आयोग के गठन का ऐलान किया था। हालांकि, इस संबंध में अगला कदम नहीं उठाया गया। ऐसे में अब तक ना तो वेतन आयोग की समिति का गठन हुआ है और ना ही यह तय हो सका है कि कब तक सिफारिशें लागू होंगी। बता दें कि अभी के सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों की अवधि 31 दिसंबर 2025 को खत्म हो जाएगी।

अगले दशक तक 10 फीसदी घट जाएगा सरकार पर कर्ज का बोझ

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के सरकारी कर्ज में अगले दशक में लगातार गिरावट आने की उम्मीद है।वित्त वर्ष 2034-35 तक सरकार पर कर्ज का बोझ10 फीसदी तक कम हो सकता है।केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्तमान में सरकारी कर्ज जीडीपी का 81 फीसदी है।यह 2030-31 तक कम होकर जीडीपी का 77 फीसदी और 2034-35 तक 71 फीसदी रह जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनियाभर की सरकारों पर बढ़ते कर्ज के बीच उम्मीद है कि भारत राजकोषीय समेकन के मार्ग के अनुसरण करेगा।

न सोना न शेयर... अमीर बनना है वहां लगाइए पैसा जहां दौलतमंद लगाते हैं, सीए ने खोला सीक्रेट

● अमीरों के दौलत बनाने के तरीका का राजफाश किया है

नई दिल्ली, एजेंसी।
चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) नितिन कौशिक ने अमीरों के दौलत बनाने के तरीका का राजफाश किया है। उनका कहना है कि भारत के सबसे अमीर लोग शेयर बाजार या क्रिप्टो की चमक-दमक के पीछे नहीं भागते हैं। इसकी बजाय वे पार्किंग लॉट, कोल्ड स्टोरेज, टोल रोड और वेयरहाउस जैसी बोरिंग लगने वाली संपत्तियों से चुपचाप अपनी दौलत बढ़ा रहे हैं। कौशिक के अनुसार, ये संपत्तियां हर दिन लगातार पैसा कमाती हैं। इन्हें बैंकों और सरकार का भी पूरा साथ मिलता है। जबकि आम लोग आईपीओ या शेयर बाजार में पैसा लगाकर जुआ खेलते हैं।

नितिन कौशिक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया है। इस पर लोगों के खूब रिएक्शन आ रहे हैं। इसमें कौशिक ने बताया कि कैसे भारत के सबसे अमीर लोग दिखावटी या सट्टेबाजी वाले कामों से नहीं, बल्कि ऐसी संपत्तियों से साम्राज्य बनाते हैं जिन पर हम अक्सर ध्यान भी नहीं देते। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बड़ी दौलत बनाने के लिए ग्लैमरस वेंचर या बाजार के उतार-चढ़ाव पर दांव लगाने की जरूरत नहीं है। इसके बजाय उन्होंने बोरिंग मनी यानी ऐसी संपत्तियों की ओर इशारा किया जो भरोसेमंद, नियमित आय देती हैं और जिन्हें बैंकों और सरकार का भी अच्छा

समर्थन प्राप्त है।

कौशिक ने आम मध्यम वर्ग की आदतों की तुलना भारत के सबसे अमीर परिवारों की संपत्ति रणनीति से की। उन्होंने कहा कि मध्यम वर्ग स्टॉक, क्रिप्टो और फ्यूचर ऑप्शन (एफएंडओ) के पीछे भागता है, जबकि अमीर लोग उन क्षेत्रों में निवेश करते हैं जिनकी मांग कभी कम नहीं होती। इनमें शामिल हैं- बड़े शहरों में पार्किंग की सुविधा, किसानों और एफएमसीजी (तेजी से बिकने वाले उपभोक्ता सामान) कंपनियों के लिए कोल्ड स्टोरेज और हाईवे पर बने वेयरहाउस। कौशिक के अनुसार, ये ऐसे व्यवसाय हैं जिनकी मांग स्थायी है।

इन बोरिंग लेकिन मजबूत संपत्तियों से होने वाली कमाई के आंकड़े भी काफी चौंकाने वाले हैं। कौशिक बताते हैं कि एक मध्यम आकार का मेट्रो शहर पार्किंग लॉट हर महीने 25 से 30 लाख रुपये कमा सकता है। वहीं, 10,000 वर्ग फीट का कोल्ड स्टोरेज यूनिट हर महीने 8 से 12 लाख रुपये का किराया दे सकता है। एक व्यस्त हाईवे पर स्थित टोल प्लाजा तो हर दिन 10 से 15 लाख रुपये तक की कमाई कर लेता है।

संपत्तियों को पैसा उधार देने में ज्यादा सहज महसूस करते हैं

कौशिक ने यह भी बताया कि बैंक ऐसी संपत्तियों को पैसा उधार देने में ज्यादा सहज महसूस करते हैं क्योंकि इनसे होने वाली आय का अनुमान लगाना आसान होता है। स्टार्टअप्स की तुलना में इन संपत्तियों को फाइनेंस कराना कहीं ज्यादा आसान है। स्टार्टअप में बहुत जांच-परख और अनिश्चित रिटर्न का सामना करना पड़ता है। कौशिक के अनुसार, भारत के अमीर लोग बोरिंग व्यवसायों को इसलिए भी पसंद करते हैं क्योंकि इनमें टैक्स का फायदा मिलता है। कोल्ड स्टोरेज और वेयरहाउस जैसी इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी संपत्तियों पर टैक्स में छूट, डेप्रिसिएशन के फायदे और जीएसटी क्रेडिट मिलते हैं। इससे टैक्सेबल इनकम काफी कम हो जाती है। कौशिक ने कहा, मध्यम वर्ग टैक्स भरता है। अमीर लोग कानूनी तौर पर करोड़ों बचाते हैं। यह कंपाउंडिंग का फायदा अमीरों को तेजी से आगे बढ़ने में मदद करता है। कौशिक ने यह भी जोड़ा कि कर्ज उनके लिए फायदेमंद होता है।

एफडी पर 1 साल में सबसे ज्यादा ब्याज दे रहे ये 10 बैंक

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप अपनी सेविंग्स को सेफ इनवेस्ट करने की प्लानिंग कर रहे हैं तो यह खबर आपके काम की है। दरअसल, अभी भी अपनी सेविंग्स को इनवेस्ट करने और बेहतर रिटर्न के लिए अभी भी फिक्स्ड डिपॉजिट सबसे शानदार ऑप्शनों में से एक है। मौजूदा समय में देश के बड़े प्राइवेट सेक्टर लैंडर से लेकर सरकारी बैंक तक एफडी करने पर अपने ग्राहकों को शानदार रिटर्न दे रहे हैं। बता दें कि कई ऐसे बैंक हैं जो 1 साल की एफडी पर अपने ग्राहकों को करीब 8 पर्सेंट तक ब्याज ऑफर कर रहे हैं। आइए जानते हैं 1 साल की एफडी पर सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले ऐसे ही 10 बैंकों के बारे में। डीसीबी बैंक अपने सामान्य ग्राहकों को 1 साल की एफडी पर 7.25 पर्सेंट जबकि सीनियर सिटीजन ग्राहकों को 7.75 पर्सेंट तक ब्याज दे रहा है। जबकि तमिलनाड मर्केंटाइल बैंक अपने सामान्य ग्राहकों को 1 साल की एफडी पर 7.25 पर्सेंट जबकि सीनियर सिटीजन ग्राहकों को 7.75 पर्सेंट का ब्याज ऑफर कर रहा है। इसके अलावा, केनरा बैंक अपने सामान्य ग्राहकों को 1 साल की एफडी पर 7 पर्सेंट और अपने सीनियर सिटीजन ग्राहकों को 7.50 पर्सेंट तक ब्याज दे रहा है। कर्नाटक बैंक अपने सामान्य ग्राहकों को 1 साल की एफडी पर 7 पर्सेंट और अपने सीनियर सिटीजन ग्राहकों को 7.40 पर्सेंट का ब्याज दे रहा है। वहीं, डॉयचे बैंक 1 साल की एफडी पर अपने सामान्य ग्राहकों को 7 पर्सेंट जबकि सीनियर सिटीजन ग्राहकों को भी इतना ही ब्याज दे रहा है। इसके अलावा, आरबीएल बैंक 1 साल की एफडी पर 7 पर्सेंट और सीनियर सिटीजन ग्राहकों को 7.50 पर्सेंट का ब्याज ऑफर कर रहा है। जबकि बैंक आफ इंडिया 1 साल की एफडी पर अपने सामान्य ग्राहकों को 7 पर्सेंट और सीनियर सिटीजन ग्राहकों को इसी टाइम पीरियड के लिए 7.50 पर्सेंट का ब्याज दे रहा है। दूसरी ओर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया अपने सामान्य ग्राहकों को 1 साल की एफडी पर 6.80 पर्सेंट जबकि सीनियर सिटीजन ग्राहकों को 7.30 पर्सेंट तक ब्याज दे रहा है।

28 हजार की नौकरी छोड़ी, अब 4 करोड़ का टर्नओवर

इंजीनियर ने कहां लगा दिया दिमाग

शुरुआत में मुश्किलों का किया सामना

नई दिल्ली, एजेंसी।
यह कहानी है सुरेंद्र नाथ की। उन्होंने जमा-जमाया इंजीनियरिंग करियर छोड़कर ओडिशा के गंजाम जिले में अपने पैतृक गांव में एक डेयरी साम्राज्य खड़ा करने का साहसी कदम उठाया। महाराष्ट्र में डेयरी सहकारिता की मजबूत व्यवस्था से प्रभावित होकर सुरेंद्र ने दूध उत्पादन के क्षेत्र में बड़ा अवसर देखा। उनका मानना था कि बढ़ती मांग और शुद्ध दूध की कमी को पूरा करके ग्रामीण क्षेत्रों में सफल उद्यमिता की जा सकती है। 2017 में 6 लाख रुपये की शुरुआती पूंजी से उन्होंने वैशाली डेयरी प्राइवेट लिमिटेड (वीडीपीएल) की नींव रखी। इस कारोबार ने उनकी तकदीर बदल दी। आज इससे वह 4 करोड़ से ज्यादा का सालाना टर्नओवर हासिल कर रहे हैं। आइए, यहां सुरेंद्र नाथ की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

सुरेंद्र नाथ ओडिशा में गंजाम जिले के गांव कुकुडाहांडी से ताल्लुक रखते हैं। भुवनेश्वर के सिलिकॉन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से बीटेक (इलेक्ट्रॉनिक्स) पूरा करने के बाद उन्हें 2013 में एक्साइड इंडस्ट्रीज के क्वालिटी डिवीजन में नौकरी मिली। पुणे में अपनी पोस्टिंग के दौरान सुरेंद्र को महाराष्ट्र की मजबूत डेयरी सहकारिता प्रणाली को करीब से देखने का मौका मिला। इसने उन्हें बहुत प्रभावित किया। उन्होंने डेयरी क्षेत्र को समझने के लिए किसानों और डेयरी मालिकों से मुलाकात की। उन्हें यह एहसास हुआ कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक भले है।

डिमांड और सप्लाई में बड़ा अंतर पाया। इसी आधार पर उन्होंने 2017 में अपने पिता ए विद्याधर (भारतीय डाक विभाग से रिटायर्ड) की मदद से 6 लाख रुपये की शुरुआती पूंजी से वैशाली डेयरी प्राइवेट लिमिटेड (वीडीपीएल) की शुरुआत की। शुरुआती दौर बेहद चुनौतीपूर्ण था। सिर्फ दो किसान उन्हें दूध बेचने को राजी हुए। इससे वह रोजाना 20 से 30 लीटर दूध जुटा लेते थे। वह बोतलों को हाथ से धोते, मशीन से भरते और 36 रुपये प्रति लीटर की दर से ग्राहकों के दरवाजे तक पहुंचाते थे। सुरेंद्र को डेढ़ साल तक काम करने के बाद भी मासिक केवल 5,000 रुपये का मुनाफा हुआ।

डीमार्ट चलाने वाली कंपनी का बढ़ा मुनाफा, राजस्व में भी इजाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। रिटेल चेन डीमार्ट का स्वामित्व रखने वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड ने शनिवार को बताया कि सितंबर 2025 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उसका नेट प्रॉफिट 4 प्रतिशत बढ़कर 684.85 करोड़ रुपये रहा। एवेन्यू सुपरमार्ट्स ने शेयर बाजार को बताया कि कंपनी ने एक साल पहले इसी अवधि में 659.44 करोड़ रुपये का प्रॉफिट दर्ज किया था। सितंबर तिमाही में कंपनी का परिचालन राजस्व 15.45 प्रतिशत बढ़कर 16,676.30 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 14,444.50 करोड़ रुपये था। एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नामित अंशुल असावा ने कहा कि दो साल और उससे पुराने डीमार्ट स्टोर में वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही की तुलना में वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के दौरान 6.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कंपनी ने कहा कि उसने कीमतें कम करके जीएसटी सुधारों का लाभ अपने ग्राहकों तक पहुंचाया है। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान डी-मार्ट ने आठ नए स्टोर खोले, जिससे 30 सितंबर, 2025 तक उसके स्टोरों की कुल संख्या 432 हो गई। एवेन्यू ई-कॉमर्स के पूर्णकालिक निदेशक और सीईओ विक्रम दासू ने ई-कॉमर्स (डीमार्ट रेडी) व्यवसाय के प्रदर्शन पर कहा- हमने अपने मौजूदा बाजारों में 10 नए फुलफिलमेंट सेंटर जोड़े हैं और बड़े महानगरों में निवेश और अपनी उपस्थिति को और गहरा करना जारी रखा है। हमने तिमाही के दौरान 5 शहरों (अमृतसर, बेलगावी, भिलाई, चंडीगढ़ और गाजियाबाद) में परिचालन बंद कर दिया है। अब हम भारत के 19 शहरों में मौजूद हैं। बीते शुक्रवार को एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड के शेयर की बात करें तो मामूली बढ़त के साथ 4319.70 रुपये पर बंद हुआ। अब सोमवार को इस शेयर पर निवेशकों की नजर रहेगी।

रिलायंस पावर के सीएफओ अशोक पाल का इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी।
रिलायंस पावर (आरपावर) ने शनिवार को कहा कि अशोक कुमार पाल ने कंपनी के कार्यकारी निदेशक और मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) का पद तत्काल प्रभाव से छोड़ दिया है। रिलायंस पावर ने शेयर बाजार को बताया कि इस मामले को देखते हुए और जांच में सहायता के लिए अशोक कुमार पाल ने तत्काल प्रभाव से कार्यकारी निदेशक और सीएफओ का पद छोड़ दिया है। बता दें कि अशोक पाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया था। उन्हें शनिवार को एक अदालत में पेश किया गया और दो दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया गया। सूत्रों के अनुसार एजेंसी रिमांड अवधि खत्म होने के बाद 13 अक्टूबर को उन्हें एक विशेष पीएमएलए अदालत में पेश करेगी।

यह मामला सूचीबद्ध कंपनी रिलायंस पावर की सहायक कंपनी रिलायंस एनयू बीईएसएस लिमिटेड की ओर से सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसईसीआई) को जमा की गई 68.2 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी से संबंधित है, जो फर्जी पाई गई। यह कंपनी पहले महाराष्ट्र एनर्जी जनरेशन लिमिटेड के नाम से जानी जाती थी। ईडी ने व्यावसायिक समूहों के लिए कथित रूप से फर्जी बैंक गारंटी प्रदान करने का गिरोह चलाने वाली आरोपी कंपनी की पहचान ओडिशा स्थित बिस्वाल ट्रेडलिंक के रूप में की है। निदेशालय ने जांच के तहत अगस्त में कंपनी और उसके प्रवर्तकों के खिलाफ छापेमारी की थी और इसके प्रबंध निदेशक पार्थ सारथी बिस्वाल को गिरफ्तार

किया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सूत्रों ने बताया कि पाल ने पैसे के ट्रांसफर में अहम भूमिका निभाई क्योंकि उन्हें और कुछ अन्य लोगों को कंपनी बोर्ड ने एसईसीआई की बीईएसएस निविदा के लिए सभी दस्तावेजों को अंतिम रूप देने, अनुमोदित करने, हस्ताक्षर करने और बोली के लिए रिलायंस पावर की वित्तीय क्षमता का उपयोग करने का अधिकार दिया गया था। सूत्रों ने कहा कि जांच में पाया गया कि कंपनी ने फिलीपीन के मनीला स्थित 'फर्स्टरैंड बैंक' से बैंक गारंटी जमा की थी लेकिन उक्त बैंक की उस देश में कोई शाखा नहीं है। मनी लॉन्ड्रिंग का यह मामला दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा नवंबर 2024 में दर्ज की गई एक प्राथमिकी से जुड़ा है। आरोप है कि कंपनी आठ प्रतिशत कमीशन पर फर्जी बैंक गारंटी जारी करने में शामिल थी। रिलायंस समूह ने तब कहा था कि रिलायंस पावर इस मामले में धोखाधड़ी और जालसाजी की साजिश का शिकार हुई है और उसने सात नवंबर, 2024 को स्टॉक एक्सचेंज में इस संदर्भ में उचित खुलासे किए थे।

स्वदेशी इंडस्ट्रीज एंड लीजिंग, अरुणिस एडोब और ब्ल्यू पर्ल एग्रीवेंचर्स ने छोटे निवेश को बड़ा मुनाफा दिया

नई दिल्ली, एजेंसी।
पैसा छापने की मशीन बने ये 3 धुरंधर कौन 10,000 को इसी साल 2 लाख तक पहुंचा दियानई दिल्लीः साल 2025 भारतीय शेयर बाजार के लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा है। विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली और अमेरिकी टैरिफ को लेकर अनिश्चितता बाजार के सामने चुनौती पेश करते रहे हैं। ऐसे मुश्किल माहौल में भी कुछ ऐसे शेयर हैं जिन्होंने निवेशकों को मालामाल कर दिया है। इन शेयरों ने 10,000 रुपये के छोटे निवेश को 2 लाख रुपये तक पहुंचा दिया है। इनमें से सबसे पहले बात करते हैं स्वदेशी इंडस्ट्रीज एंड लीजिंग लिमिटेड की। यह कंपनी अलग-अलग चीजों का व्यापार करती है। साल 2025 की शुरुआत में इसका शेयर सिर्फ 2.92 रुपये का था। अब यह बढ़कर 72.86 रुपये हो गया है। यह 2,395 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी है। अगर किसी ने साल की शुरुआत में इसमें 10,000 रुपये लगाए होते तो आज उसके 2 लाख रुपये से ज्यादा हो गए होते। शुक्रवार को भी इस शेयर में तेजी देखी गई। यह 1.99 प्रतिशत बढ़कर 72.86 रुपये पर बंद हुआ। इस लिस्ट में दूसरा नाम है अरुणिस एडोब लिमिटेड का। यह कंपनी रियल एस्टेट और इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में काम करती है। जमीन खरीदती है, प्रोजेक्ट बनाती है और उनका निर्माण करती है। इस साल इसके शेयर की कीमत 7.81 रुपये से बढ़कर 91.89 रुपये हो गई है। यह शेयरधारकों के लिए 1,076 प्रतिशत का बड़ा मुनाफा है। कंपनी का बाजार पूंजीकरण फिलहाल 468 करोड़ रुपये

है। एक और शानदार प्रदर्शन करने वाली कंपनी है ब्ल्यू पर्ल एग्रीवेंचर्स लिमिटेड। यह एग्रो-प्रोडक्ट्स कंपनी है जो मसाले, तिलहन और अनाज जैसे सामानों का कारोबार करती है। इस कंपनी ने अपने निवेशकों को खूब फायदा पहुंचाया है। साल 2025 में इसका शेयर 13.17 रुपये से बढ़कर 91.75 रुपये पर पहुंच गया है। यह 596 प्रतिशत की अच्छी खासी बढ़ोतरी है। हालांकि, शुक्रवार को कुछ मुनाफावसूली के कारण यह शेयर 1.98 प्रतिशत गिरकर 91.75 रुपये पर बंद हुआ। इस कंपनी का बाजार पूंजीकरण 5,528 करोड़ रुपये है। यह दिखाता है कि मुश्किल बाजार में भी सही शेयरों में निवेश करके अच्छा पैसा बनाया जा सकता है। इन कंपनियों ने साबित कर दिया है कि छोटे निवेश भी बड़े फायदे दे सकते हैं।

अब सोमवार को निवेशकों की रहेगी नजर

8 से अब 440 पर ट्रेड कर रहा एमबीएपीएल का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी।
शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनी-मध्य भारत एग्रो प्रोडक्ट्स लिमिटेड (एमबीएपीएल) के शेयर सोमवार, 13 अक्टूबर 2025 को भी चर्चा में बने रहेंगे। ये हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि कंपनी ने 30 सितंबर, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए अपनी आय की घोषणा कर दी है। बता दें कि शुक्रवार को एमबीएपीएल के शेयर 0.25 प्रतिशत बढ़कर 440.45 प्रति शेयर पर बंद हुए। साल 2016 में इस शेयर की कीमत 8 रुपये थी। इस लिहाज से शेयर ने निवेशकों को 10 साल से भी कम समय में 5700 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दे दिया है।

उर्वरक निर्माता कंपनी मध्य भारत एग्रो प्रोडक्ट्स ने सितंबर 2025 तिमाही में अपने नेट प्रॉफिट में साल-दर-साल आधार पर 120 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो एक साल पहले इसी अवधि में 13.84 करोड़ था। अब 30.45 करोड़ पर पहुंच गया है। मध्य भारत एग्रो प्रोडक्ट्स

लिमिटेड ने कहा कि तिमाही-दर-तिमाही आधार पर नेट प्रॉफिट जून 2025 तिमाही के 28.20 करोड़ से 8 प्रतिशत बढ़ा। मध्य भारत एग्रो प्रोडक्ट्स ने वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही के 278.31 करोड़ से वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में परिचालन से प्राप्त राजस्व में 61.75 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 450.19 करोड़ हो गया। पिछले वर्ष की इसी तिमाही में इसकी परिचालन आय 409.68 करोड़ थी। तिमाही के लिए एबिटा 61.8 करोड़ रहा, जो वर्ष-दर-वर्ष 71 प्रतिशत अधिक है। ओस्टवाल समूह की इस कंपनी ने सितंबर तिमाही की अवधि में 1,18,541 मीट्रिक टन उर्वरक उत्पादन की अपनी अब तक की सर्वाधिक मात्रा दर्ज की, जबकि बिक्री भी 1,35,187 मीट्रिक टन के अपने अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। मध्य भारत एग्रो प्रोडक्ट्स लिमिटेड के प्रमोटर, अध्यक्ष और निदेशक एमके ओस्तवाल ने कहा- धुले में हमारा नया प्लांट, जिसमें बैकवर्ड इंटीग्रेशन के साथ 660,000 मीट्रिक टन प्रति वर्ष एसएसपी और सागर में 165,000 मीट्रिक टन प्रति वर्ष सल्फ्यूरिक एसिड के साथ 90,000 मीट्रिक टन प्रति वर्ष डीएपी/एनपीके की क्षमता विस्तार की योजना है, अच्छी प्रगति कर रहा है। ये परियोजनाएं भविष्य में बेहतर विकास और मूल्य सृजन को गति प्रदान करेंगी।

दीपिका पादुकोण बनीं भारत सरकार की पहली मेंटल हेल्थ एम्बेसडर

बॉलीवुड की सुपरस्टार दीपिका पादुकोण को देश के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने भारत की पहली 'मानसिक स्वास्थ्य एम्बेसडर' नियुक्त किया है। यह एक ऐतिहासिक कदम है, जो मानसिक स्वास्थ्य के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने और इस मुद्दे को सार्वजनिक स्वास्थ्य का अहम हिस्सा बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जे.पी. नड्डा ने कहा, दीपिका पादुकोण के साथ यह साझेदारी भारत में मानसिक स्वास्थ्य पर आम चर्चा को बढ़ावा देगी और लोगों में जागरूकता फैलाने में मदद करेगी। यह पहल मानसिक स्वास्थ्य को सामाजिक दृष्टि से मान्यता दिलाने में अहम साबित होगी।

सरकार की ओर से नई पहल

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने देशभर के नागरिकों के लिए एक बड़ी पहल की शुरुआत की है। राजधानी दिल्ली में आयोजित एक विशेष समारोह में उन्होंने नए स्वरूप वाले टेली-मानस एप को लॉन्च किया। इस एप को मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और संकट के समय मदद उपलब्ध कराने के लिए तैयार किया गया है।

भारत सरकार की इस पहल पर बात करते हुए दीपिका ने इस नियुक्ति पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कार्यक्रम में बात करते हुए कहा, यह मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है कि मुझे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के लिए पहला मानसिक स्वास्थ्य एम्बेसडर बनाया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी है। मैं मंत्रालय के साथ मिलकर इस दिशा में काम करने और देश की मानसिक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए पूरी तरह तैयार हूं।

वर्कफ्रंट पर दीपिका पादुकोण

बता दें इन दिनों दीपिका अपनी आने वाली फिल्म किंग की शूटिंग में बिजी हैं। वो शाहरुख खान के साथ इस फिल्म में वर्षों बाद नजर आने वाली हैं। इसके अलावा दीपिका पादुकोण एटली द्वारा निर्देशित तेलुगु फिल्म में भी नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ अल्लू अर्जुन मुख्य भूमिका में होंगे।

करियर के 22 साल पूरे होने पर नयनतारा ने लिखा स्पेशल नोट

साउथ की लेडी सुपरस्टार कही जाने वाली नयनतारा ने इंडस्ट्री में अपने 22 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर नयनतारा ने एक इमोशनल नोट लिखा है। इस नोट में नयनतारा ने फैंस का शुक्रिया जताते हुए अपने किरदारों और करियर के अनुभवों के बारे में भी बात की है।

हर शॉट ने मुझे आकार दिया

नयनतारा ने अपने इंस्टाग्राम की स्टोरी पर एक तस्वीर साझा की है। यह तस्वीर एक लिखे हुए नोट की है। इस नोट में अभिनेत्री ने लिखा, '22 साल हो गए जब मैं पहली बार कैमरे के सामने खड़ी हुई थी, तब मुझे नहीं पता था कि फिल्में मेरे जीवन का प्यार बन जाएंगी। हर शॉट, हर फ्रेम, हर खामोशी, ने मुझे आकार दिया, मुझे ठीक किया और मुझे वह बनाया जो मैं हूं। हमेशा आभारी रहूंगी।'

2003 में की करियर की शुरुआत

नयनतारा ने साल 2003 में मलयालम फिल्म मनास्सिनक्कारे से अपने करियर की शुरुआत की और अपने अभिनय से जल्द ही इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बना ली। इन वर्षों में उन्होंने चंद्रमुखी, श्री राम राज्यम, आराम, माया, कोलमावु कोकिला और जवान जैसी फिल्मों में अभिनय किया है। नयनतारा देखते-देखते साउथ सिनेमा की लीडिंग हीरोइन बन गईं और फैंस ने उन्हें लेडी सुपरस्टार का तमगा भी दे दिया।

'जवान' से की बॉलीवुड में शुरुआत

नयनतारा ने साल 2023 में आई फिल्म 'जवान' से बॉलीवुड में भी अपनी शुरुआत की। एटली द्वारा निर्देशित इस फिल्म में नयनतारा बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आई थीं। इस फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की अच्छी प्रतिक्रिया मिली और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कमाई के नए कीर्तिमान स्थापित किए। इसी फिल्म के लिए शाहरुख खान को उनके करियर का पहला नेशनल अवॉर्ड भी मिला है।

नयनतारा की पाइपलाइन में हैं कई फिल्में

वर्कफ्रंट की बात करें तो नयनतारा इस समय कई फिल्म प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं, जिनमें निर्देशक सुंदर सी के साथ एक बड़े बजट की फिल्म, मुकुथी अम्मन 2, यश की आगामी कन्नड़ फिल्म टॉक्सिक और विष्णु एडवन द्वारा निर्देशित कविन के साथ तमिल फिल्म हाय शामिल है।

प्रोड्यूसर बनकर ओटीटी डेब्यू करेंगे ऋतिक रोशन, प्राइम वीडियो के साथ मिलकर बनाएंगे स्ट्रॉम

बॉलीवुड के हैंडसम स्टार ऋतिक रोशन अब अपने करियर की नई राह पर कदम रखने जा रहे हैं। इस बार वो कैमरे के सामने नहीं, बल्कि कैमरे के पीछे नजर आएंगे। जी हां, ऋतिक रोशन अब ओटीटी की दुनिया में बतौर निर्माता अपनी नई पारी शुरू करने जा रहे हैं। प्राइम वीडियो के साथ मिलकर वो एक रोमांचक एक्शन-थ्रिलर वेब सीरीज 'स्टॉर्म' लेकर आ रहे हैं, जिसमें दमदार महिला किरदार और दिलचस्प कहानी दर्शकों को बांधे रखने वाली है।

'स्टॉर्म' में दिखेगा रोमांच और सस्पेंस का संगम

प्राइम वीडियो ने हाल ही में इस सीरीज की आधिकारिक घोषणा की है। इसे फिलहाल 'स्टॉर्म' नाम दिया गया है, हालांकि अंतिम शीर्षक बाद में तय किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट को अजीतपाल सिंह निर्देशित कर रहे हैं, जिन्होंने फ्रांस्वा लुनेल और स्वाति दास के साथ मिलकर इसकी कहानी भी लिखी है। ऋतिक रोशन और उनके भाई ईशान रोशन इस प्रोजेक्ट के निर्माता हैं, जबकि उनकी कंपनी ।ऋ्ग स्नद्बद्यद्वह्य इसके निर्माण में प्रमुख भूमिका निभा रही है।

सबा आजाद-आलया एफ आएंगी नजर

'स्टॉर्म' की कहानी मुंबई के बैकड्रॉप में रची गई है, जहां सस्पेंस, एक्शन और भावनाओं का संगम देखने को मिलेगा। इस सीरीज में सबा आजाद, पार्वती थिरुवोथु, आलया एफ, सृष्टि श्रीवास्तव और रमा शर्मा जैसे प्रतिभाशाली कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। ये सभी कलाकार अपने किरदारों के ज़रिए महिला सशक्तिकरण और आत्मविश्वास का प्रतीक बनेंगे। बताया जा रहा है कि यह सीरीज मजबूत महिला किरदारों की कहानी पर आधारित होगी, जो सामाजिक और व्यक्तिगत संघर्षों से जूझते हुए अपनी पहचान बनाती हैं।

ओटीटी के सफर की यह शुरुआत खास

ऋतिक रोशन ने अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर कहा कि यह कहानी उन्हें गहराई से छू गई। उन्होंने कहा, स्टॉर्म' मेरे लिए सिर्फ एक सीरीज नहीं, बल्कि एक अनुभव है। अजीतपाल द्वारा बनाई गई दुनिया इतनी सच्ची और गहराई लिए हुए है कि इससे खुद को जोड़ना आसान हो गया। इस सीरीज की कहानी दमदार और यथार्थ के करीब है। मुझे गर्व है कि मैं इसे बतौर निर्माता दर्शकों तक पहुंचा रहा हूं।

आकांक्षा पुरी का नया गाना जन्नतां नसीब रिलीज

अभिनेत्री आकांक्षा पुरी इन दिनों अपनी फिल्मों और गानों को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। गुरुवार को उनका नया गाना जन्नतां नसीब रिलीज हो गया है। आकांक्षा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर गाने का एक क्लिप शेयर किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, इंतजार खत्म हुआ! जन्नतां नसीब अब आ गया है! आवाज बढ़ाओ और बीट्स का मजा लो। उनके इस पोस्ट को फैंस ने खूब पसंद किया और कमेंट्स में तारीफों भरी प्रतिक्रियाएं दीं। जन्नतां नसीब को मशहूर सिंगर रुपाली जग्गा ने अपनी मधुर आवाज में गाया है। गाने के बोल मशहूर गीतकार नूर ने लिखे हैं और म्यूजिक अनमोल डेनियल ने दिया है, जबकि म्यूजिक प्रोडक्शन का जिम्मा अनमोल डेनियल और मैग ने संभाला है। इस जोड़ी ने गाने को एक ताजगी भरा अंदाज दिया है, जो सुनने वालों को झूमने पर मजबूर कर देता है। गाने में आकांक्षा पुरी के शानदार डांस मूव्स और ग्लैमरस लुक ने गाने को और भी आकर्षक बना दिया है। वीडियो में उनके डांस स्टेप्स फैंस को दीवाना बना रहे हैं।

शादी की खबरों पर तृषा कृष्णन का रिएक्शन

साउथ एक्ट्रेस तृषा कृष्णन की निजी जिंदगी को लेकर एक खबर तेजी से वायरल हो रही है, जिसमें कहा जा रहा है कि वो चंडीगढ़ के एक व्यवसायी से शादी करने वाली हैं। हालांकि अब एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इसे लेकर प्रतिक्रिया दी है, जिसमें उन्होंने हनीमून का भी जिक्र भी किया है। चलिए जानते हैं पूरी खबर। अभिनेत्री तृषा कृष्णन ने अपनी निजी जिंदगी और शादी से जुड़ी अटकलों पर बात की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर मजाकिया अंदाज में एक स्टोरी साझा की है। उन्होंने कहा, 'मुझे अच्छा लगता है जब लोग मेरे लिए मेरी जिंदगी की योजना बनाते हैं। बस इंतजार है कि वे हनीमून भी तय करें।'

क्या उड़ी थी अफवाह?

रिपोर्ट के अनुसार, तृषा कृष्णन के माता-पिता चंडीगढ़ के एक व्यवसायी के साथ उनकी नई शादी के लिए राजी हो गए हैं। हालांकि अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। लेकिन इस खबर से चर्चाओं का बाजार गरम हो गया है और कहा जा रहा है कि दोनों परिवार कथित तौर पर कई साल से एक-दूसरे को जानते हैं।

तृषा कृष्णन का वर्कफ्रंट

तृषा कृष्णन जल्द ही फिल्म 'विश्वंभरा' में नजर आएंगी। इस फिल्म में चिरंजीवी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म 'विश्वंभरा' की कहानी रहस्य, रोमांच से भरी है। तृषा और चिरंजीवी के अलावा फिल्म में आशिका रंगनाथ और कुणाल कपूर भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। इस फिल्म का बैकग्राउंड म्यूजिक एमएम कीरवानी ने तैयार किया है।

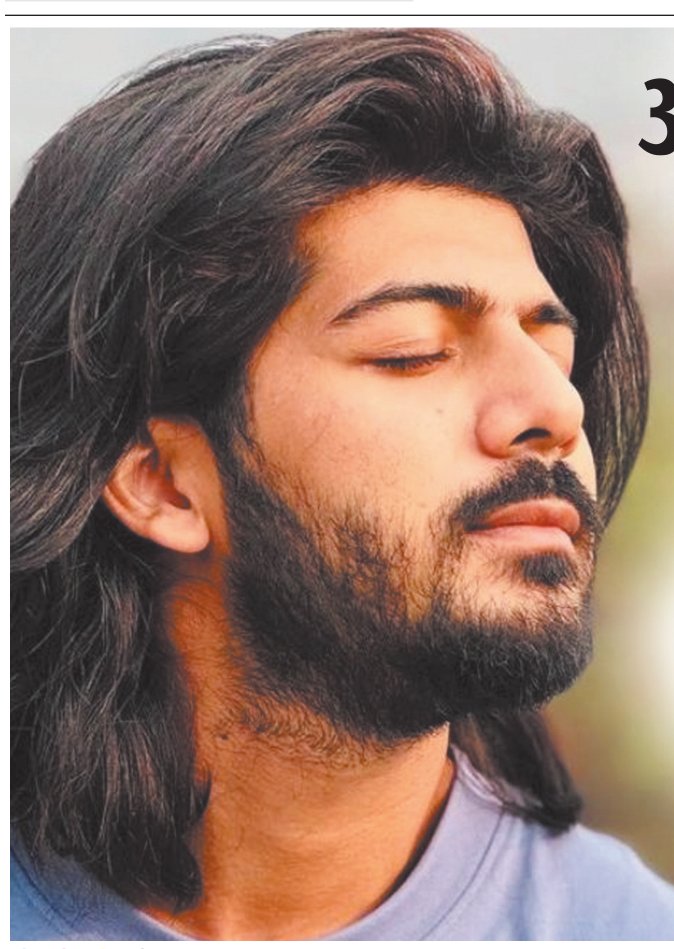

अब प्यार से डर लगता है, कई बार नींद नहीं आती...

छोटे पर्दे पर पिछले 12-13 साल से एक्टिव रहे शीजान खान की जिंदगी में उस वक्त तूफान आ गया था, जब उन्हें तीन साल पहले को-स्टार तुनिषा शर्मा के सुसाइड केस में जेल जाना पड़ा। हालांकि, जेल से बाइज्जत बरी होने के बाद शीजान ने अपनी दूसरी पारी शुरू की। जेल में 70 दिन बिताने के बाद जब शीजान वापस घर लौटे, तो यकीनन उनकी जिंदगी अब आसान नहीं थी। खास बातचीत में शीजान ने अपने करियर और निजी जिंदगी, दोनों पर खुलकर बात की है।

वह कहते हैं कि आज भी उन्हें कई बार नींद नहीं आती। तुनिषा के जाने के बाद दिल और दिमाग पर ऐसा असर पड़ा है कि अब प्यार से डर लगता है। शीजान अब टीवी पर गुम है किसी के प्यार में के बाद नए शो गंगा माई की बेटियां में सिद्धू के किरदार में चर्चा बटोर रहे हैं।

अपने नए शो के बारे में वह कहते है, हमारे इस शो में जेंडर डिस्क्रिमिनेशन का मुद्दा उठाया गया है। ये मैंने अपने आस-पास भी देखा है कि कैसे बेटे की चाहत में औरत पर लगातार बच्चे पैदा करने का दबाव डाला जाता है। ये कोई नहीं सोचता कि उस मां का क्या हाल होता होगा? बेटे के चक्कर में जो पूरी फौज इकट्ठा कर दी जाती है, यह सोच मुझे बहुत अखरती है।

बेटियां पराया धन होती हैं, इस बात से चिढ़ है शीजान को समाज में लड़की और लड़के के बीच किए जाने वाले भेदभाव पर कड़ा ऐतराज है। वह कहते हैं, मुझे सबसे ज्यादा बुरा तब लगता है, जब बेटियों को कहा जाता है, ये तो पराया धन हैं। मैंने खुद अपनी बहनों को कहा है कि ये तुम्हारा घर है। कल को शादी होने के बाद तुम्हें अपने घर में किसी भी तरह की कोई दिक्कत लगे, तो सीधे घर आ जाना। ये घर उसका ही है। मैं खुद महिलाओं के बीच पला-बढ़ा हूं। मेरी परवरिश मेरी मां और बहनों ने की है, तो मेरा फेमिनिन साइड मेरे मैस्कुलिन साइड से ज्यादा स्ट्रॉन्ग है। मैं अपने उस पहलू पर गर्व करता हूं। मेरा यही पक्ष मुझसे दूसरों से अलग भी बनाता है कि कम से कम मैं दूसरों का साइड समझने की कोशिश करता हूं।

जेल में रहने के दौरान मां और बहन बनीं सबसे बड़ा सहारा

अली बाबा- दास्तान-ए-काबुल से लोकप्रिय हुए शीजान खान, इसी शो में अपनी को-स्टार तुनिषा शर्मा के सुसाइड, और जेल जाने के उस दौर को याद करते हुए कहते हैं, मेरी जिंदगी का सबसे मुश्किल दौर तो वही था। मैं सोचता था कि खुद को संभालू कैसे? क्योंकि तूफान तो गुजर गया और बर्बाद करके गया, मगर उसके बाद का समय बहुत चैलेंजिंग था। मेरी सच्चाई और मेरा जज्बात खुदा जानता है और बहुत जल्द ये दुनिया भी जान जाएगी। उस मुश्किल समय में मेरा खुदा, मेरी मां और बहनें ही मेरा सबसे बड़ा सहारा थीं। ये ही लोग मेरे लिए लड़ीं और मेरे साथ खड़ी रहीं। आज जब मैं दोबारा अपने पैरों पर खड़े होकर अपने करियर को रिवाइव कर पाया, तो सबसे ज्यादा गर्व इन्हीं लोगों को हुआ है।

मेरी मां की दुआ काम आई

अपनी दूसरी पारी के बारे में शीजान कहते हैं, हमारी इंडस्ट्री बहुत छोटी-सी है। मैं यहां 12-13 साल से काम कर रहा हूं, तो लोग मुझे बहुत अच्छे से जानते हैं। उनको मुझ पर भरोसा था, मेरे घर वालों को मुझ पर भरोसा था। मैं भी जानता था कि मैं टूट चुका हूं, मगर बिखरूंगा नहीं। मेरी मां की दुआ थी, जो मुझे जेल से आने के बाद दूसरा मौका मिला। लोगों को तो वो भी नहीं मिलता। मुझे जो भी काम मिला है, मैं करता चला गया।

तुनिषा के जाने के बाद अब प्यार से डर लगता है

तुनिषा शर्मा की दुर्भाग्यपूर्ण मौत के बाद क्या शीजान को प्यार -मोहब्बत जैसी बातों से विरक्ति हुई है? इस पर वह कहते हैं, देखिए प्यार से डर लगता है अब। कभी - कभी नींद नहीं आती। मगर जिंदगी में आगे बढ़ना पड़ता है। मुझे म्यूजिक पसंद है। गजलें और शायरी में बहुत रुचि है। क़तील शिफ़ाई, अहमद फ़राज़, राहत इंदौरी साहब, बशीर बद्र, गुलजार जैसे तमाम शायरों को पढ़ता-सुनता हूं।

अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को दूसरा वनडे 81 रन से हराया

इब्राहिम जादरान ने 95 रन बनाए, राशिद को 5 विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। शनिवार को अबू धाबी में खेले गए दूसरे मुकाबले में अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया। टीम ने 44.5 ओवर में 190 रन बनाए। जबाव में बांग्लादेश की टीम 28.3 ओवर में 109 रन पर ऑलआउट हो गई। अफगानिस्तान के ओपनर इब्राहिम जादरान ने 95 रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला 14 अक्टूबर को अबू धाबी मे ही खेला जाएगा। इब्राहिम जादरान का अर्धशतक पहले बैटिंग करने उतरी अफगानिस्तान की टीम की शुरुआत थोड़ी धीमी रही, लेकिन ओपनर इब्राहिम जादरान ने टीम की कमान संभाली। उन्होंने 140 गेंदों में 95 रन की शानदार पारी खेली। उनके अलावा मोहम्मद नबी और एएम गजनफर ने 22-22 रन का योगदान दिया। हालांकि बाकी बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सके और पूरी टीम 44.5 ओवरों में 190 रन पर ऑलआउट हो गई। मेहदी हसन मिराज को 3 विकेट बांग्लादेश की तरफ से मेहदी हसन मिराज टॉप विकेट टेकर रहे। उन्होंने 10 ओवर में 42 रन देकर तीन विकेट झटके। उनके अलावा रिशाद हुसैन और तंजीम हसन साकिब ने 2-2 विकेट झटके लिए। तनवीर इस्लाम को एक विकेट मिला। बांग्लादेश की बैटिंग फ्लॉप टारगेट का पीछा करते उतरी बांग्लादेश की टीम 28.3 ओवर में 109 रन पर सिमट गई। टीम के लिए तौहीद हृदॉय (24) और सैफ हसन (22) ने थोड़ी कोशिश की, लेकिन बाकी बल्लेबाज ज्यादा संभल नहीं सके। टीम का कोई भी खिलाड़ी 25 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सका।

कुलदीप ने 5वीं बार खोला पंजा बने दुनिया के नंबर 1 गेंदबाज

इंडिया बनाम वेस्टइंडीज दिल्ली दूसरा टेस्ट मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने दिल्ली में दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन रविवार (12 अक्टूबर) को वेस्टइंडीज को पहली पारी में 248 रन पर आउट कर दिया। भारत के लिए बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 5 विकेट झटके। कुलदीप ने पांचवीं बार टेस्ट मैच की एक पारी में 5 विकेट लिए। इसके साथ ही उन्होंने बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर के तौर पर टेस्ट में सबसे ज्यादा बार 5 विकेट लेने के रिकॉर्ड बराबरी कर ली। उनके अलावा इंग्लैंड के जॉनी वार्डले ने 5 बार ऐसा किया है। कुलदीप यादव का रिकॉर्ड जॉनी वार्डले से काफी बेहतर है। उन्होंने इंग्लैंड के स्पिनर के मुकाबले आधे टेस्ट में यह कारनामा कर दिया। वार्डले ने 28 टेस्ट में 5 बार पंजा खोला। वहीं कुलदीप ने केवल 15 टेस्ट में ऐसा कर दिया। साउथ अफ्रीका के पॉल एडम्स तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 45 टेस्ट में 4 बार पारी में 5 विकेट झटके।

वेस्टइंडीज के खिलाफ दिल्ली में कुलदीप ने 26.5 ओवर में 82 रन देकर 5 विकेट झटके। कुलदीप ने पहला विकेट दूसरे दिन शनिवार (11 अक्टूबर) को लिया था। उन्होंने अलिक अथानाज को रविंद्र जडेजा के हाथों कैच कराया। उन्होंने 41 रन बनाए। कुलदीप ने तीसरे दिन पहले सत्र में साई होप 36 और टेविन इमलाच 21 को पवेलियन भेजा।

इसके बाद कुलदीप ने जस्टिन ग्रीव्स को पवेलियन भेजा। उन्होंने 17 रन बनाए। उन्होंने पांचवां विकेट जायडन सील्स के तौर पर लिया। उन्होंने 13 रन बनाए। कुलदीप यादव ने टेस्ट में 15 मैच की 27 पारियों में 21.09 के औसत और 3.52 की इकॉनमी से 65 विकेट लिए हैं। 40 रन देकर 5 विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

ओमान को हराकर यूएई 1990 के बाद पहली बार विश्व कप में जगह बनाने के करीब

दुबई, एजेंसी। इस हार के साथ ओमान की इतिहास रचने की उम्मीदें फिलहाल खत्म हो गईं। तीन टीमों के ग्रुप ए में ओमान अब स्वतः क्वालिफाई नहीं कर सकेगा।दोहा में शनिवार को खेले गए एशियाई क्वालिफाइंग मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने ओमान को 2-1 से हराकर 1990 के बाद पहली बार फीफा विश्व कप में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को मजबूत कर लिया। इस जीत के साथ यूएई चौथे दौर में शीर्ष पर पहुंच गया है और अब उसे मंगलवार को कतर के खिलाफ मुकाबले में सिर्फ ड्रॉ की जरूरत है ताकि वह सीधे 2026 विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर सके। इस हार के साथ ओमान की इतिहास रचने की उम्मीदें फिलहाल खत्म हो गईं। तीन टीमों के ग्रुप ए में ओमान अब स्वतः क्वालिफाई नहीं कर सकेगा। हालांकि, टीम के पास अभी भी दूसरे स्थान पर रहकर पांचवें दौर में पहुंचने का मौका है। मैच के 12वें मिनट में यूएई आत्मघाती गोल के कारण पिछड़ गया था। लेकिन टीम ने शानदार वापसी की और 76वें मिनट में मार्कस मेलोनी ने गोल दागकर स्कोर बराबर कर दिया। इसके सात मिनट बाद सिआओ लुकास ने निर्णायक गोल करते हुए यूएई को बढ़त दिलाई, जो मैच के अंत तक कायम रही। उधर ग्रुप बी के मुकाबले में इराक ने मैनचेस्टर यूनाइटेड के पूर्व खिलाड़ी जिदान इकबाल के गोल की बदौलत इंडोनेशिया को 1-0 से हराया। इस जीत के साथ इराक अंक तालिका में सऊदी अरब की बराबरी पर आ गया है। दोनों टीमों का अगला मुकाबला मंगलवार को होगा, जो ग्रुप शीर्ष और सीधे क्वालीफिकेशन की दौड़ तय करेगा। अगर इराक सऊदी अरब को हरा देता है, तो वह 1986 के बाद पहली बार विश्व कप में जगह बनाएगा।

दिल्ली हाफ मैराथन का यह 20वां सत्र, मटाटा और रेंगरुक बने चैंपियन

नई दिल्ली, एजेंसी। कीनिया के लंबी दूरी के धावक एलेक्स मटाटा और लिलियन कासैट रेंगरुक ने रविवार को वेदांत दिल्ली हाफ मैराथन में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग की एलीट दौड़ जीतीं। पिछले साल यहां दूसरे स्थान पर रहे मटाटा ने रविवार को 59 मिनट 50 सेकंड का समय निकालकर बोयेलिन टेशागर (एक घंटा 22 सेकंड) और जेम्स किपकोगी (एक घंटा 25 सेकंड) को पछाड़ा। रेंगरुक ने एक घंटे सात मिनट 20 सेकंड का समय निकालकर महिला वर्ग का खिताब जीता। इथियोपिया की जोड़ी मेलाल सियूम बिरातु (एक घंटा सात मिनट 21 सेकंड) और मुलत टेकले (एक घंटा सात मिनट 29 सेकंड) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। अभिषेक पाल और सीमा भारतीय पुरुष और महिला वर्ग में सबसे तेज धावक रहे। उन्होंने क्रमशः एक घंटे चार मिनट 17 सेकंड और एक घंटे 11 मिनट 23 सेकंड का समय लिया। दिल्ली हाफ मैराथन का यह 20वां सत्र है, जिसे यहां के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से हरी झंडी दिखाई गई थी। इसकी कुल पुरस्कार राशि 260,000 डॉलर है।

एशेज से पहले भारत के खिलाफ खेलने का यह सही समय है: मिशेल मार्श

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिशेल मार्श का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ आगामी एशेज सीरीज से पहले भारत के खिलाफ खेलना उनकी टीम के लिए आदर्श और समयोचित चुनौती साबित होगा। उन्होंने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच न सिर्फ गहरी प्रतिद्वंद्विता है बल्कि पारस्परिक सम्मान भी उतना ही मजबूत है।

भारत के खिलाफ खेलना हमेशा शानदार अनुभव होता है

मिशेल मार्श ने कहा, हमारे सभी खिलाड़ी एशेज की तैयारी में जुटे होंगे, लेकिन सभी को भारत के खिलाफ खेलना पसंद है। एक टीम के तौर पर हमारे बीच शानदार प्रतिद्वंद्विता है और हम उनका बहुत सम्मान करते हैं। मुझे लगता है कि एशेज सीरीज़ से पहले भारत के खिलाफ खेलना बिल्कुल सही समय है। यह बहुत बड़ी होने वाली है।

विश्व कप के बाद वापसी की तैयारी में ऑस्ट्रेलिया

मार्श ने कहा कि उनकी टीम कैरेबियन और अमेरिका में हुए निराशाजनक टी20 विश्व कप प्रदर्शन से उबरने के लिए पूरी तरह तैयार है। आने वाले तीन हफ्तों में ऑस्ट्रेलिया, भारत के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज़ के ज़रिए अपनी लय और संयोजन दुरुस्त करना चाहेगा।

भारत-ऑस्ट्रेलिया की प्रतिद्वंद्विता ने फिर बढ़ाया रोमांच

पिछले साल की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी ने यह साबित किया था कि दोनों टीमों के बीच का मुकाबला कितना तीव्र और दर्शनीय हो चुका है। मार्श ने कहा कि भारत के खिलाफ हर मैच एक बड़ी परीक्षा होती है, और यही हमें एशेज जैसी बड़ी सीरीज़ से पहले मानसिक रूप से मजबूत बनाता है।

एमसीजी मैच के टिकट हुए हाउसफुल

दिलचस्प बात यह है कि 31 अक्टूबर को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में खेले जाने वाले भारत-ऑस्ट्रेलिया टी20 मैच के लिए टिकट दो सप्ताह पहले ही पूरी तरह बिक चुके हैं, जो इस मुकाबले के प्रति प्रशंसकों के उत्साह को दर्शाता है।

भारत दौरे का पूरा शेड्यूल

वनडे सीरीज

- पहला मैच - 19 अक्टूबर, पर्थ
- दूसरा मैच - 23 अक्टूबर, एडिलेड ओवल
- तीसरा मैच - 25 अक्टूबर, सिडनी क्रिकेट ग्राउंड

टी20आई सीरीज

- 29 अक्टूबर- कैनबरा (मनुका ओवल)
- 31 अक्टूबर- मेलबर्न
- 2 नवंबर- होबार्ट (बेलेरिव ओवल)
- 6 नवंबर- गोल्ड कोस्ट स्टेडियम
- 8 नवंबर- ब्रिस्बेन (गाबा)

भारत की टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का संतुलन

भारत की कप्तानी वनडे में शुभमन गिल करेंगे, जबकि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी टीम में शामिल हैं। वहीं सूर्यकुमार यादव टी20 टीम के कप्तान होंगे और इस दौरे पर अपनी आक्रामक कप्तानी से नई छाप छोड़ने की कोशिश करेंगे।

टाइगर वुड्स ने गतिशीलता में कमी के बाद डिस्क रिप्लेसमेंट सर्जरी करवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। 15 बार के मेजर चैंपियन टाइगर वुड्स ने बताया है कि दर्द और गतिशीलता में कमी के बाद उन्होंने लम्बर डिस्क रिप्लेसमेंट सर्जरी करवाई है। यह सर्जरी न्यूयॉर्क के हॉस्पिटल फॉर स्पेशल सर्जरी के डॉ. शीराज कुरैशी और उनकी टीम द्वारा की गई और सफल रही। वुड्स ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक बयान में कहा, पीठ में दर्द और गतिशीलता में कमी के बाद मैंने डॉक्टरों और सर्जनों से जांच करवाने के लिए सलाह ली। स्कैन से पता चला कि मेरी ख4/5 डिस्क में कोलैप्स हो गया है, डिस्क के टुकड़े हो गए हैं और स्पाइनल कैनाल क्षतिग्रस्त हो गई है। मैंने कल अपनी डिस्क रिप्लेसमेंट करवाने का फैसला किया और मुझे पहले से ही पता है कि मैंने अपने स्वास्थ्य और पीठ के लिए एक सही फैसला लिया है।

वुड्स के लिए एक साल से भी कम समय में यह दूसरी पीठ की सर्जरी है जिन्होंने सितंबर 2024 में अपनी पीठ के निचले हिस्से में तंत्रिका दबाव को कम करने के लिए अपनी लम्बर स्पाइन पर माइक्रोडिकंप्रेशन सर्जरी करवाई थी। वह प्रक्रिया भी कुरैशी ने ही की थी, लेकिन फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच स्थित उनके शल्य चिकित्सा केंद्र पर। मार्च में इस अमेरिकी दिग्गज खिलाड़ी के बाएं अकिलीज टेंडन में चोट लग गई थी

वनडे टीम से बाहर होने पर रवींद्र जडेजा ने तोड़ी चुप्पी, कहा- 2027 वर्ल्ड कप जीतना मेरा सपना है...

नई दिल्ली, एजेंसी। 19 अक्टूबर से शुरू हो रहे ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय क्रिकेट टीम को तीन ओडीआई और पांच टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेलने हैं. इस दौरे पर भारत की वनडे टीम बदली-बदली नजर आएगी. शुभमन गिल को रोहित शर्मा की जगह वनडे टीम का नया कप्तान बनाया गया है. चयनकर्ताओं ने बड़ा फैसला लेते हुए बाएं हाथ के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को भी वनडे स्क्वॉड से बाहर कर दिया, जो आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में भारतीय टीम का हिस्सा थे. रोहित शर्मा और विराट कोहली को वनडे टीम में जगह दी गई है, लेकिन रवींद्र जडेजा जैसे अनुभवी ऑलराउंडर का नाम न होना चौंकाने वाला है. जडेजा फरवरी 2009 से भारत के लिए वनडे क्रिकेट खेलते आ रहे हैं और उन्हें मौजूदा दौर के बेहतरीन ऑलराउंडर्स में गिना जाता है. वनडे टीम से बाहर होने पर रवींद्र जडेजा ने पहली बार प्रतिक्रिया दी है. जडेजा ने साफ कहा कि 2027 वर्ल्ड कप में खेलना उनका लक्ष्य है और वे आगे भी कड़ी मेहनत करते रहेंगे. रवींद्र जडेजा ने कहा प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं जरूर खेलना चाहता हूं. हर खिलाड़ी का सपना होता है कि वो वर्ल्ड कप जीते. 2023 में हम बहुत करीब थे, लेकिन खिताब जीतने से रह गए. टीम मैनेजमेंट ने मुझे पहले ही बता दिया था कि इस सीरीज़ के लिए मुझे नहीं चुना जा रहा है. कप्तान शुभमन गिल, कोच और चयनकर्ताओं ने मुझसे बात की और वजह समझाई. यह बात मुझे स्क्वॉड अनाउंसमेंट से पहले ही पता चल गई थी. रवींद्र जडेजा ने आगे कहा, जब भी मौका मिलेगा, मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगा. अभी काफी सारे वनडे मैच बाकी हैं. उम्मीद है कि मुझे मौका मिलेगा और मैं अपने खेल से टीम के लिए योगदान दे सकूंगा, जैसे अब तक देता आया हूं. जडेजा वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं. अहमदाबाद टेस्ट में जडेजा ने शतकीय पारी खेली थी और वो प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए थे.

डब्ल्यूडब्ल्यूई रिंग में रोमन रेंस बन गए क्रिकेटर, कोहली के स्टाइल में लगाया शॉट डब्ल्यूडब्ल्यूई

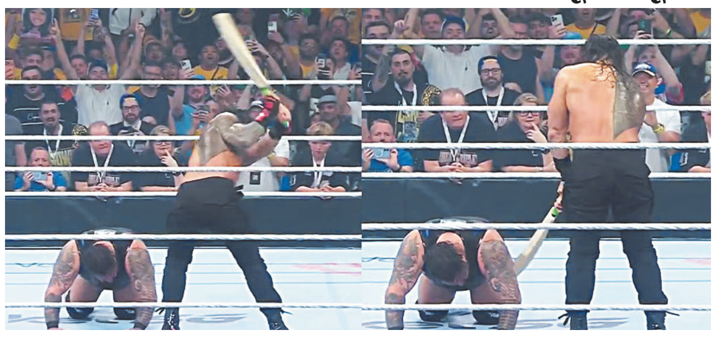

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट में फैन्स को दिलचस्प नजारा देखने को मिला है. सुपरस्टार रोमन रेंस ने विपक्षी रेसलर के खिलाफ क्रिकेट बैट का प्रयोग किया. रेंस ने ब्रॉनसन रीड पर बल्ले से जोरदार प्रहार करते हुए उन्हें रिंग से बाहर फेंक दिया. यह वाकया पर्थ में आयोजित डब्ल्यूडब्ल्यूई क्राउन ज्वेल चैम्पियनशिप 2025 में हुआ. रोमन रेंस के इस मूव को देखकर दर्शक हैरान रह गए. इस मूव ने कुछ फैन्स को विराट कोहली की याद दिला दी है. रेंस ने विराट कोहली की तरह ऐसे बल्ला चलाया, मानो वो गेंद पर कड़ा प्रहार करने जा रहे हों. रोमन रेंस का एग्रेसन और परफॉर्मेंस स्टाइल कोहली की तरह दिखा. कोहली मैदान पर अपने एग्रेसन और फाइटिंग स्पिरिट के लिए जाने जाते हैं. कुछ हफ्ते पहले ऑस्ट्रेलियाई स्ट्रीट फाइट में रोमन रेंस को रीड से हार का सामना करना पड़ा था.

गोवा में होगा 17 करोड़ रुपए की इनामी राशि का अंतरराष्ट्रीय महायुद्ध

गोवा, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय शतरंज फेडरेशन ने वर्ल्ड शतरंज कप 2025 के पहले राउंड के मुकाबलों की सूची जारी कर दी हैं। 17 करोड़ रुपए की इनामी राशि की यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता इतिहास में पहली बार 30 अक्टूबर से 27 नवंबर 2025 तक भारत के गोवा में आयोजित की जाएगी। पेरिस इंटरनेशनल ओलम्पिक से शतरंज एशिया महाद्वीप के महासचिव ब्रह्मचारी कुलदीप शतरंज ने बताया कि संसार के 70 से अधिक देशों से कुल 206 खिलाड़ी इसमें हिस्सा लेंगे, 50 शीर्ष वरीय खिलाड़ी सीधे दूसरे राउंड से शुरुआत करेंगे। बाकी 156 खिलाड़ी पहले राउंड में अपने स्थान के लिए संघर्ष करेंगे। भारत के अधिकतर शीर्ष खिला?ी दूसरे राउंड से मुकाबला खेलेंगे। भारतीय ओलम्पिक संघ आईओए से मान्यता प्राप्त महाभारत के भीष्म पितामह शक्तिमान मुकेश खन्ना के

नेतृत्व वाली भारत सरकार से एकमात्र आयकर छुट प्राप्त हरियाणा शतरंज एसोसिएशन एचसीए के प्रदेश महासचिव ब्रहमचारी कुलदीप शतरंज ने बताया कि यह इंटरनेशनल टूर्नामेंट न केवल 20 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 17 करोड़ रुपये) की इनामी राशि के लिए खेला जाएगा, बल्कि इसके शीर्ष तीन विजेताओं को 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए सीधी जगह भी मिलेगी। मेजबान देश के तौर पर भारत को दो अतिरिक्त स्थान मिले हैं, जिन्हें प्रणव वेंकटेश और रौनक साधवानी को दिया गया है। दोनों की मौजूदा रेटिंग 2641 है। प्रणव 2025 विश्व जूनियर चैंपियन है जबकि रौनक भारत के सबसे युवा ग्रांडमास्टर्स में से एक है, जिन्होंने 2024 लंदन चेस मास्टर्स जीता था। इन दोनों खिलाड़ियों के जुड़ने से भारतीय चुनौती और भी मजबूत हो गई है। विश्व चैम्पियन डी. गुकेश, आर. प्रज्ञानानंधा, अरुण एरिगैसी, विदित गुजराती, पेंटाला हरिकृष्णा, निहाल सरीन और कई अन्य भारतीय शीर्ष खिलाड़ी पहले ही सूची में हैं। महिला विश्व कप विजेता ग्रांडमास्टर दिव्या देशमुख को भी फीडे ने एक विशेष वाइल्डकार्ड के रूप में शामिल किया है।

भारत में ऐतिहासिक आयोजनः पेरिस इंटरनेशनल ओलम्पिक से शतरंज एशिया महाद्वीप के महासचिव ब्रह्मचारी कुलदीप शतरंज ने बताया कि ऐसा इतिहास में पहली बार होगा जब विश्व कप प्रतियोगिता भारत की धरती पर खेली जाएगी। भारत के अधिकतर शीर्ष खिलाड़ी दूसरे राउंड से मुकाबला खेलेंगे जबकि पहले राउंड में राजा ऋत्विक कजाकिस्तान के नोगेरबेक कायबेक से, हर्षवर्धन जीबी तुर्की के यिलमाज मुस्तफा से, एसएल नारायनन पेरु के रोजस सालस स्टीवन से, प्रणव वी अल्जीरिया के आला एडिने से, इनियन पी क्यूबा के डाइलन ईसीडरों से, ललित बाबू नीदरलैंड के मैक्स वरमरदम से, दीप्तयन घोष चीन के पेंग क्षिओंगीयन से, कार्तिक वेंकटरामन कोलंबिया के रोबेर्टो पांतोजा से, रौनक साधवानी साउथ अफ्रीका के बररिश डेनियल से, नीलाश सहा उरुग्वे के मेरर जॉर्ज से, सूर्या शेखर गांगुली अजरबैजान के अहमद अहमदजादा से खेलेंगे और दिव्या देशमुख ग्रीस के अर्डितीस स्तमटिस से मुकाबला खेलेंगी।

विचार-मंथन

संपादकीय

कानून से न्याय दिलाने वाला हिंसा की भाषा में क्यों बोल पड़ा?

सुप्रीम कोर्ट में वकील द्वारा जूता फेंकने की कोशिश ने न्यायिक गरिमा पर प्रश्न खड़ा कर दिया। यह घटना केवल असंयम नहीं, बल्कि सोशल मीडिया के प्रभाव में कानून और विवेक की पतन की चेतावनी है। हैरानी की बात है कि आरोपी ने अपनी मनमानी करने का जो कारण बताया, उससे यह साफ है कि वकील होने के बावजूद उसकी नजर में कानून या न्याय-प्रणाली की कोई अहमियत नहीं है। इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि जिन लोगों से संविधान और कानून की रक्षा, उसकी मजबूती के लिए काम करने की उम्मीद की जाती है, वही अपनी कुंठाओं का प्रदर्शन करते हुए सारे नियम-कायदे ताक पर रख दें। सर्वोच्च न्यायालय में सोमवार को प्रधान न्यायाधीश के साथ एक वकील ने जो किया, उससे यह तीखा सवाल उठा है कि ऊंची पढ़ाई-लिखाई करके वकालत का पेशा चुनने वाला एक व्यक्ति कैसे अपने दुराग्रहों की वजह से कानून और न्याय-प्रक्रिया को अपमानित कर सकता है। गौरतलब है कि एक वकील ने कार्यवाही के बीच में ही प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की ओर सिर्फ इसलिए जूता उछालने की कोशिश की कि उसके दिमाग पर सोशल मीडिया पर फैलाई गई कोई बात हावी हो गई थी। सरकार की ओर से हर स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था एक मुद्दा दिखने के बावजूद अदालत के भीतर इसका ढांचा कैसा था कि एक व्यक्ति अपनी मनमानी को लेकर बेखौफ था। गनीमत बस यह रही कि आरोपी की हरकत सीमित थी, वरना वहां कुछ भी हो सकता था। सवाल है कि जिस व्यक्ति के भीतर विवेक इस कदर अनुपस्थित हो गया हो कि वह अदालत में ही प्रधान न्यायाधीश के प्रति आक्रामक हो गया, वह इससे ज्यादा हिंसक नहीं होगा, इस बात की क्या गारंटी है। इस मसले पर सोशल मीडिया पर फैलाई गईं बातों के असर में इस तरह बेलगाम और आक्रामक होना इस बात का भी सूचक है कि ऐसे व्यक्ति का विवेक सामान्य तरीके से काम नहीं कर पा रहा है और वह कानून के तंत्र एवं शासन के बजाय हिंसा का रास्ता अख्तियार करना ज्यादा सही मानता है। शायद यही वजह है कि प्रधान न्यायाधीश ने भले ही उदारता दिखाते हुए आरोपी व्यक्ति के प्रति नरमी बरती, लेकिन सुप्रीम कोर्ट बार काउंसिल ने आरोपी वकील का लाइसेंस जब्त कर उसे निलंबित कर दिया। मगर इस घटना की गंभीरता को समझते हुए ही खुद प्रधानमंत्री सहित अन्य कई बड़े नेताओं ने इसे निंदनीय बताया और चिंता जाहिर की। हैरानी की बात है कि आरोपी ने अपनी मनमानी करने का जो कारण बताया, उससे यह साफ है कि वकील होने के बावजूद उसकी नजर में कानून या न्याय-प्रणाली की कोई अहमियत नहीं है। दरअसल, सोशल मीडिया पर प्रधान न्यायाधीश के एक बयान की मनमानी व्याख्या करके उसे फैलाया गया और उसके प्रभाव में आए लोगों ने इस पर सोचने-समझने या विवेक का उपयोग करने की जरूरत नहीं समझी। आरोपी वकील ने जिस सनातन के कथित अपमान की बात की, क्या वह उसे आक्रामकता और हिंसा का सहारा लेने का संदेश देता है? इस समूचे मामले में सोशल मीडिया की जैसी भूमिका सामने आई, वह भी बेहद चिंताजनक और बहसतलब है। विवाद के संदर्भ में प्रधान न्यायाधीश ने साफ कहा था कि उनकी बातों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया, लेकिन अफसोसनाक है कि उसी मनमानी से प्रभावित होकर कुछ लोगों ने उनके खिलाफ धारणा बना ली। आजकल सोशल मीडिया पर जिस तरह बिना कुछ सोचे-समझे किसी बात की गलत व्याख्या करने और उसके जरिए व्यापक स्तर पर धारणा बनाने का चलन देखा जा रहा है, उसके घातक नतीजे सामने आ रहे हैं। एक ऐसा माहौल बनाया जा रहा है, जिसमें विचार, बहस और विवेक के उपयोग की जगह सिमटती जा रही है और आक्रामकता तथा हिंसक मनोवृत्ति का उभार देखा जा रहा है। यह स्थिति देश के लोकतंत्र और कानून के लिहाज से बेहद चिंताजनक है।

दिल्ली में लोकसभा चुनाव छठे चरण में 25 मई 2024 को हुआ और आठ महीने बाद 8 फरवरी 2025 को दिल्ली विधानसभा चुनाव हुए। भाजपा ने 2014 और 2019, दोनों लोकसभा चुनावों में दिल्ली की सभी सातों सीटें जीती थीं। 2024 में भी भाजपा ने सभी सात सीटें जीती। लेकिन 2015 और 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को अप्रत्याशित जीत मिली थी, लेकिन 2025 में भाजपा दिल्ली में सरकार बनाने में कामयाब रही। यानी यहां अलग अलग चुनाव होने से भी राष्ट्रीय मुद्दे और स्थानीय मुद्दों का घालमेल नहीं हुआ। रहा सवाल जनता के प्रति जवाबदेही की तो जब प्रचार से जनता प्रभावित नहीं हुई, तो सत्ता को सवाल का जवाब देना ही पड़ेगा।

लोकतांत्रिक सुधारों के लिए क्यों जरूरी है 'एक देश, एक चुनाव'

(अवतंस चित्रांश)

भारतीय जनता पार्टी काफी समय से यह दावा करती आ रही है कि 'एक देश एक चुनाव' चुनाव सुधार की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा। लिहाजा भाजपा की केन्द्र सरकार ने सितंबर 2023 में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में 'एक देश, एक चुनाव' की संभावनाएं तलाशने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया। जिसने 191 दिनों के मंथन के बाद मार्च 2024 में राष्ट्रपति को एक रिपोर्ट सौंपा। रिपोर्ट में कहा गया कि 15 दलों को छोड़कर बाकी 32 दलों ने साथ-साथ चुनाव कराने का समर्थन किया और कहा कि ये तरीका संसाधनों की बचत, सामाजिक तालमेल बनाए रखने और आर्थिक विकास को तेजी देने में मदद करेगा। लेकिन इस प्रस्ताव के खिलाफ भी कई तर्क हैं। इनमें दो तर्क बहुत महत्वपूर्ण हैं, पहला, नियमित चुनावों होने से,सरकार लोगों की इच्छा को सुनने के लिए बाध्य होती है, जबकि एक साथ चुनाव होने से सरकार की जनता के प्रति जवाबदेही में कमी आएगी मैंने इस तर्क को खंगालने की कोशिश की, क्या एक साथ चुनाव होने की व्यवस्था से सरकार निरंकुश हो सकती हैं? कार्यकाल पूरा होने से पहले सरकार गिरती है तो एक देश एक चुनाव का क्या होगा? 'एक देश, एक चुनाव' के खिलाफ दूसरा महत्वपूर्ण तर्क है कि लोकसभा चुनावों में राष्ट्रीय हित के मुद्दे प्राथमिकता में होते है, जबकि राज्यों के चुनाव स्थानीय मुद्दों पर होते हैं। ऐसे में एक साथ चुनावों के कारण, राष्ट्रीय मुद्दे राज्य के मुद्दों पर हावी हो सकते है। इस तर्क में भी दम है, इसलिए सवाल उठता है कि ऐसी स्थिति में जनता कैसे जवाबदेह सरकार या जनप्रतिनिधि का चुनाव करेगी? इन दोनों तर्कों के पड़ताल में मैंने ये पाया कि असल में एक देश एक चुनाव का विरोध सिर्फ इसलिए है क्योंकि राजनीतिक दल जनता को मूर्ख समझते हैं और ये मानकर चलते हैं कि सरकारी तंत्र जनता को प्रभावित करता है। 'एक देश, एक चुनाव' की व्यवस्था के खिलाफ इन तर्कों का और गहराई से पड़ताल करें तो हम सभी जानते हैं कि कैसे चुनावों में मतदान और मतदाताओं को प्रभावित किया जाता है। जातीय समीकरण, स्थानीय समीकरण, हाल के वर्षों में फ्री बीज कल्चर, दक्षिण में आरक्षण का वादा। इन सबके अतिरिक्त बहुत स्थानीय स्तर पर थाना, कचहरी की राजनीति से जनता के मत को प्रभावित किया जाता रहा है। फिर जवाबदेही और राष्ट्रीय व राज्य के मुद्दों का तर्क बेमानी है। फिर भी इसे तथ्यों और आंकड़ों के जरिए समझने के लिए हम एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म्स के विश्लेषण को आधार मान लेते हैं जो चुनाव आयोग के आंकड़ों के हवाले से रिपोर्ट तैयार करता है। एडीआर अपनी रिपोर्ट में एक डिस्क्लेमर देता है कि इस तरह की जानकारी का उद्देश्य के वल हमारी चुनावी और राजनीतिक प्रक्रिया में धन के बढ़ते उपयोग को उजागर करना है ताकि पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन की प्रणाली को सुगम बनाया जा सके और मतदाताओं को एक सूचित विकल्प बना ने में सक्षम बनाया जा सके । जाहिर है, 'एक देश, एक चुनाव' का पूरा कॉन्सेप्ट ही चुनावी खर्चों में कटौती का है। ऐसे में एडीआर की रिपोर्ट यह समझने के लिए काफी है कि घोषित चुनावी खर्च से जनता को कैसे प्रभावित किया जाता है। एडीआर ने 2024 के लोकसभा चुनाव में हुए खर्च का विश्लेषण किया। और पाया कि 32 में से 5 राष्ट्रीय और 27 क्षेत्रीय दलों ने 16 मार्च से छह जून, 2024 के बीच 3,352.81 करोड़ रुपये खर्च किए। यह खर्च लोकसभा चुनावों के साथ-साथ हुए आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, उडीसा और सिक्किम विधानसभा चुनावों के दौरान का है। इस खर्च में राष्ट्रीय दलों का योगदान 2,204 करोड़ रुपये यानी 65.75 फीसदी रहा। भाजपा ने लगभग 1,494 करोड़ रुपये खर्च किए, जो कुल चुनावी व्यय का 44.56 फीसदी था। कांग्रेस ने 18.5 प्रतिशत यानी 620 करोड़ रुपये खर्च किए। दिलचस्प यह है कि कुल चुनावी खर्च में केवल प्रचार पर ही 2,008 करोड़ रुपये खर्च किए गए जो सबसे ज्यादा खर्च है। इसमें भी 1,511.30 करोड़ रुपये राष्ट्रीय दलों ने और 496.99 करोड़ रुपये क्षेत्रीय दलों ने खर्च किए। अब इन आंकड़ों से दो बातें निकलकर सामने आती हैं। पहला, ये वो आंकड़े हैं जो चुनाव आयोग की वेबसाइट पर हैं। जाहिर है असल खर्च के आंकड़े इससे कहीं ज्यादा हुए होंगे। दूसरा लोकसभा चुनाव के साथ आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश,उड़ीसा और सिक्किम विधानसभाओं के चुनाव भी संपन्न हुए। इसमें बहुत से दलों ने लोकसभा विधानसभा के खर्चे एक साथ दिखाए हैं, जिससे पता चलता है कि एक साथ चुनाव होने से संसाधनों की बचत हुई है। और इससे क्षेत्रीय दलों के चुनाव प्रचार पर कोई फर्क नहीं पड़ा है। पांच राष्ट्रीय दलों में कांग्रेस और भाजपा ने लोकसभा और चार विधानसभाओं का चुनाव एक साथ लड़ा। बसपा ने लोकसभा के साथ तीन राज्य विधानसभाओं का चुनाव लड़ा।सीपीएम ने भी लोकसभा के साथ तीन राज्य विधानसभाओं का चुनाव लड़ा। जबकि आम आदमी पार्टी ने लोकसभा के साथ उड़ीसा विधानसभा का चुनाव लड़ा। इन सभी दलों को एक ही खर्च पर चुनाव प्रचार करने को मिला। साथ ही आंध्र प्रदेश की दो बड़े दल तेलगू देशम और वाईएसआर कांग्रेस को राज्य विधानसभा के साथ लोकसभा चुनाव का प्रचार भी करना कम खर्चीला ही लगा होगा। उड़ीसा विधानसभा चुनाव में बीजू जनता दल को राज्य विधानसभा के साथ लोकसभा चुनाव लड़ा। जिससे प्रचार के खर्च कम तो जरूर हुए होंगे। अब नतीजों के साथ जवाबदेही और मुद्दों का विश्लेषण कर लीजिए। आंध्र प्रदेश में 175 विधानसभा सीटें हैं। तेलगू देशम ने 135 सीटें जीती जबकि पूर्ववर्ती सरकार वाईएसआर कांग्रेस को 11 सीटें हासिल हुई। हालांकि वाईएसआर कांग्रेस 2019 के चुनाव में 151 सीटें मिली थी। ऐसे में स्पष्ट है कि लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय मुद्दों का कोई प्रभाव नहीं था स्थानीय मुद्दों पर वाईएसआर कांग्रेस को करारी हार मिली। दूसरी तरफ उड़ीसा में बीजू जनता दल 24 वर्षो से सत्ता में थी। बावजूद इसके भाजपा उड़ीसा विधानसभा में 78 सीट ही जीत सकी, बहुमत से 4 सीट ज्यादा। यदि हम यह मान भी लेते है कि 24 साल के शासन से जनता में एक एंटी इंकबेंसी होता है। तो भी भाजपा की जीत औसत रही और खुद उसके प्रदेश अध्यक्ष चुनाव हार गए। यदि राष्ट्रीय मुद्दे राज्य के मुद्दों पर हावी थे तो उड़ीसा विधानसभा चुनाव के नतीजे कुछ और होते। तीसरा प्वाइंट महत्वपूर्ण है। मान लीजिए 'एक देश, एक चुनाव' लागू रहता तो लोकसभा चुनाव के साथ दिल्ली विधानसभा का चुनाव भी होता।

पंच परिवर्तन और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

(पवन? शुक्ला)

समरसता भारतीय समाज की आत्मा है। यह केवल विचार नहीं, बल्कि जीवन का व्यवहार है। संघ का मानना है कि जाति, धर्म, भाषा या क्षेत्र के आधार पर कोई भेदभाव न रहे, तभी भारत अपने सांस्कृतिक स्वरूप को साकार कर सकेगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष में केवल अपनी यात्रा का उत्सव नहीं मना रहा, बल्कि भारत के पुनर्निर्माण की दिशा में एक विचार-यात्रा प्रारंभ कर रहा है। इस यात्रा का केंद्र है 'पंच परिवर्तन', एक ऐसी रूपरेखा जो व्यक्ति, समाज और राष्ट तीनों स्तरों पर सकारात्मक परिवर्तन की मांग करती है। संघ का यह प्रयास केवल संगठनात्मक ऊर्जा का विस्तार नहीं, बल्कि राष्ट की चेतना को नई दिशा देने वाला सामाजिक संकल्प है। भारत आज सामाजिक विषमताओं, पारिवारिक विघटन, पर्यावरणीय असंतुलन, आर्थिक परनिर्भरता और नागरिक दायित्वों की शिथिलता जैसी अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। इन परिस्थितियों में 'पंच परिवर्तन' केवल विचार नहीं, बल्कि इन समस्याओं के समाधान का समग्र मार्गदर्शन बनकर सामने आता है। यह पांच परिवर्तन– सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, 'स्व' आधारित जीवनशैली और कर्तव्यनिष्ठ नागरिक निर्माण– भारतीय समाज के नवजागरण की आधारशिला के रूप में उभरते हैं। सामाजिक समरसता– विविधता में एकता का सजीव दर्शन समरसता भारतीय समाज की आत्मा है। यह केवल विचार नहीं, बल्कि जीवन का व्यवहार है। संघ का मानना है कि जाति, धर्म, भाषा या क्षेत्र के आधार पर कोई भेदभाव न रहे, तभी भारत अपने सांस्कृतिक स्वरूप को साकार कर सकेगा। समानता और आत्मीयता – यही समाज को जोड़ने की वास्तविक शक्ति है। इसी भावना को साकार करने के लिए संघ के स्वयंसेवक गाँव-गाँव में सहभोजन, समरस उत्सव और संयुक्त सेवा परियोजनाएँ आयोजित कर रहे हैं। 'एक मंदिर - एक जलस्रोत - एक श्मशान' जैसे अभियानों ने ग्रामीण समाज में बंधुता का वातावरण बनाया है। श्रीराम और केवट का प्रसंग आज भी इस समरसता का प्रतीक है, जहाँ सम्मान और आत्मीयता जाति या वर्ग से ऊपर उठ जाती है। कुटुंब प्रबोधन– परिवार ही राष्ट की प्रथम इकाई भारतीय संस्कृति में परिवार केवल सामाजिक संस्था नहीं, बल्कि संस्कार की प्रयोगशाला है। आज के यांत्रिक जीवन में जब संवाद घट रहा है और उपभोक्तावाद बढ़ रहा है, तब कुटुंब प्रबोधन की आवश्यकता पहले से अधिक महसूस होती है। संघ के 'परिवार प्रबोधन अभियान' के अंतर्गत देशभर में संयुक्त भोजन, साप्ताहिक पारिवारिक संवाद, सांस्कृतिक आयोजन और संस्कार वर्ग जैसे प्रयास किए जा रहे हैं। इनसे पीढ़ियों के बीच संवाद पुनः स्थापित हो रहा है और परिवारों में भारतीय जीवन-मूल्य पुनर्जीवित हो रहे हैं। सशक्त परिवार ही सशक्त राष्ट की नींव रखता है। बालगोकुलम् और संस्कार भारती जैसी पहलें इस कुटुंब संस्कृति को नई ऊर्जा प्रदान कर रही हैं। भारत का दृष्टिकोण सदैव 'प्रकृति मातरं वंदे' का रहा है। संघ इस परंपरा को आधुनिक संदर्भ में पुनः स्थापित कर रहा है। वृक्षारोपण, जल-संरक्षण, प्लास्टिक-त्याग, जैविक खेती और नदी-सफाई जैसे अभियानों के माध्यम से संघ के स्वयंसेवक समाज में पर्यावरणीय संतुलन की चेतना फैला रहे हैं। प्रकृति केवल संसाधन नहीं, बल्कि सृजन की सहयात्री है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5881

4		6		2				
	8		4				9	3
3				8	5			2
7		9						8
	5			7			4	
6						7		1
9			2	4				5
2	6				8		7	
				3		1		9

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5880

1	9	8	7	5	6	4	3	2
3	2	6	1	9	4	8	5	7
5	4	7	3	2	8	1	6	9
2	6	9	5	1	7	3	8	4
7	1	3	4	8	9	5	2	6
4	8	5	6	3	2	7	9	1
9	3	2	8	4	1	6	7	5
6	5	4	9	7	3	2	1	8
8	7	1	2	6	5	9	4	3

वर्ग पहेली 5881

1	2		■	3		4	5
6		■	7		■	8	
9				■	10	■	
■		■	11	12		13	
14	■	15			■		■
16	17	■	18		19		20
21		22	■	23		■	
	■	24		■	■	25	

संकेतः बाएं से दाएं

1. यह तीन तरफ से बांग्लादेश का घिरा राज्य है (3)
3. यह मालदीव द्वीप का राष्ट्रीय वृक्ष है (4)
6. पिता का भाई (2)
7. गंतव्य स्थान, मुकाम (2)
8. दूरी नापने की एक प्राचीन ईकाई जो 8 फर्लांग के बराबर होती थी (2)
9. भय या शर्म के कारण कांप उठना (4)
11. आक्रमण करने वाला (3)
15. लिया जाने योग्य, आदायाद (3)
16. उसी जगह, उसी स्थिति पर (2)
18. कर्ण छेदन (5)
21. गर्म धातु से शरीर पर निशाना लगाना, बंदूक आदि छोड़ना, संतप्त करना (3)
23. सराहना, प्रशंसा, तहसीन (2)
24. प्रत्येक पक्ष की तीसरी तिथि (2)
25. बढ़ती का समय (2)

ऊपर से नीचे

1. भूत, भविष्य और वर्तमान ये तीनों काल (3)
2. नाम लेकर बुलाना, फरियाद करना (4)
3. रिश्ता, संबंध (2)
4. यमुना नदी को यह भी कहा जाता है (4)
5. चनौती देना, हुंकार, हंकरावा (4)
7. शरण देना, रक्षा करना, शरण में लेना (5)
10. मां की बहन (2)
12. मद्यशाला, मदिरालय (4)
13. अस्तित्व, विद्यमानता, मौजूदगी, हस्ती (3)
14. शरतचंद्र चटर्जी इस कृति पर तीन फिल्मों का निर्माण हुआ है जिनके नायक क्रमशः के.एस.सहगल, दिलीपी कुमार व शाहरूख खान थे (4)
17. हिंगु जो प्रायः साग, दाल आदि में बघारते वक्त इस्तेमाल होती है (2)
19. बिल, छिद्र, शरीरन्ध्र, जालरन्ध्र (2)
20. देखने वाला, दर्शक (उर्दू) (3)
22. बेटी के बेटे को यह कहा जाता है (2)

वर्ग पहेली 5880 का हल

ज	म्मू	क	श्मी	र	■	आ	ह
य	■	री	■	ह	य	शा	ला
कि	ता	ब	खा	ना	■	■	ह
श	त	क	■	■	वा	■	ल
न	■	री	ता	फा	रि	या	■
■	सु	ब	ल	■	स	म	ता
गु	रू	■	मे	ष	■	व	न
■	र	ह	ल	■	मो	ती	■

आज का राशिफल

मेष

आज दिन मानसिक शांति प्रदान करने वाला रहेगा। इस दौरान आपको नई योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने का समय मिलेगा। किसी धार्मिक यात्रा के भी संयोग बनते दिख रहे हैं। इससे आपको मानसिक शांति का अहसास होगा। वहां, वृषभ राशि के लोगों को कानूनी विवादों में सफलता मिलने की संभावना है। अगर आप स्थान परिवर्तन की सोच रहे हैं।

वृष

आज आपकी कोई महत्वपूर्ण डील फाइनल हो सकती है। इससे आपको आर्थिक लाभ होगा। इस दौरान राज्य में आपको मान-सम्मान मिलने की भी प्रबल संभावना दिख रही है। भौतिक विकास के भी अच्छे योग बन रहे हैं। चंद्रमा के उच्च राशि में गोचर करने से आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगा। इसके प्रभाव से आपको मंगल कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

मिथुन

आज दिन थोड़ा उथल पुथल भरा रहने वाला है। इस समय सोच-समझकर निर्णय लेने में ही आपकी भलाई है। हालंकि, व्यापार में थोड़ा जोखिम उठाने से बड़ा लाभ मिल सकता है। आपके लिए दिनचर्या के कार्यों से हटकर कुछ नई शुरुआत लाभकारी साबित हो सकती है।

तुला

आज दिन आपके लिए आरामदायक और मानसिक सुकून देने वाला रहेगा। रचनात्मक कार्यों को करने के लिए दिन अत्यंत उपयुक्त रहेगा। किसी क्रिएटिव प्रोजेक्ट में समय बिताने का अवसर मिलेगा, जिससे आपके मन को शांति मिलेगी। वहीं, अपने प्रिय काम को करने से आप ऊर्जा महसूस करेंगे।

वृश्चिक

आज के दिन अपनी वाणी पर ध्यान रखना होगा। व्यवहार में संयम व सावधानी बनाए रखना आपके लिए बेहद जरूरी है। आस-पास के लोगों से बेवजह का टकराव हो सकता है। ऐसे में आपके लिए बेहतर होगा कि वाद-विवाद से दूरी बनाकर रखें। घर में किसी शुभ कार्य के आयोजन को लेकर चर्चा हो सकती है। आज के दिन आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा।

धनु

आज मन से किए गए कार्यों में सफलता प्राप्त होगी और जल्द ही उसका परिणाम आपको देखने को मिलेगा। इस दौरान आपके अधूरे कार्य पूरे होंगे और महत्वपूर्ण चर्चाओं से लाभ होगा। कार्य स्थल का माहौल भी आपके पक्ष में रहेगा और आपको सहयोगियों का पूरा समर्थन भी मिलेगा। आपकी रचनात्मक सोच आपके काम में भी दिखेगी, जिसका आगे चलकर आपको लाभ मिलेगा।

कर्क

आज दिन सामान्य रहने वाला है। इस दिन भागीदारी में किया गया व्यापार आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगा। आज के दिन घर के कामों को निपटाने के लिए अच्छा रहेगा। ऐसे में अगर किसी काम को लंबे समय से टाल रहे हैं तो आज उसे पूरा करना आपके लिए उत्तम रहेगा। संतान से जुड़ा कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेना पड़ सकता है।

सिंह

आज दिन कुंभ राशि वालों को अपने स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहना होगा। मौसम में परिवर्तन से संबंधित परेशानी हो सकती है। ऐसे में आपके लिए जरूरी है कि अपने खानपान में लापरवाही न बरतें। व्यापार के क्षेत्र में आपका दिन सुखद रहेगा और नए अवसर मिलेंगे। हालांकि आपको कार्य करते समय जल्दबाजी से बचना होगा।

कन्या

आज आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। इस दौरान किए गए आपके प्रयास रंग लाएंगे और लाभ के कई अवसर प्राप्त होंगे। वहीं, पारिवारिक जीव की बात करें तो परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। नौकरीपेशा और व्यापारी वर्ग के लोगों को नई योजनाओं से भविष्य में लाभ होगा।

मकर

आज जबरदस्त लाभ देने वाला साबित होगा। आपका दिन लाभ और उन्नति देने वाला रहेगा। इस दौरान कार्यक्षेत्र में चल रहे विवाद के समाप्त होने की संभावना है। नए प्रोजेक्ट की शुरुआत हो सकती है। इससे आपको आर्थिक लाभ होगा। हालांकि इस दौरान जमीन-जायदाद के मामलों में पारिवारिक मतभेद उभर सकते हैं। जिसे आपको धैर्यपूर्वक संभालना होगा।

कुंभ

आज का दिन आज का दिन आर्थिक रूप से लाभदायक रहने वाला है। व्यापार में उठाया गया जोखिम आपको जबरदस्त लाभ दिलाएगा। हालांकि इस दौरान कुछ अड़चन भी आएंगी, लेकिन आज अपने व्यवहार से सुलझा लेंगे। पेंडिंग काम भी आज के दिन पूरे होते दिख रहे हैं। वहीं, शनि देव की कृपा से समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी आज के दिन किसी जरूरतमंद की सहायता करने से आपको शुभ फल मिलेगा।

मीन

आज दिन अत्यधिक व्यस्त नजर आ रहा है। अध्यात्म से जुड़ी गतिविधियों में शामिल होने का मौका मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आज के दिन आपको कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्यों में अड़चन डाल सकते हैं। ऐसे में आपको संयम बनाकर रखना होगा। आज के दिन अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित रखें।

एचएससीएल का एक चार तल्ला ब्लॉक गिरा, दर्जनों लोग बेघर

बोकारो इस्पात नगर के ज्यादातर आवास जर्जर, प्रबंधन का ध्यान नहीं : विधायक

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर 1बी स्थित जनवृत-01 एच एस सी एल की आवासीय कॉलोनी का चार मंजिला एक ब्लॉक शनिवार कैडर शाम क्षतिग्रस्त होकर गिर गया। जिसके कारण 16 आवासधारी अपने परिवारों के साथ बेघर हो गए ज्ञात हो कि बोकारो स्टील सिटी में अब तक आवास गिरने की सबसे बड़ी घटना है। इस घटना की जानकारी मिलते ही बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने अपने समर्थकों को राहत शिविर लगवाकर जनसेवा करने हेतु निर्देशित किया। उक्त घटनास्थल स्थल पर बेघर हुए लोगों को शिविर का माध्यम से पेयजल,भोजन,ठहरने की व्यवस्था की गई है। विधायक श्वेता सिंह ने बताया कि पूर्व में भी इस क्षेत्र में जलजमाव के कारण 50 से अधिक लोग बेघर हुए थे। उनकी सेवा भी हमलोगों ने स्थिति सामान्य होने तक की थी और आज भी इस आपदा के घड़ी में चरतल्ला निवासियों के साथ खड़े है। विधायक ने बताया कि बोकारो स्टील सिटी अंतर्गत सेल/एच.एस.सी.एल एवं अन्य कंपनियां कार्य करती है। यहीं की जनता के किए गए परिश्रम रूपी कार्यों से अपने प्रतिष्ठान को मुनाफा की ओर ले जाती हैं। लेकिन इन कंपनियों को लोकहित में अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का बोध नहीं होता है जिसके कारण ऐसी घटनाएं पूरे सिटी में हो रही हैं। विधायक ने जिला प्रशासन को निर्देशित करते हुए राहत कार्य में लगे अपने समर्थकों मनीष कुमार सिंह,बिस्वजीत,शंभू दास,अनुज दुबे,राहुल चटर्जी,रौशन कुमार,रंजेश कुमार आदि लोगों से समन्वय स्थापित कर जनता को सहूलियत देने की दिशा में ठोस कार्य करे।

स्वदेशी अपनाने को भाजपा किसान मोर्चा के कार्यकर्ता लोगों को करेंगे जागरूक

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भाजपा किसान मोर्चा के द्वारा जैनामोड स्थित भाजपा किसान मोर्चा के कार्यालय में टिफिन बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि मोर्चा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता हर घर स्वदेशी घर-घर स्वदेशी को अपनाने के लिए लोगों को जागरूक करेंगे। किसान मोर्चा के कार्यकर्ता घर-घर जाकर स्वदेशी की विशेषता को बताएंगे एवं आने वाले त्यौहार में सभी से स्वदेशी अपनाने का आग्रह करेंगे।

स्वदेशी के महत्व को बताएंगे। टिफिन बैठक को समरसता का प्रतीक बनाते हुए कार्यकर्ता अपने अपने घरों का बनाया हुआ भोजन टिफिन में लेकर आए और सामूहिक रूप से भोजन किया। टिफिन बैठक को अध्यक्षता कार्यक्रम प्रभारी भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री अर्जुन सिंह एवं पूर्व सांसद रवींद्र कुमार पांडे और संचालन जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर महथा व जिला महामंत्री अरविंद कुमार राय ने किया। बैठक में शंकर रजक ,मुकेश राय, विनोद कुमार, झारखंड महथा, ए के वर्मा, आर एन ओझा, हिमाचल मिश्रा, सुमन सिंह,संतु राय ,अनिल मुर्मू, जय नारायण मरांडी ,बालेश्वर मुर्मू, यदुनंदन जायसवाल ,त्रिपुरारी नाथ तिवारी ,रणविजय सिंह, सतीश राय ,कृष्णा महतो, धर्मेंद्र महथा, महेंद्र महतो, निमाई ओझा, मटुकचंद्र महतो, सुनील मंडल, वासुदेव महतो शामिल हुए।

स्टील मेल्टिंग शॉप में हादसा, पिघला हुआ इस्पात गिरा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट के स्टील मेल्टिंग शॉप-1 में बी शिफ्ट के दौरान उस वक्त हड़कंप मच गया जब कन्वर्टर से एलएफ में लिक्विड स्टील ट्रांसफर करते समय पिघला हुआ इस्पात नीचे गिर गया। प्रारंभिक जांच में लेडल में संभावित छेद (पंक्चर) को हादसे की वजह माना जा रहा है। घटना के बाद लेडल को तुरंत मरम्मत के लिए भेजा गया। तकनीकी टीम ने मौके पर पहुँचकर स्थिति का जायजा लिया और सुधारात्मक कदम उठाए। सौभाग्य से इस हादसे में किसी कर्मचारी के घायल होने की सूचना नहीं है। मौके पर मौजूद कर्मियों की सतर्कता से एक बड़ा हादसा टल गया। वरिष्ठ अधिकारियों ने स्थल पर पहुँचकर जांच शुरू कर दी है। हालांकि बीएसएल में हाल के दिनों में लगातार हो रही ऐसी घटनाएँ सुरक्षा मानकों पर गंभीर सवाल खड़े कर रही हैं। सूत्रों के मुताबिक प्रबंधन ने कहा है कि फिलहाल स्थिति पूरी तरह सामान्य है और उत्पादन कार्य सुचारु रूप से चल रहा है।

जीवन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कसमार प्रखंड की दुगार्पुर पंचायत स्थित कुरको आंगनवाड़ी केंद्र में सहयोगिनी संस्था द्वारा "जीवन कौशल आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम" का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किशोरियों और महिलाओं को जागरूक करना, उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ना और बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ सशक्त करना है। कार्यक्रम के दौरान, सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ाव, वंचित वर्ग की किशोरियों एवं महिलाओं के बीच जेंडर जागरूकता, तथा हिंसा की रोकथाम जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। सहयोगिनी संस्था के कोऑर्डिनेटर प्रकाश कुमार महतो ने बताया कि संस्था वर्तमान में कसमार प्रखंड की दुगार्पुर, बगदा, खैराचातर और टांगटोना पंचायतों के 19 गांवों में किशोरी एवं युवा महिला समूह बनाकर उनकी नेतृत्व क्षमता के विकास पर कार्य कर रही है। उन्होंने जोर दिया कि इन समूहों को सरकारी योजनाओं से जोड़कर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्कूलों में सुरक्षित और जागरूक वातावरण बनाना हमारे भविष्य की नींव है, और हर बच्चे को गरिमा के साथ जीवन जीने एवं आगे बढ़ने का अधिकार है। सहयोगिनी की एनिमेटर विनीता देवी ने बताया कि दुगार्पुर पंचायत में किशोरी एवं युवा महिला समूहों के साथ मिलकर जीवन कौशल और नेतृत्व क्षमता विकसित करने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। रिसोर्स पर्सन प्रेम कुमार महतो ने किशोरावस्था में शारीरिक एवं मानसिक शिक्षा की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इस उम्र में सही मार्गदर्शन से बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव है। उन्होंने बाल विवाह के गंभीर दुष्प्रभावों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बाल विवाह से बच्चों की शिक्षा बाधित होती है, उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ता है, और कम उम्र में लड़कियां गर्भावस्था तथा प्रसव संबंधी जटिलताओं का शिकार बनती हैं। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों और किशोरियों को जीवन के प्रति सजग, आत्मनिर्भर एवं आत्मविश्वासी बनाना है। इस मौके पर किशोरी क्लब की लाडली प्रवीण, आभा महतो, नेहा कुमारी, रोजी प्रवीण, सुधा कुमारी समेत कई अन्य लोग मौजूद रहे।

आउटसोर्सिंग कंपनी के प्रबंधक पर गोली चलाने वाला गिरफ्तार

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बीते 27 सितंबर को धनबाद के मुनीडीह ओपी क्षेत्र स्थित इंदुकुरी आउटसोर्सिंग कंपनी के प्रबंधक गोपाल रेड्डी के ऊपर हुई गोलीबारी मामले में पुलिस ने अपराधी राहुल मंडल को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही उसके निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त पिस्टल को भी बरामद कर लिया है। रविवार को डीएसपी नौशाद आलम ने इस मुनीडीह ओपी में एक प्रेस वार्ता आयोजित कर इस संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि मुनीडीह ओपी क्षेत्र का ही रहने वाला राहुल कुमार मंडल ने ही कंपनी पर अपना दबदबा बनाने और रंगदारी को लेकर इंदुकुरी आउटसोर्सिंग कंपनी के प्रबंधक गोपाल रेड्डी पर गोलियां चलाई थी। जिससे गोपाल रेड्डी का पाँव बुरी तरह जख्मी हो गया था। बता दें कि इस वारदात को अंजाम देने में कंपनी प्रबंधक ने ड्राइवर भी सहायता की थी, जिसे पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। डीएसपी नौशाद आलम ने बताया कि गोली चलाने वाले राहुल मंडल का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है। पुलिस इस मामले में और भी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

खेलो इंडिया अस्मिता किकबॉक्सिंग लीग : धनबाद में 153 महिला खिलाड़ियों ने दिखाया दम

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद के मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेलो इंडिया अस्मिता किकबॉक्सिंग लीग का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में धनबाद जिले की 153 महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया और अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से महिला सशक्तिकरण का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद ढुल्लु महतो रहे, जिन्होंने प्रतियोगिता का उद्घाटन किया और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि धनबाद की बेटियाँ अब खेल के हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं, और केंद्र व राज्य सरकार की योजनाएँ उनके लिए नए अवसरों के द्वार खोल रही हैं।इस आयोजन में सांसद ढुल्लु महतो का विशेष सहयोग और मार्गदर्शन रहा, जिनकी प्रेरणा और सहायता से यह कार्यक्रम अत्यंत सफल रहा।यह प्रतियोगिता धनबाद किकबॉक्सिंग एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित की गई, जिसके महासचिव राज संचू राजवार और झारखंड एमेच्योर स्पोर्ट्स किकबॉक्सिंग एसोसिएशन के महासचिव प्रवीण कुमार के संयुक्त नेतृत्व में प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। दोनों पदाधिकारियों ने महिला खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, चयन और आयोजन की संपूर्ण व्यवस्था का मार्गदर्शन किया।कार्यक्रम के सफल संचालन में रंसी मोहम्मद इस्लाम और आशीष कुमार का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला खेल विभाग का विशेष सहयोग रहा।जिला खेल पदाधिकारी श्री उमेश लोहरा और जिला खेल समन्वयक मिस रिंकू कुमारी की उपस्थिति एवं सहयोग से खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ा तथा आयोजन को बेहतर समन्वय और समर्थन प्राप्त हुआ।

झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह आठ साल बाद लौटे धनबाद, स्वागत में उमड़ा जनसैलाब

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह रविवार को आठ साल बाद धनबाद पहुंचे। उनके स्वागत के लिए हजारों की संख्या में समर्थक सड़कों पर उतर आए और पूरे शहर में उत्सव जैसा माहौल दिखाई दिया। समर्थक झंडे, बैनर और नारेबाजी के साथ संजीव सिंह के आवास तक पहुंचे। झरिया की वर्तमान विधायक एवं संजीव सिंह की पत्नी रागिनी सिंह ने पति की वापसी पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि आठ वर्षों के बाद उनके घर में फिर से खुशियां लौटी हैं। उन्होंने कहा कि उनके पति निर्दोष थे, बावजूद इसके उन्हें फंसाया गया, लेकिन उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा था और आखिरकार न्याय मिला। संजीव सिंह पर अपने चचेरे भाई नीरज सिंह की हत्या का आरोप लगा था इस मौके पर बड़ी संख्या में भाजपा नेता, कार्यकर्ता, पूर्व विधायक और संजीव सिंह की माता कुंती देवी सहित अनेक लोग मौजूद रहे। पूरे क्षेत्र में संजीव सिंह की रिहाई और आगमन को लेकर उत्साह का माहौल देखा गया।

भाकपा माले सम्मेलन का समापन, बिहार चुनाव में 25 सीटों पर दावा का निर्णय

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद जिला भाकपा माले का दो दिवसीय जिला सम्मेलन का आज संपन्न हो गया। इस सम्मेलन में निरसा विधायक अरूप चटर्जी, सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो उर्फ बबलू महतो सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। सम्मेलन में संगठन विस्तार, पदाधिकारियों के चयन के साथ राज्य और राष्ट्रीय मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। नेताओं ने रैयती जमीन को आउटसोर्सिंग कंपनियों द्वारा हड़पने, केंद्र सरकार की मजदूर और किसान विरोधी नीतियों तथा युवाओं के रोजगार जैसे मुद्दों पर आंदोलन की रणनीति तय की। इस दौरान निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने कहा कि यह भाकपा माले का 12वाँ जिला सम्मेलन है, जिसमें संगठन को मजबूत करने और जनमुद्दों पर आंदोलन की दिशा तय की गई। साथ ही बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के साथ बातचीत जारी है, और भाकपा माले ने 25 सीटों पर दावा किया है, वार्ता के बाद आगे की रणनीति तय की जाएगी। वहीं सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो ने कहा कि सम्मेलन में राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई है तथा कई जनमुद्दों पर आंदोलन की रूपरेखा तैयार की गई है।

बोकारो में बूचड़खानों पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, हटाने को नोटिस

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो में एयरपोर्ट के पास संचालित 29 अवैध बूचड़खानों पर जिला प्रशासन और नगर निगम की संयुक्त टीम ने कड़ी कार्रवाई शुरू की है। प्रशासन ने सभी संचालकों को नोटिस जारी करते हुए 15 दिनों के भीतर बूचड़खाना हटाने का निर्देश दिया है। यह कार्रवाई एयरपोर्ट की सुरक्षा, स्वच्छता और पर्यावरण मानकों के उल्लंघन को देखते हुए की गई है। टीम ने क्षेत्र का निरीक्षण कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की और सभी 29 संचालकों को नोटिस थमाया है। आदेश में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यदि निर्धारित समय सीमा में बूचड़खाने नहीं हटाए गए, तो प्रशासन बलपूर्वक कार्रवाई करेगा। वहीं, स्थानीय दुकानदारों में इस कार्रवाई को लेकर नाराजगी देखी जा रही है। उनका कहना है कि वे पिछले 40 वर्षों से अधिक समय से यहां अपना व्यवसाय कर रहे हैं और इस काम से लगभग 100 परिवारों का गुजर-बसर होता है। दुकानदारों का कहना है कि प्रशासन को अचानक कार्रवाई करने के बजाय उनके लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए ताकि वे अपने परिवार का पालन-पोषण जारी रख सकें। जिला प्रशासन का कहना है कि सुरक्षा और स्वच्छता के दृष्टिकोण से एयरपोर्ट क्षेत्र के पास बूचड़खाने चलाना नियमों के विरुद्ध है। अब देखना यह है कि आने वाले दिनों में दोनों पक्षों के बीच क्या समाधान निकलता है और क्या बूचड़खाने तय समय सीमा में हटाए जाते हैं या मामला आगे बढ़ता है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भर भारत के युग में प्रवेश कर चुका है : अन्नपूर्णा

दुमका/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपराजधानी दुमका में भारतीय जनता पार्टी द्वारा रविवार को अग्रसेन भवन में 'दुमका विधानसभा स्तरीय आत्मनिर्भर भारत' सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सह संताल परगना प्रभारी बालमुकुंद सहाय मौजूद थे। अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश एक नए युग में प्रवेश कर चुका है, यह आत्मनिर्भर भारत का युग है। बाद में दुमका परिसदन में प्रेसवार्ता कर केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि नरेंद्र मोदी स्वदेशी को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। प्रधानमंत्री ने देशवासियों से आह्वान किया है कि वे वोकल फॉर लोकल के तहत भारत में निर्मित स्वदेशी वस्तुओं का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करें और छोटे शिल्पकारों द्वारा उत्पादित वस्तुओं को ज्यादा-से-ज्यादा खरीदें, ताकि आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को पूरा किया जा सके। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पीएम का प्रयास है कि देश के छोटे-छोटे शिल्पकारों को भी एसएसजी के माध्यम से बाजार उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि आज भारत में सुई से लेकर ब्रह्मोस तक का निर्माण किया जा रहा है। भारत रक्षा उत्पादन में भी आत्मनिर्भर हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य है भारत में बनने वाली स्वदेशी वस्तुओं को हर घर तक पहुंचना है। इस लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता जिला से लेकर प्रखंड स्तर तक सक्रिय हैं और घर-घर स्वदेशी के संकल्प को पहुंचाने में जुटे हैं। केंद्रीय केबिनेट मंत्री अनपूर्णा देवी ने पश्चिम बंगाल के दुगार्पुर में एक मेडिकल छात्रा के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म के मामले में वहां की मुख्यमंत्री ममता ममता बनर्जी के बयान को हास्यास्पद और विरोधाभासी बताया। उन्होंने सवाल किया कि ममता बनर्जी यह चाहती हैं कि बच्चियां पढ़ाई-लिखाई नहीं करें, ट्यूशन नहीं जाएं, स्कूल नहीं जाएं और घर में कैद होकर रहें? मंत्री ने कहा कि ममता बनर्जी अपराध पर अंकुश नहीं लगा सकतीं। सीएम को विधि व्यवस्था को सुधारने पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। पश्चिम बंगाल में अपराध की घटनाएं बढ़ी हैं। वह एक महिला सीएम है और दुर्भाग्यपूर्ण है कि उस प्रदेश में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि एनडीए और बीजेपी के प्रति लोगों का विश्वास है। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में जिस तरह से बिहार में विकास और महिला सशक्तीकरण के कार्य हुए हैं, उससे राज्य में एक बार फिर एनडीए गठबंधन की सत्ता में वापसी तय है। एसआइआर को लेकर उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग यह स्पष्ट कर चुका है कि किसी के मताधिकार को छीना नहीं जायेगा।

इंटक के मजदूर समागम में कांग्रेसियों ने आगामी लोकसभा चुनाव को ले किया शंखनाद

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो के सेक्टर 2 कला केंद्र में इंटक की तरफ से मजदूर समागम का आयोजन किया गया। इस समागम के माध्यम से आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत को लेकर शंखनाद किया गया। इस संक्रांति कार्यक्रम में बेरमो के कांग्रेस विधायक कुमार जय मंगल सिंह धनबाद लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी रही अनुपमा सिंह मुख्य रूप से मौजूद रही। इस समागम में ग्रामीण विस्थापित और शहरी क्षेत्र से आम लोगों के साथ मजदूर में मौजूद भी शामिल हुए। कांग्रेस विधायक कुमार जय मंगल सिंह ने कहा कि आज धनबाद के सांसद केंद्र सरकार से अपनी बातों को मनवाने के बजाय राज सरकार के अधिकारी और कर्मचारियों को भला बुरा कह रहे हैं । इतने कम समय में जनता का विश्वास उठ गया है, यह सोचने की बात है। हम आम लोगों के साथ मिलकर काम करते हैं और धनबाद लोकसभा में यह जारी रहेगा। कांग्रेस नेत्री अनुपमा सिंह ने कहा कि आज बाघमारा की स्थिति क्या है, यह किसी से छुपा हुआ नहीं है जनता त्रस्त है। लोगों को बरगलाकर वोट लिया गया। वही धनबाद सांसद का प्रतिनिधि रहे कन्हैया पांडे ने कहा कि संसद की कार्यशैली से कार्यकर्ता की बात छोड़ दीजिए ग्रामीण भी आक्रोशित है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145665 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com